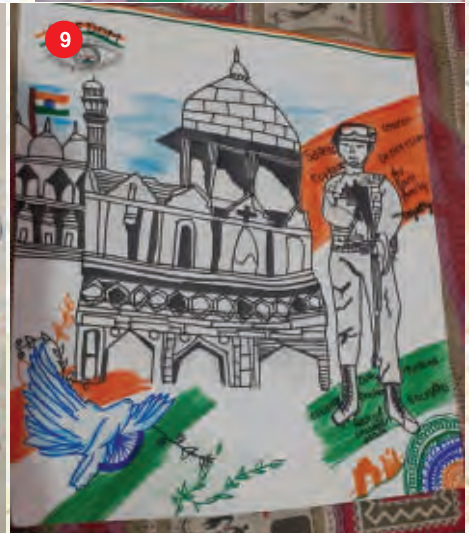


समदृष्टि

2022



RAM LAL ANAND COLLEGE
University of Delhi



ये चित्रकृतियाँ छात्रों द्वारा सृजित हैं

मुख पृष्ठ: अदिति पाण्डे, बी.कॉम प्रोग्राम

1. राखी, बी.ए. प्रोग्राम
2. सागर ठकराल, बी.ए. प्रोग्राम
3. वंशिका, बी.ए. राजनीति शास्त्र
4. ईशिका, बी. कॉम
5. दीपाक्षी, बी.ए. हिन्दी
6. मीनाक्षी, बीजेएमसी
7. सृष्टि
8. दीपाक्षी, बी.ए. हिन्दी
9. विधि, बी.ए. हिन्दी

Contents....

चैयरमेन का संदेश	02	संवेदना	67
Principal's Message	03	भारतीय खेल	67
संपादकीय मंडल	04	छत्रपति शिवाजी	68
संपादकीय	05	हिंदी मेरी मातृभाषा	68
Gandhi Study Circle	06	मातृभाषा	68
Center For Human Values, Ethics and Life Skills	09	बचपन बस बातें बन कर रह गई है	69
ECA Committee	12	हिंदी मेरी मातृभाषा	69
Hasratein: The Dramatics Society	18	नौकरी	70
National Service Scheme (NSS)	20	बेखौफ जवान	70
अभिव्यक्ति	26	जब जीवन जंग सा लगे	71
'आरोह' हिंदी वाद-विवाद समिति	27	मातृभाषा	71
'अस्मि' जेंडर सेन्सेटाईजेशन समिति	28	सपना	72
दृश्यम् फिल्म एवं फोटोग्राफी क्लब	30	बह रहा नयन-नीर	73
Guru- The Quiz Society	31	हिंदुस्तान के माथे की बिंदी	73
Spic Macay	32	आल इज़ वेल	74
Awaaz	34	आखिरी गलती	74
भारतीय अनुवाद परिषद	35	Knowledge : Ocean of Wisdom	74
Abhivyakti	36	Love	75
Pathway	38	Success	75
Aikyam	42	वसीहत और नसीहत	75
Women Welfare Advisory Committee	44	सुनो जनवरी	76
National Cadet Corps (NCC)	46	माँ	76
Life: The Art of Drawing Without an Eraser	49	मातृभाषा	77
A Letter to Mr Adjective	50	भारत माँ के वीर सपूत	77
When to Study?	50	राष्ट्रप्रेम और हमारा दायित्व	78
You Don't Need Words to Express	51	भारतीय सैनिक	78
Feminist	52	मेरे पिता	79
The Two Fish in My Bowl	53	युद्ध के मैदान में प्रवेश करने से पहले एक सैनिक के विचार	79
Girl Child	54	भारतीय शिक्षा प्रणाली पर जातिवाद का प्रभाव	79
Eccentric	54	Economics	80
समाज का मुखौटा	55	Terre-x	82
नारी	55	Political Science	86
Rays of Hope	55	Computer Science	89
गुजरा वक्त	56	Marg	93
राष्ट्र-वीर	56	Ubiquitous	96
हिंदी	56	Commerce	100
नारी	57	Mathematics	104
क्यों उदास बैठे हो?	57	Mikrobiologika	107
जल में अग्नि	58	Vishleshika	111
My Fantasy	58	Sangoshthi	114
प्यारी तितली	59	Sport for all	116
अंतर्मन की चेतना	59	Serenity	118
क्या?	60	ऑनलाइन आयोजन लोकल से ग्लोबल तक	122
बेटियाँ	60	'समदृष्टि' एवं 'सृजन' समिति	125
रिश्तों का है क्यों इतना बोझ?	60	Tawarikh	126
सबसे बड़ा गुरु कौन? ... नकारात्मकता	61	आजादी का अमृत महोत्सव	128
Flesh	61	Non-Teaching Staff	130
आज का भारत	62	विद्यालय प्रांगण	133
Comrades	62	नैसर्गिक वैभव एवं अन्य आकर्षण	134
राष्ट्रप्रेम और हमारा दायित्व	63	World Yoga Day	134
"ज्वाला है हिंदी" मेरी मातृभाषा हिन्दी	64	विशिष्ट उपलब्धियाँ	135
शायरी	65	छात्र श्रेष्ठता पुरस्कार	136
देश में चली सुभाष के राष्ट्रवाद की लहर	66		

संदेश



संत हृदय नवनीत सभाना
कहा कतिह परि कहैत जाना ॥
निज परनाप इवहिं नवनीता
पर दुख इवहिं संत सुपुकीता ॥
जीवन जन्म शुफल मम मयक
तव प्रसद् संसय सब गयक ॥

शिवचित मानस
उत्तरकांड

ब्रजकिशोर शर्मा

श्री ब्रजकिशोर शर्मा
चेयरमैन, प्रबन्ध समिति
रामलाल आनन्द महाविद्यालय

PRINCIPAL'S MESSAGE

Higher Education plays a crucial role in shaping the future of students. Students not only gain knowledge and skills in college, they also learn values and build their character. We, at Ram Lal Anand College, strive to provide such holistic education, and aim towards grooming every aspect of student's personality through various extra and co-curricular activities organised by the departments, centres and societies in addition to academics. The college annual magazine 'Samdrishti-22' is the collection and showcase of expression of creative thoughts and ideas of our students under the able guidance of our faculty.

The colleges were reopened in February this year after a long period of closedown for almost two years due to Covid-19 Pandemic. The teaching and learning process during the academic session 2021-22 was partially online. On the reopening of the college, the atmosphere was filled and infused with happiness and enthusiasm of students which was a moment of great pleasure and satisfaction for all of us. Though the students and faculty were actively involved in organising and participating in webinars, debates, yoga and meditation sessions, community service, public awareness and sensitization programs during the online teaching learning process, their eagerness and zeal to come together to work as team in physical mode was overwhelming and exciting.



The college has promoted extensively research and innovation culture in the college through funding in-house research projects of students and faculty, extramural grants, and entrepreneurial and start-up ecosystem. The college has been recognised as the sustainable campus by Ministry of Education for its eco-friendly efforts like rainwater harvesting, clean and green campus, solar energy, water recycling, and solid organic waste composting. In the coming academic session, the students will wake up listening to the 'RLA Radio' the community radio station at Ram Lal Anand College, the one of its kind in University of Delhi Colleges.

I am thankful to the editorial board for their strenuous efforts and the active participation of students, and the dedicated staff, to compile the yearlong activities of various staff council societies and departments.

At the end, my sincere gratitude to all the stakeholders of RLAC i.e. the Governing body, staff, parents, and students for keeping your trust and belief in this institution. I am very sure that with your continuous support, we will be able to take our college to highest level of excellence. We shall continue working in the best interests of our beloved students, inculcating values and ethics keeping the spirit of the college motto "श्रद्धावान् लभते ज्ञानम्"

Wishing all students a very happy learning experience!

With blessings and warm wishes.

R. Gupta

Prof. Rakesh Kumar Gupta

संपादकीय मंडल



प्रो. सुभाषचंद्र डबास
संयोजक, समदृष्टि एवं
सृजन पत्रिका समिति



डॉ. सुरेन्द्र कुमार



डॉ. राजेश गौतम



दीक्षा सपरा



डॉ. दीप्ति गुप्ता



प्रज्ञा देशमुख



डॉ. प्रेरणा मल्होत्रा

छात्र संपादकीय मंडल



ताक्षी



आयुषि



पूजा



अंजलि



शुभम



सृष्टि



आरती नायक



गीतू कल्याण



राम कुमार पांडेय



सिद्धान्त खन्ना

संपादकीय

प्रिय पाठकवृंद! अभी हम कोरोना की महाविपदा से धीरे-धीरे उबरने की ओर हैं। ऑनलाईन कक्षाओं से कॉलेज में ऑफलाइन अध्ययन प्रक्रिया से लाभान्वित हो रहे हैं। इसी क्रम में ओ. बी. ई. परीक्षा के स्थान पर ऑफलाइन परीक्षा में छात्रों की सक्रिय भागीदारी ने ज्ञानार्जन के अवरुद्ध द्वारों को पुनः खोल दिया है। छात्रों की जिज्ञासाओं का परिशमन, ज्ञानवर्द्धन और मार्गदर्शन का यही उचित माध्यम हो सकता है। अनेक पाठ्येतर सहक्रियाओं में छात्रों की सक्रिय प्रतिभागिता से महाविद्यालय का पूरा परिवेश उल्लासपूर्ण और चेतनशील हो गया है। अभी हाल ही में महाविद्यालय में तृतीय वर्ष के छात्रों की आशा, विश्वास, भावनाओं और कामनाओं को महत्व देते हुए केंद्रीकृत विदाई समारोह का आयोजन किया गया। ये कार्यक्रम अपने आप में अद्भुत था। इस उत्सव ने पूरे महाविद्यालय प्रांगण को खुशियों और उल्लास से भर दिया। गोधूलि की पवित्र अनुभूति, प्रकृति का खुला सौंदर्य, रंगीन प्रकाश-व्यवस्था, संगीत की माधुर्यपूर्ण स्वर लहरियां, राधा-कृष्ण के रास रंग की नृत्य नाटिका और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम व लोकगीतों ने सभी का मन मोह लिया। इसी तरह छात्रों की कल्पनाशीलता और संवेदनशीलता का एक रचनात्मक प्रयास है – 'समदृष्टि 2022'।

इस समय देश में 'आजादी का अमृत-महोत्सव' सरकारी एवं गैर-सरकारी व निजी संस्थानों के द्वारा बड़े पैमाने पर उत्साहपूर्वक मनाया जा रहा है। अभी-अभी दिल्ली विश्वविद्यालय ने अपना जन्म शताब्दी समारोह आयोजित किया है। राम लाल आनन्द महाविद्यालय में भी विभिन्न विभागों और समितियों ने आजादी के अमृत महोत्सव से संबद्ध अनेक प्रतियोगिताओं और कार्यक्रमों का आयोजन किया। नारी-सशक्तिकरण, शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता, राष्ट्रप्रेम, आजादी का आन्दोलन, बलिदानी भावना, मातृभाषा, समाज – संस्कृति, मानवीय-मूल्य, पर्यावरण और गांधीजी की सत्य – अहिंसा, स्वावलंबन और आत्मनिर्भरता आदि विषय मुख्य रूप से चर्चा-परिचर्चा के केंद्र में रहे हैं। 'समदृष्टि' व 'सृजन' पत्रिका समिति ने भी ऐसे अनेक आयोजन किए, जिनसे विद्यार्थियों की रचनात्मक कौशल अभिव्यंजना के साथ ही राष्ट्रभक्ति, मातृभाषा प्रेम, पर्यावरण के प्रति सजगता, बेटियों के प्रति प्रेम व सहानुभूति, स्वच्छता, नैतिक मूल्यों के प्रति जागृति, शिक्षा और व्यक्तित्व का सन्तुलित विकास आदि विषयों में छात्रों का ज्ञानवर्द्धन और मार्गदर्शन भी होता है। गांधी जी ने ऐसी बुनियादी शिक्षा की कामना की थी, जिससे युवाओं का शारीरिक, मानसिक, चारित्रिक, भावनात्मक और रचनात्मक कौशल का एक साथ समुचित विकास हो सके और विभिन्न प्रकार के व्यसनों से युवा वर्ग बचा रह सके। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र में मौलिक अधिकारों के साथ ही कर्तव्यों के प्रति सजगता संविधान के कल्याणकारी होने का अनिवार्य अंग है। इसलिए कर्तव्यनिष्ठा, श्रमशीलता, कर्म-पूजा, आत्मावलोकन और अनुशासन प्रियता के गुण व्यक्तिगत जीवन, समाज कल्याण और देश के लिए अति आवश्यक हैं। वर्तमान समय में प्राकृतिक संपदा व सौन्दर्य और सांस्कृतिक वैभव का संरक्षण और पुनर्निर्माण मनुष्य जीवन के लिए अपरिहार्य बन गया है।

महाविद्यालय की प्रबंध समिति के अध्यक्ष श्री बृज किशोर शर्मा जी का दिव्यतापूर्ण मार्गदर्शन एवं सत् प्रेरणा हम सभी के लिए उत्साहवर्द्धक रही है। प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता की स्नेहिल दृष्टि और सहयोग भावना हमारी प्रेरणास्रोत है। आप सभी स्वस्थ, कर्मठ और उत्साही बने रहें। सभी को साधुवाद।

प्रो. सुभाषचंद्र डबास
संयोजक, समदृष्टि एवं सृजन पत्रिका समिति

GANDHI STUDY CIRCLE

Gandhi Study Circle of the college provides an active platform to the students to express diverse opinions on different topics going beyond mere promotion of Gandhian values. The main aim and objective of this circle is to promote Gandhian values and nation building. The Circle has organized Talks, Seminars, National Seminars & International Conferences in the past one year. It has also conducted Essay Writing Competitions.

The activities of circle begins with the selection of the office bearers of the Circle. Geetu Katyal of BJMC Department chosen for the post of president. Shubhum from the history department & Takshi from Commerce Department were nominated as vice president and secretary respectively.

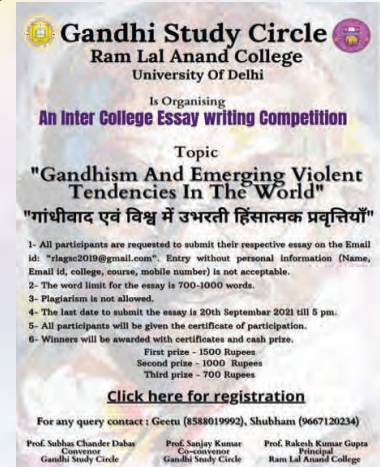
Webinar on 'Azadi ka Amrit Mahotsav and Our Responsibility'

The session begins with the webinar which was organized on 6th August 2021 in the remembrance of Dr. Devendra Kumar. Prof. R. C. Bhardwaj, Director, Gandhi Bhawan, University of Delhi was invited as a speaker for this webinar. The topic of the webinar was 'Azadi ka Amrit Mahotsav and Our Responsibility' More than 100 Participants participated in this webinar which was organized on an online platform, Zoom.



Essay Writing Competition

After the webinar, Circle organized an Essay writing competition. The topic of the competition was 'Gandhism and Emerging Violent Tendencies in the World.' More than 40 students of different colleges participated in this event. All the winners were awarded with cash prizes & all the participants received certificates of participation.



National Webinar

Gandhi Study Circle of the College organized a National Webinar on "Relevance of the Gandhian Vision in the Rampant World Wide Violence" on October 4 2021, where special guest Professor Dinesh Prasad Saklani was invited. More than 150 participants joined this national webinar from all over Delhi University & different universities of India. It was a successful event.



International conference on 'Gandhi and the Global Peace'

After this, the circle organized a two day International conference on 18th and 19th



February, 2022. The topic of the conference was "Gandhi and the Global Peace." With the blessings of principal Prof. Rakesh kumar Gupta and convener of Gandhi study circle Prof. Subhash Chander Dabas the conference was successfully organized and was attended by huge number of participants. Briefing of the event is as follows:-

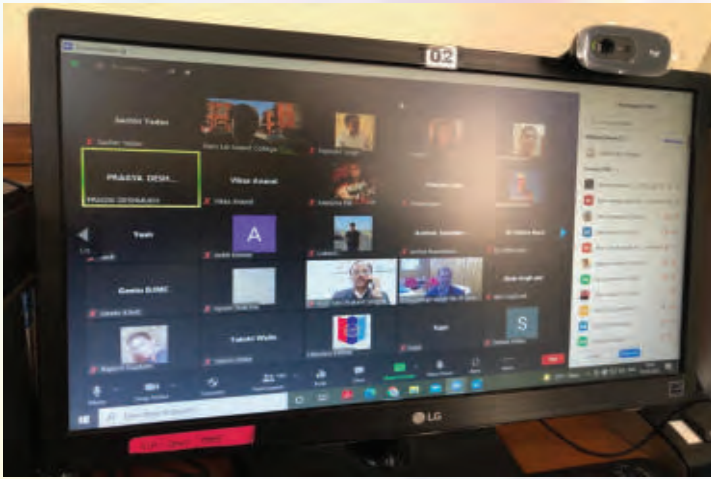
Inaugural season was hosted by Prof. Subhash Chander Dabas who introduced the circle to the participants and it was followed by a warm welcome address by Principal Prof. Rakesh Kumar Gupta.

An address was given by guest of honor by Dr. Dipankar Shri Gyan (Director, Gandhi Smriti & Darshan Samiti, New Delhi), followed by the keynote address by senior Prof. R.C. Bharadwaj (Director, Gandhi Bhawan, University of Delhi)

In 2nd session, we had our guest speaker Prof. Gianliuigi Segalerba and Dr. Kathrin Bouvot from the University of Vienna, Italy. They spoke on "Gandhiji's search for the individual's moral foundations." In the 3rd session we had Prof. Mark Juergensmeyer (University of California, Santa Barbara, USA), he shared his views on "A Gandhisim approach to counter terrorism."

In the 4th session, Prof. Douglas Allen, (Professor of philosophy university of Maine, USA) enlightened us on "how we can relate Gandhi's focus on decentralization and nonviolent peace to the issue of globalism", peace and non-violence in India and in the world.

In 5th session Prof. Anant Giri, was a speaker (Professor Madras Institute of Development Studies, India) who talked about "Walking & meditating with Gandhi ji: Truth, God, Justice



& Ahimsa”

After this 3 more sessions were organized as a part of the International Conference in which different speaker & paper presenters participated. The valedictory speech was given by our chief guest Prof. Shri Prakash Singh (Director, South campus, University of Delhi). Valedictory session of the event address by Prof. DP. Saklani (Director, chauras campus, Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University, Present Director in NCERT, New Delhi). Prof. Sanjay Kumar Sharma, co-convenor of Gandhi Studies circle made the concluding remarks and gave the vote of thanks. This event was also covered in the newspaper.

Gandhi Vichar Sabha was attended by Prof.

S.C. Dabas (Convenor), Dr. Krishan Tyagi and Shri Rajender Singh (member) of Gandhi study circle, Ram Lal Anand College.

It was discussed in the meeting that all national and international problems can be resolved through Mahatma Gandhi's Philosophy of truth and non-violence.

Gandhi Vichar Sabha believes through it positive endeavours and pure creative activities, it aims to inspire and unite the youth towards realisation of the vision and ideals of social justice, secularism, inclusive development, social harmony and democratic values.

Prof. S.C. Dabas
Convenor, Gandhi Study Circle

CENTER FOR HUMAN VALUES, ETHICS AND LIFE SKILLS

In the dynamic and evolving environment where students are preparing to survive and compete in the corporate world, the merit of having a strong values system and life skills is often overlooked. Ram Lal Anand College took the initiative of prioritizing such an important aspect of student's individual growth by introducing a non-credit course on Human Values, Ethics and Life Skills for first year students of all courses.

The program pivots around the goal of guiding and helping young students entering adulthood in establishing vital human skills and lifelong perspective for growth at individual level and further evolving into a rational member of the society. The topics covered during the session are very relevant to students: time management, leadership skills, stress management to name a few.

We, at Ram Lal Anand College invite educators and trainers excelling their respective fields to have workshops and guide our students about various topics. This year's session had an auspicious beginning, by celebrated social worker and founder of Ladli foundation, Dr Devendra Kumar Gupta on 4th December, 2021. He discussed his life experience with students and conveyed how having a bright outlook towards society can change one's life even after starting a life in deprivation. He talked about the basic quality of goodness in the materialistic world, inspiring students to join his NGO. The session was attended by 355 students. The next session was held on 8th, 9th & 10th December by Mr Govind Kumar Mishra, a success coach, public speaker and founder of "Leaders Avenue", covering the topic "Self-awareness and self-esteem". The session turned out to be a very interactive one. Students were glued to their

screen, enjoying his session from the very first shloka he shared till the end of the session. He used videos and his incredible storytelling skills to keep the student entertained while simultaneously teaching them the importance of self-analysis and being confident about our own abilities in these dynamic times. The session was attended by 432 students.

The third session was held on 22nd, 23rd and 24th of December with the topic being "Critical & Creative Thinking". The session was led by public speaker and a successful coach Mrs. Meenu Bhargava. Students immediately connected to her as she spoke about fairly relevant topics like mental health and depression and even advocated students against the flaws of education system. She had visual and practical exercises throughout the session teaching the students about the role of analysing the situation through different perspective for developing critical and creative thinking. The session was attended by 407 students. The next session was conducted by Dr Ajay Sharma, a prolific author and senior trainer, on 5th, 6th and 7th January with the topic being "Social and Political responsibility". The theme of the session was quite new and important for students they were introduced to their newly attain responsibility against the society as they entered adulthood. The students had tons of questions as the topics were quite compelling revolved around their day-to-day practices. He also gave room for discussion for student's personal political interests making the session connect with students at a personal level. The session was attended by 386 students.

The next session was held on 19th, 20th and 21st of January the talking point of the session was "Emotional Intelligence". The session was

administered by Mr. Suneel Keswani, a versatile scholar and an experienced trainer. His frank and approachable personality along with the interactive videos he presented made the whole session delightful for the students. He showed how emotional intelligence plays a more important role in the development of a person than his IQ. He was more keen on hearing the student's side of approach than advocating his own. The session was attended by 429 students. The Session held on 2nd, 3rd and 4th February on the topic "Tolerance and Equality" was conducted by educator and founder of NGO Patang, Dr Rita Mishra. The session took off on a serious note with data showing rise in violence against women where she insisted on blaming the patriarchal society and not "men" or "women". Many female students also shared their personal experience regarding discrimination they faced. She even raised her voice against the lesser talked form of discrimination: discrimination against Men, by showing a documentary, "The Lesser Man". The session was attended by 430 students.

The last session of the first half of the course was held on 16th, 17th and 18th February by motivational speaker and trainer Mahak Vaish and covered the topic "Anger and stress Management" one of the most relevant topics for young mind, many easy and simple practices were instructed to students by her to cope up with stress and anger. She made us realise how a little change in perspective about situation can result in drastic reduction in stress and panic. She gave stress Management formula of O.P.T.I.M.I.S.T.I.C. The session was attended by 421 students.

The second phase of the session commenced with Dr Bhavana Barmi, a clinical psychologist, leader, speaker, motivator and guider with over twenty-five-year experience leading the opening session on the topic "Choices and Decisions" on 9th and 16th

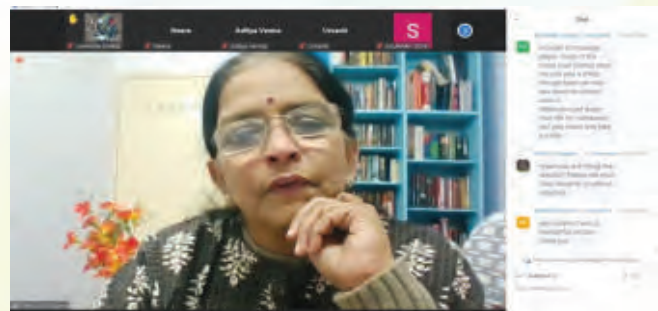
A GLANCE INTO THE SESSIONS:



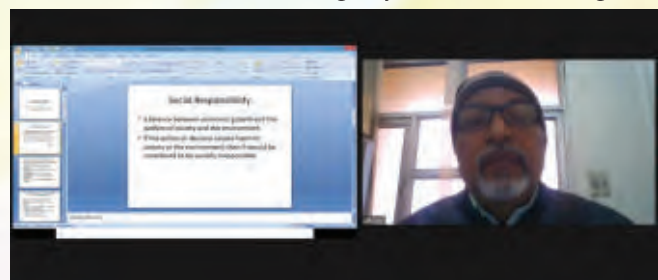
Orientation by Dr Devender Kumar Gupta:



"Self-Awareness & Self Esteem" by Mr Govind Mishra:



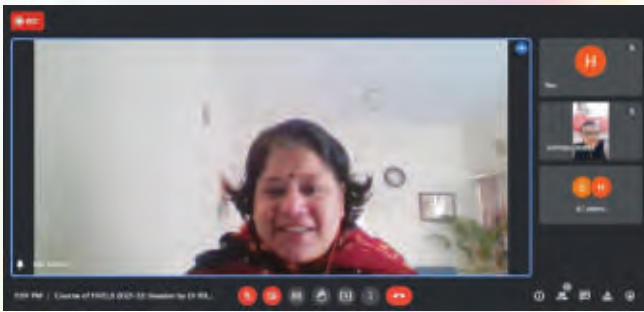
"Critical / Creative thinking" by Ms Meenu Bhargava:



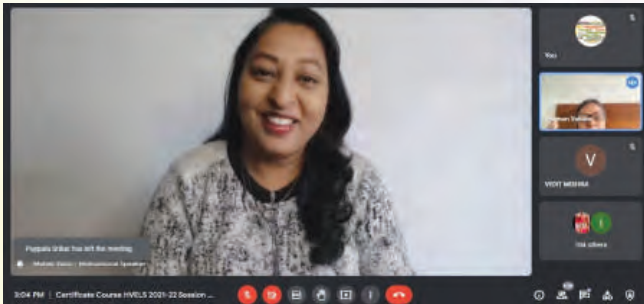
"Social & Political Responsibility" by Dr Ajay Kumar Sharma:



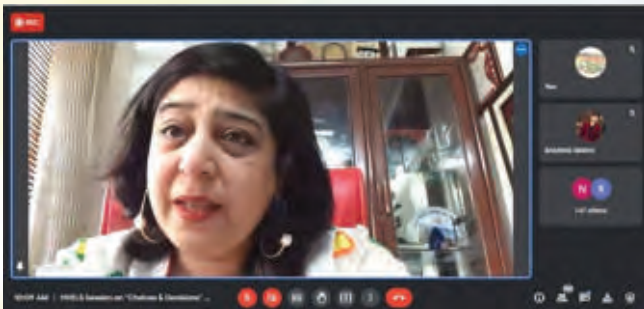
"Emotional Intelligence" by Mr Suneel Keswani:



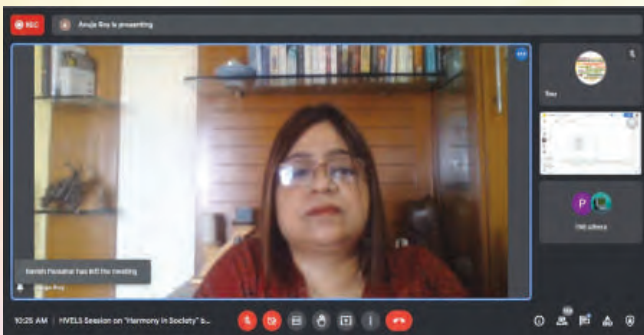
"Tolerance & Equality" by Rita Mishra:



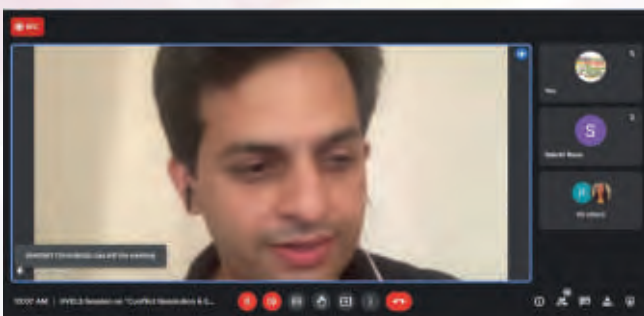
"Anger & Stress Management" by Ms Mahak Vaish:



"Choices and decisions"



"Harmony in society"



"Conflict Resolution and Empathy"

April. The session justified its objective of making young students, who are at the crossroad while making important decisions, understand the complexity of being rational and logical while making indispensable choices and decisions which will shape their future. Student connected with her instantly. They found session was interactive and expressed their were opinions freely. The session was attended by 327 students. The succeeding session was held on 23rd and 30th April with the talking point being "Harmony in Society" under the supervision of Mrs Anuja Roy, an NLP practitioner, visual thinker and corporate trainer. She gave the mantra of "Mind, Body, Emotions and Energy" as the four components that make up us humans and how the harmony within one self can be achieved via the alignment of the four and only through self-harmony harmony in society can be achieved. She urged students to stop relying on "Certain Criteria" for our happiness and try to develop the perspective of inner happiness free from external influence. The session was attended by 382 students.

The next session was held on 7th and 14th May by Mr. Avijit, a certified trainer, with over 14 years of training experience across automobile, manufacturing and FMCG industries with the topic being "Conflict Resolution and Empathy". He asked students to add an adjective to their name to kick off the session with his idea of making learning fun. He shared questions on www.menti.com to record and facilitate student's response. And posted questions for students to answer like "What do you wish to understand by empathy?". He showed many interactive videos to understand how to become empathetic and also talked about four ways of conflict resolution

Dr Rita Jain, Coordinator
Dr Sanjay Kumar Sharma, Co-Coordinator
Dr Pooja Bansal and Neera Pal - Member

ECA COMMITTEE

ECA comprises of specific societies which are involved in various fine arts like music, dance and public speaking etc.

Illusion, the western dance society of Ram Lal Anand College was instituted in 2017 under the guidance of their choreographer, Mr. Manish Kumar. The society's aim is to showcase the passion towards dance through various western dance forms. The team has also inculcated various dance forms like: Bollywood, Urban, Hip-hop, Jazz Punk, Popping and many more which has helped them grow and enhance their dance skills.

The society adapted to the new living during the pandemic and carried out the orientation & annual auditions of the fresher on Google Meet in the month of January. Following the efforts in the past years, a huge number of students came up for the auditions and the best 10 were selected. For the flourishing of the society, the team arranged physical and virtual meetups & practice sessions for the team so that the freshers could have a strong connects with the team. When the news of reopening of

college from 17th February 2022 came in, we were really excited to do regular practice session with new and old members in the best environment possible for the dance society.

After reopening of Delhi University, we started regular practice and prepared a performance of a standard to participate in various offline cultural fests in various colleges. The dance society was able to participate and represent Ram Lal Anand college in the cultural fests of: Bhartiya Vidya Peeth College, National Institute of Fashion Technology, Indra Gandhi Delhi Technical University and Amity University. The society also gave their full participation for the event organised in Ram Lal Anand College: Event for under-privileged children by Sattva the sustainability foundation, Annual fest of Ka-Ching the commerce society of Ram Lal Anand College and Annual Farewell of the college.





The office bearers Abhimanyu Singh (President), Akshita Gupta (Vice President), Preeti Rawa (Secretary), Vastvik Anand (PR) have worked really hard to elevate the name of the society and college to greater heights along

Anantadrishti

Due to covid restrictions the offline practice was at hold for the most part of the session 2021-22. But we held online auditions for the new students and after that started preparing the folk dance Gharwali. The dance was video-graphed and we participated in group dance competition of Janki Memorial College and Deshbandhu College. We also participated in 'Azadi ka Amrit Mahautsov', that was hosted by Delhi University to celebrate Independence day. Apart from these, the president of Anatadrishti, Aditi Agrawal, participated in several solo Dance Competitions that were hosted by, K.R. Mangalam University, IIT Kharagpur etc.



with other team members. The society comprised of 16 diligent members whose dedication has led to the growth of society.

**Contributed by
Abhimanyu Singh, (President, Illusion)**

Our latest performance was shown on the college farewell hosted by RLA on 6th of May. A Krishna Nritya Natika.



ANDAAZ, the one and only anchoring society of Delhi University stands proud and determined with the notion of more confident and unparalleled youth, who is unafraid and possesses the power of spontaneity to talk on every topic given to him/her. For the session 2021-22, the world was still battling with the waves of the pandemic, but we very sportingly took a step further and were successfully able to build a community of aspiring anchors, content writers and graphic designers. To kick start this year, we were successful enough to organize Andaaaz's first ever National Seminar (Speech Writing and Elocution Competition) celebrating "Azaadi ka Amrit Mohotsav" on the theme Shaheed-e-Vatan that received so much love and appreciation throughout the country in the form of participation. To expand our community and to give the budding artists a chance to show their skills and be a part of our team, we conducted an orientation program which got a whooping response in the form of registrations. Followed by the recruitment drive, we selected some of the finest talents in the campus to carry forward the name of the society. Moving forward with the vagabond, Andaaaz launched its new season of the series, 'Andaz Apna Apna' where our very own members shared their hands on experience, which they gained

while being on that big stage which is feared by many, in APNE APNE unique ANDAAZ. This time, we did not only cover the anchoring portion of our society but also gave equal importance to the content writing team and helped the budding writers achieve their dream level. The purpose of this series was to start a conversation, we aimed to reach out to all of the aspiring anchors and content writers in the comfort of their own home and share our lived experiences which might encourage them to go on that stage or write for the gala events! Giving this year the perfect end and our team the perfect opportunity to show our capabilities, Andaaaz hosted and managed the official college farewell - 2K22 and gained the much-needed exposure of live stage handling. We worked day and night tirelessly in our online and offline practice sessions to make the best of this opportunity and were successful in making our mark. Our office bearers: Vishal Bhola, the president and Rushika Makkar the vice president have worked day and night to ascend the name of the society and college to greater heights. We look forward to many more events and like-minded people! SNIPPETS FROM THE PAST YEAR (2021-22) Shaheed-e-Vatan, Orientation Program, Andaaaz Apna Apna Season-3, Farewell-2022.

SNIPPETS FROM THE PAST YEAR (2021-22)



Shaheed-e-Vatan



Orientation Program



Farewell

Grassroots, the Western Music Society successfully commenced the session of 2021-22 under the supervision of ECA Convenor Dr. Archana Gaur. The office-bearers for the term were as follows: President-Shravani Upadhyay, Vice President - Arjun Sanjeev Goswami, and Secretary-Rahul Bhandari. Under their leadership, members Ashutosh Kumar Rai, Vasudha Barthwal, Kanika Bhoj, Sveta Raman, Gouripriya S. Menon, Joel Dias, Monisha Huria, Thangliensang Zote, Eyana Rawat, Timothy Malsomkima, Lallawmzuala, Radhika Thakur, Bilinda Oinam, Tanmaya Kapoor conducted online sessions for practice. After the resumption of offline classes, all members regularly gathered and participated in intensive practice sessions and honed their vocal abilities. The society also organized a workshop session. Samaksh Lekhwar, a singer-songwriter and beatbox artist based in

Delhi, guided the members on a few basics of beatboxing and vocals and took the team through his musical journey.

The society organized a one of its kind event, the DU WMS Showcase. The Showcase was a platform for many music societies, like Crescendo-Sri Venkateswara College, Cadence-IIT Delhi, and Sound Machine-St. Stephen's College, to name a few, for showcasing their musical skills in light of the unavailability of opportunities due to the pandemic. This event was the highlight of the session and received acclaim from all participants. While Grassroots provided this platform to various societies, members of the society also participated in many events. Notably, Joel Dias and his band, Cohesive, secured 1st position in band events organized by NIFT Delhi, Deshbandhu College, and IIT Delhi.



Inara, means to illuminate and the team of fine arts society of Ram Lal Anand College has personified this quality. We are a team of 31 members and every member holds expertise in different art forms and have their art style, thereby bringing in a lot of creativity within the team.

We conducted our auditions for the year 21-22 on 15th January'22 and welcomed a lot of fresh talent into the society. We received more than 100 registrations and many students had shown up during the audition.

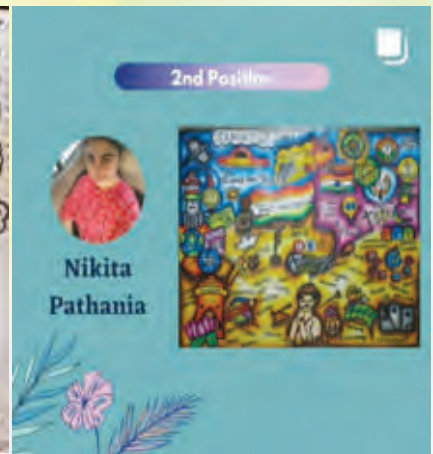
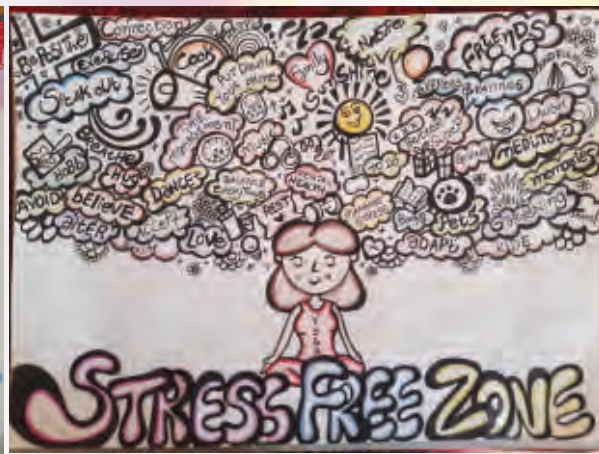
After the formation of Inara's team for the year 21-22, we all have been actively participating in various events organized by different colleges and organizations. The active

participation has given the entire team great exposure and we have also had some achievements in most of the competitions.

Nikita Pathania solely participated in 15 competitions this year and has secured a position in 8 out of them.

Following are her achievements:

1. She secured the second position in national poster making Conley organized by Skill Growth Foundation (NGO) with prize money of Rs 2100.
2. She secured 1st position in doodle-making competition organized by the computer science Department of RLA on 1st January'22 and won a cash prize of Rs 1000.



3. She received a special mention in the poster-making competition on "Vision of India in 2050" organized by the NSS, DCAC.
4. She secured 3rd position in a poster-making competition on sustainability organized by Shivaji College.
5. She secured 2nd position in the poster-making competition on "75 years Independence of India" organized by ARSD College and won a cash prize of Rs 800.
6. She participated in Swarnim Vijay Varsh National Level Painting Competition by the Indian Army and was selected in the top 65.
7. She participated in a national poster-making competition organized by Nav Shri and Culture Organisation on "My Idea of India" and got 43rd rank in the competition.
8. She participated in the Ambedkar Jayanti poster-making competition organized by DPSRU and received an appreciation post on their social media handle.

Muskaan Arora secured 3rd position in "Paint like Pablo" competition organized by Dyal Singh Evening College.

Hemanya Sachdeva was the winner in the Art Rummage competition on the topic





“Modernising Art” organized by Keshav Mahavidyalaya College on 13th April.

Sanjana Kumari secured 3rd position in Chitrakari Sketching Competition organized by Dyal Singh Evening College.

Aakash Parihar is a member of Inara who won:

1. Gold for the *Best Background Score for cinematography* (individual specialization: music compositing)

2. Silver in the *Best 2D animated short film* (individual specialization: storyboard artist)

- In the Delhi CG Awards, organized by MAAC (Maya Academy of Advanced Cinematics)

Sh. Rajinder Singh
Member, ECA Committee

HASRATEIN

The Dramatics Society began its activities on 5th September, 2021, by organising “Shaheedi Ko Salam” (Inter college Monologue Competition) on the occasion of ‘Azadi ki Amrut Mahotsav’. Through this event, the society gave a tribute to the freedom fighters that fought for our freedom and sacrificed their lives for our great nation. Monologue videos were received from participants through email and these were sent to our judges. The criteria of judgment were expression, costumes, theme etc. The final results were prepared adding the scores received from our judges. Top 5 videos were screened over the event and the participants discussed the making of their videos with our judges and spectators.

Prior to this event, an open discussion session was also organized on 3rd September, 2021. ‘Various phases of Indian independence’ was the main topic of discussion. Monologue act participants from various colleges also shared their experience during the research for their monologues.

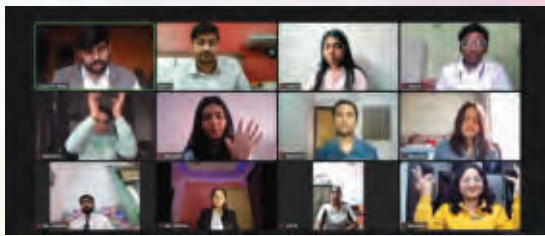
An online orientation program on 17th September, 2021 was held for the freshers to give an insight about the dramatics society. The process of auditions was explained in

detailed by the president and a glimpse of Hasratein’s current as well as upcoming events and projects were shown.

A ten day (3rd-14th January 2022) online workshop was organized to introduce dramatics to the freshers as well as to the second year. The basic concepts of theatre art was brushed and polished for every participant. It was a fruitful and mind loosening session. Many tasks and brain storming sessions were conducted. The participants were asked to perform a monologue at the end of the workshop, which were later reviewed by the senior members, who were leading the workshop sessions.

The play Tareekh Par Tareekh (Online Sketch Production) was released in two parts on 2nd and 3rd February 2022. The sketch revolves around the role of the constitution in our lives and how we play a vital role, as the citizens of the nation, in making sure that the constitution continues to maintain its power and significance. Total run time of the play is 29 minutes 35 seconds. The play was widely appreciated and was shared through several social platforms with a gross of 6.5k views.





HASRATEIN
presents

तारीख पर तारीख!

A ZOOM SKETCH ABOUT THE DELAY IN THE JUSTICE SYSTEM & SOCIAL ASPECTS OF AMENDMENTS IN THE CONSTITUTION

Coming out
Feb 2

शहीदी को सलाम
एक शाम, स्वतंत्रता के वीरों के नाम

5th September 2021
5:00 PM

Join using following Zoom details:
MEETING ID- 253 192 9615
PASSCODE- hasratein

DR. RAKESH K. GUPTA (PRINCIPAL), DR. PRABHAS PANDE (CONVENER), SUBHAG SINGH (PRESIDENT)

A monologue competition and nukkad naatak competition was organized as part of Iltija 2022. Teams from various colleges such as Hindu college, Hansraj college, Rajdhani college, Aatma Ram Sanatan Dharma college, Kirori Mal college, Daulat Ram College etc. participated. Monologue videos were received

from participants through google forms and these were sent to our judges. The criteria of judgment were expression, costumes, theme etc. The final results were prepared adding the scores received from our judges. Finally results were announced through Hasratein's social media handles.

NATIONAL SERVICE SCHEME (NSS)

COVID-19 pandemic has devastated socio-economic conditions across the world. Millions of people across the world have suffered due to COVID-19 so far. The unprecedented emergency has halted livelihood activities. In order to deal with the pandemic, vaccination is the most efficient way to strengthen your immune system by training it to recognize and fight against the specific virus. Thus, on the occasion of “Azadi Ka Amrit Mahotsav”, the 75th Independence Day, 9 NSS volunteers of Ram Lal Anand College conducted an Awareness survey on the covid-19 vaccination at adopted JJ colony near Moti Bagh on 15th August, 2021. A second visit was conducted with same objective on 19th Sept where 12 NSS volunteers joined the event. NSS volunteers shared informative posters and also distributed masks during campaign.

The tobacco is a leading preventable cause of death, killing nearly six million people worldwide each year. This global tobacco epidemic kills more people than tuberculosis, HIV/AIDS and malaria combined. India is the second largest consumer of tobacco globally, and accounts for approximately one-sixth of

the world's tobacco-related deaths. Thus, 12 NSS volunteers of Ram Lal Anand College conducted an Anti-tobacco awareness campaign in order to raise attention to the widespread prevalence of tobacco use and its negative health effects on 10th November, 2021 at our adopted village.

On the auspicious occasion of the 73rd Republic Day and the National Voters' Day, the NCC and NSS units of RLAC organized flag hoisting and oath-taking ceremony at the college premises. The event was graced by the presence of our chief guest Professor Balram Pani, Dean of all colleges, University of Delhi. A total of 28 NSS volunteers attended the event. Following the Republic Day celebrations, the highly dedicated NSS team organized a pledge-taking ceremony to mark the 12th National Voters' Day.

Cloth Donation Drive was conducted from 21 January, 2022 - 4 February, 2022. By the efforts taken by the NSS volunteers of RLAC a total of 771 pieces were handed over to Umeed -A Drop of Hope (NGO).

सफाई से खुद को स्वच्छ बनाना है, स्वच्छता से पूरे विश्व



में अपनी पहचान बनाना है।

On 8 February 2022, 34 volunteers of the national service scheme of Ram Lal Anand College University of Delhi, in collaboration with ITC's WOW Initiative participated in an awareness drive on segregation of waste at source and to inculcate the habit of waste segregation at Harijan Camp, a slum in the Central Delhi to make it a Model Basti via a two month long program.

Upholding the essence of this quote, the NSS unit of Ram Lal Anand College on 9th March, 2022 organised an astounding training session on 'How to teach slum area kids in the education camp', by the very respected Mr. Santosh George who has been doing so since the very early days of his life. To change the world, education is the best key and if this opportunity is provided to the underprivileged, the world will witness revolutions. About 60 volunteers attended the session in the seminar room of the college wherein they were given directions on how to approach the kids, what to dress, how to behave, how to make them feel comfortable around volunteers and teach them lessons in a playful way to keep them engaged. The speaker also mentioned what crucial things the volunteers will get to learn from them; their so little resources and so huge dreams and the daily struggle they bear is a motivation to all.

An educational camp was organized by the NSS Unit of RLA in JJ Colony, Moti Bagh for one-month, starting from 10th March to 6th April, 2022. Volunteers put hard work to teach students of all ages. They also interacted with their parents and briefed their progress in studies. A total of 50 NSS volunteers participated in Education Camp.

A very successful 'Blood Donation Camp' was organised in collaboration with 'The Indian Red Cross Society' on 11th April, 2022. Blood donation is indeed a highly noble activity as





your effort can give others a second chance in life and you'll be giving the gift of life to others by donating your blood. More than 150 volunteer registered for the cause and 77 unit of blood was collected during the event. Team Red Cross Society were very happy with the response and applauded the efforts of NSS team.

Idea (Inclusive Divangjan Entrepreneur Association) organized SWAVLAMBAN YATRA from 24th to 28th March where our NSS unit volunteers actively participated on different days of the respective Yatra. On first day, event was organised in our college campus. Mr Devendra Gupta, Founder of Ladli foundation graced the occasion and shared his views how to make workplace more inclusive for the people with disability. The event was followed by Quiz and a short video of the IDEA program. It was concluded through the SWAVLAMBAN YATRA. Total of 65 volunteers participated in the event. Prime Minister Narendra Modi conceptualized Pariksha Pe Charcha wherein students, parents, teachers across the nation, and also from overseas interact with him to discuss and overcome the stress emerging out of examinations in order to celebrate life as an Utsav. It is a step taken by PM Narendra Modi to ensure a stress-free atmosphere for youngsters during the examination seasons. This event has been organized successfully for the last four years by the Department of School Education & Literacy, Ministry of Education. More than 88 students watched the session on 1st April, 2022.

On 26th April 2022 , Ram Lal Anand College Centre for Human Values , Ethics and Life Skills along with the NSS unit of Ram Lal Anand College organised an International workshop on " Emotional Well being by Dr. Sanjay Siddharta a renowned senior psychiatrist from NB, Canada. The workshop was also graced by the presence of Chief guest

Air Marshal Naresh Verma. 85 students attended the session. The seminar was a huge success.

Individual Achievements: Every year, the Ministry of Youth Affairs and Sports, Government Of India organizes National Integration Camps (NIC) in various locations across the country to foster a sense of national integration. NIC is important because it brings together youth from different parts of the country to foster greater understanding and tolerance. Nine volunteers represented Delhi contingent at National Integration Camp (NIC) held at Sri Ramakrishna College of Arts and Science, Coimbatore from 14-12-2021 to 20-12-2021. Lokesh, a volunteer of NSS unit of Ram Lal Anand College, University of Delhi was one of them. Our volunteer Lokesh was felicitated by the Vice Chancellor & Registrar of the Bharathiar University in the presence of Regional Director of NSS, Chennai for his active participation in the camp. 2 volunteers of National Service Scheme Unit of Ram Lal Anand College, Lokesh and Ravi Kushwaha were selected for the North Zone Pre-Republic Day Parade camp. They represented the Delhi

directorate at the North Zone Pre-RD Parade Camp held at Kalwar, Jaipur, from 18th to 27th October 2021. On 17th November, one volunteer Diksha Singh of NSS RLA unit welcomed Maldives contingent on behalf of MYAS (ministry of youth affairs and sports) at the conference hall of Shivaji Stadium. On the 9th of December, two volunteers from our NSS RLAC unit- Anchal Khandelwal and Aryan Singh from BA (H) Political Science, II Year visited the All India Radio Office at Akashwani Bhawan, Sansad Marg, New Delhi. It was indeed an unforgettable and proud moment for both of them and the unit. Their show AIRNxt was broadcasted on Akashwani FM Rainbow at frequency 102.6 MHz where four students of Ram Lal Anand College expressed their opinions on 'Women Empowerment in India' under the theme 'आजादी का अमृत महोत्सव।'

NSS Special Camp at Patiya Village, Almora, Uttarakhand (7-06-22 to 15-06-22)

Special camping forms an integral part of the National Service Scheme. It has a special appeal to the youth as it provides unique



opportunities to the students for group living, collective experience sharing, and constant integration with the community. It provides an experience in mutual adjustment and adaptation to new changing and challenging situations.

NSS Unit of Ram Lal Anand College successfully organized a week-long special camp from 7th-15th June 2022 at Patiya village, Almora, Uttarakhand in which 30 volunteers of Ram Lal Anand College participated. This special camp was filled with the core activities of the National Service Scheme such as cleanliness drive, tree plantation, interaction with the Gram Sabha Pradhan and many social awareness programs.

The highlight of the camp was the cleanliness drive and tree plantation. The tree plantation drive took place in the premises of Tara Devi temple where all the 30 volunteers and teachers planted 30 saplings of orange and lemon plants. Volunteers participated in this activity with great enthusiasm. They used farming tools hoe and trowel to dig potholes. After planting the saplings, they ensured their safety by covering each plant with sacks. The

cleanliness drive was executed at the Shiv temple where they were provided with gloves, garbage bags, and brooms to clean the temple premises and the area around it, and within a span of two hours, the place was cleaned, making the drive a success. Naula is a naturally occurring water aquifer that looks like a temple from the outside and is equally regarded as such and has been considered sacred in Uttarakhand's tradition and culture. Volunteers visited two such Naula and put lot of hard work to clean it thoroughly and made surrounding area clean and shining.

Volunteers interacted with Patiya's Pradhan and Sarpanch to understand their local problems such as unemployment, migration, lack of know-how of modern farming techniques, lack of hospitals facility or drug store and non-availability of any public transport. They look forward for skill training for their farmers so as to increase the volume of their agricultural produce. Sarpanch ji told that all the girls in the village go to school and there are no cases of child marriage. The villagers were also made aware of various government schemes like Kanya Yojna, Pradhan Mantri Matru Vandana Yojna,





Sukanya, and Dhanalaxmi that would be beneficial for them. Our volunteers Utkarsh Amrit and Suraj Kumar explained in detail about the benefits of these schemes. Another awareness drive was conducted on “Digital literacy & Women's health and hygiene”

A cultural evening which forms a unique part of the special camp was also organized where Prof. Rakesh Kumar Gupta, the principal of Ram Lal Anand college made a special guest appearance. Both volunteers and villagers showcased their talent with different self-composed poems, mesmerizing classical and traditional dances, skits and songs. In the end, Programme coordinator Dr. Rita Jain ma'am delivered the vote of thanks and the day was winded up by the recitation of the NSS song. The camp also included a visit to different tourist places like Jageshwar Dham which is a group of 125 ancient Hindu temples dated between the 7th and 14th century near Almora, Chitai Golu which was adorned with lakhs of bells and letters written to the God of 'Nyay' (Justice) by people praying for their wishes to come true, Kasar Devi Temple which is at a height of almost 2000m and a tour of Guldaar Valley. Volunteers made some beautiful memories while visiting these places.

The camp turned into a great experience for all the volunteers, exploring new places and participating in various drives and programs and thus leaving back so many pleasant memories that would last forever. It was an emotional moment as the villagers were so caring and humble and treated each member as their family. In the special camp, all the volunteers gave their 100 percent and made the camp a successful one.

Outstanding performance

Nikita Pathania from B Sc (H) Computer Science has won many prizes in various competition - Best out of waste competition (1st), Poster making on the occasion of world sustainable energy day(3rd), Republic Day Poster making (special mention) and National poster making on conservation of ground water (2nd) organised by NSS Satyawati, NSS Shivaji and NSS DCAC college.



Dr Rita Jain
NSS Programme Officer

अभिव्यक्ति

'अभिव्यक्ति' हिन्दी रचनात्मक लेखन समिति द्वारा वर्ष 2021-2022 में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम समिति के सदस्यों ने विद्यार्थियों की कार्यकारिणी समिति का गठन किया, जिसमें अध्यक्ष जुनैद, उपाध्यक्ष अंजलि, सचिव श्वेता, हिंदी आनर्स तृतीय वर्ष से रहे। इस समिति की मीडिया पार्टनर रहीं पत्रकारिता पाठ्यक्रम से चेतना काला ने वर्ष भर की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाई।

सदस्य के रूप में शिवा, दीप आनन्द, राहुल, रवि, दीपशिखा, निहारिका, अविशी, मीनाक्षी, बृजेश, शशांक, श्रृंगारिका, अमित, गौरव, वंशिका ने अपना सहयोग दिया। वर्ष भर की गतिविधियों में आज्ञादी के अमृत महोत्सव पर काव्य पाठ का आयोजन किया गया जिसमें डॉ. गुंजन कुमार झा मुख्य अतिथि के रूप में हमारे साथ जुड़े। दूसरे कार्यक्रम के रूप में आशु लेखन प्रतियोगिता की गई जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के अलावा देश के अन्य विश्वविद्यालयों के छात्रों ने भाग लिया। तीसरा कार्यक्रम व्याख्यान का रहा जिसमें गांधी ग्राम और किसान विषय पर विशिष्ट वक्ता के रूप में

अभिव्यक्ति
हिंदी रचनात्मक लेखन समिति
रामलाल आनंद महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

वार्षिकोत्सव - 2022
व्याख्यान एवं प्रमाणपत्र वितरण समारोह

विषय :- वर्तमान में कविता पाठ और उसकी पठनीयता

स्वानुमेयिका - 27 जनवरी 2022
समय - दोपहर 2 बजे

विशिष्ट अतिथि :- श्री लक्ष्मी शंकर बाजपेयी
कवि, आलोचक व आकाशवाणी के पूर्व महानिदेशक

संपर्क हेतु
जुनैद (अध्यक्ष) - 9625834411 अंजलि (उपाध्यक्ष) - 9319521335
श्वेता कुपुटी (सचिव) - 8287861223

संयोजक प्राचार्य
डॉ. नीलम ऋषिकल्प डॉ. राकेश कुमार गुप्ता

राम लाल आनंद महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

आज्ञादी के अमृत महोत्सव एवं प्रमाणपत्र वितरण के अवसर पर
अंतर महाविद्यालय में काव्यपाठों का आयोजन किया जा रहा है
(आय सभी अनशुद्ध है, रचनाएं अनशुद्ध भी हो सकती हैं।)

विषय - देशप्रेम
आज्ञाद-ऐ-हिंद
देश के वीरों को सलाम

मुख्य अतिथि
डॉ. गुंजन कुमार झा
अतिथि एवं सार्वभौम वक्ता

दिनांक - 14 अक्टूबर 2021
समय - दोपहर 2 बजे
स्थान - गुंजन मीट

<https://meet.google.com/ynz-vxyr-grs>

पंजीकरण लिंक
<https://forms.gle/v26jdxHBF3k1vzu7>

सभी प्रतिभागियों एवं श्रोताओं को ई - प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा

अंजलि (सदस्य) - 9319521335 जुनैद (अध्यक्ष) - 9625834418

डॉ. नीलम ऋषिकल्प संयोजक डॉ. राकेश कुमार गुप्ता प्राचार्य

अभिव्यक्ति
हिंदी रचनात्मक लेखन समिति
राम लाल आनंद महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

अंतर महाविद्यालय
आशुलेखन प्रतियोगिता

नियम
शब्द सीमा - 500 - 750
समय सीमा - 1 घंटा 30 मिनट

पुरस्कार
5000/- नकद

पंजीकरण करने की अंतिम तिथि 26.10.2021

सम्पर्क सेतु
जुनैद (अध्यक्ष) - 9625834418 अंजलि (उपाध्यक्ष) - 9319521335

संयोजक प्राचार्य
डॉ. नीलम ऋषिकल्प डॉ. राकेश कुमार गुप्ता

अभिव्यक्ति
हिंदी रचनात्मक लेखन समिति
रामलाल आनंद महाविद्यालय
(दिल्ली विश्वविद्यालय)

विषय - " गांधी , ग्राम और किसान "

स्वानुमेयिका - 31 जनवरी 2022
दोपहर - 12:30

विशिष्ट वक्ता - प्रोफेसर कुमुद शर्मा
हिंदी विभाग (दिल्ली विश्वविद्यालय)

सभी प्रतिभागियों को ई - प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा।

सम्पर्क सेतु
जुनैद(अध्यक्ष)-9625834418 अंजलि (उपाध्यक्ष) - 9319521335

डॉ. नीलम ऋषिकल्प संयोजक डॉ. राकेश कुमार गुप्ता प्राचार्य

प्रोफेसर कुमुद शर्मा ने अपना वक्तव्य दिया एवं अपनी उपस्थिति से हमारा मान बढ़ाया।

इस सबके बाद समिति ने अपने वार्षिक उत्सव के उपलक्ष्य में 27 अप्रैल, 2022 को आकाशवाणी के पूर्व महानिदेशक लक्ष्मी शंकर बाजपेयी जी एवं प्राचार्य जी के सान्निध्य में काव्यपाठ एवं प्रमाण पत्र वितरण समारोह के साथ सत्र सम्पन्न किया।

‘आरोह’ हिंदी वाद-विवाद समिति

वाद-विवाद का उद्देश्य है विचारों का आपस में परस्पर संवाद। जिससे एक एवं अन्य मतों के विचार लोगों के सम्मुख रखे जा सकें। ‘आरोह’ हिंदी वाद विवाद समिति इसी दिशा में अग्रणी कार्य करती है। वाद विवाद समिति का उद्देश्य है विद्यार्थियों को किसी विषय के सार्थक पहलुओं से परिचित कराना। इसी दिशा और कड़ी में आरोह हिंदी वाद विवाद समिति सत्र 2021-22 की शुरुआत समिति के द्वारा पदाधिकारियों के चयन के साथ की गई। ‘आरोह’ हिंदी वाद-विवाद समिति ने दिनांक 11.04.2022 को महाविद्यालय के कमरा संख्या 01 में 11 बजे से शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में समिति के पदाधिकारियों के चयन हेतु ‘स्त्री अस्मिता और पितृसत्तात्मक व्यवस्था’ विषय पर ऑडिशन आयोजित करवाया। समिति सदस्यों ने विद्यार्थियों के प्रदर्शन के आधार पर निम्नलिखित लोगों का चयन समिति के दायित्वों के निर्वाह हेतु किया है।

1. मनस्वी, बी.ए. ऑनर्स, राजनितिक विज्ञान, प्रथम वर्ष, अध्यक्ष।
2. ऋषि राज, बी.ए. ऑनर्स, इतिहास प्रथम वर्ष, उपाध्यक्ष।
3. तुषार शर्मा, बी.ए. ऑनर्स, हिंदी, द्वितीय वर्ष, सचिव।
4. राहुल ठाकुर, बी.ए. ऑनर्स, इतिहास प्रथम वर्ष, सह-सचिव।
5. माहि उपाध्याय, बी.ए. ऑनर्स, इतिहास प्रथम वर्ष, सदस्य।
6. अंजलि, बी.ए. ऑनर्स, हिंदी, द्वितीय वर्ष, मनोनीत सदस्य।

समिति ने 18 अप्रैल 2022 को ‘तुलसी का कवित्त विवेक’ विषय पर वक्तव्य का आयोजन महाविद्यालय के सेमिनार कक्ष में किया। विशिष्ट वक्ता के रूप में जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के सहायक अध्यापक डॉ. मलखान सिंह ने शिरकत की। कार्यक्रम सुबह 10:30 बजे से प्रारंभ हुआ जिसमें महाविद्यालय के अनेक विभागों के छात्रों ने बड़े उत्साह से भागीदारी दिखाई।

आरोह हिंदी वाद विवाद समिति का गठन होने के पश्चात समिति की उपलब्धियों में अध्यक्ष मनस्वी बांगड़ ने महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय दिल्ली विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित वार्षिक राष्ट्रीय वाद-विवाद प्रतियोगिता परिप्रेक्ष्य में विशेष उल्लेख स्थान प्राप्त किया। हिंदी वाद-विवाद समिति महाविद्यालय की ओर से ढेर सारी शुभकामनाएं और आशीर्वाद देती है और साथ ही समिति नए एवं ऊर्जावान विद्यार्थियों के स्वागत के लिए तैयार है।

आरोह हिंदी वाद- विवाद समिति
मनस्वी, अध्यक्ष
डॉ. प्रतीक कुमार
संयोजक

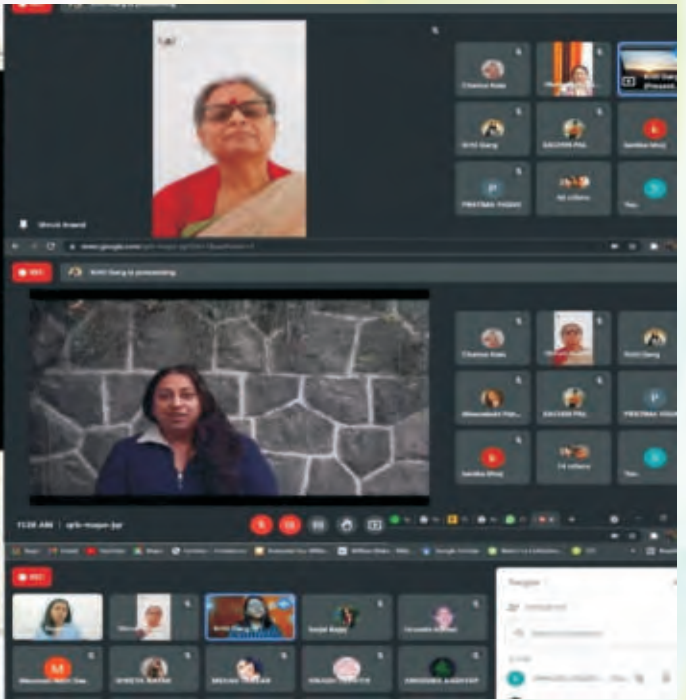
‘अस्मि’ जेंडर सेन्सेटाईजेशन समिति

एक ज़माना था जब जेंडर विमर्श पर बात करने पर केवल स्त्रियों से सम्बंधित चिंताएं ही मन-मस्तिष्क में उभरती थीं लेकिन समय बदलने के साथ-साथ सभी तरह की जेंडर अस्मिताओं के प्रश्न और अधिकार इस अवधारणा के तले स्थान प्राप्त कर रहे हैं।

रामलाल आनंद कॉलेज की जेंडर सेन्सेटाईजेशन समिति “अस्मि” ने सभी लैंगिक अस्मिताओं की स्वतंत्रता और समानता के केन्द्रीय विचार को लक्ष्य रख कर वर्ष 2021-22 की गतिविधियाँ आयोजित की। सत्र का आरम्भ आज़ादी का अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में ‘लैंगिक पूर्वाग्रहों से आज़ादी’ विषय पर भाषण प्रतियोगिता से हुआ जिसमें रामलाल आनंद कॉलेज के शुभनाथ शर्मा, कनुप्रिया राय और सौम्या ग्रोवर तथा नंदनी लावन्या और विकास त्रिपाठी ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में कॉलेज के शिक्षकों सुश्री शिखा वर्मा तथा सुश्री सीमा भारती ने सहयोग किया। दिनांक 18 जनवरी 2022 को प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ओरिएंटेशन

कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें जेंडर की सामाजिक धारणा और व्यक्तिगत समझ के बीच एक संतुलन विकसित करने के लिए विद्यार्थी केन्द्रित गतिविधियाँ आयोजित की गयीं। दिनांक 7 अक्तूबर 2021 को ‘कोविड महामारी और लैंगिक भूमिकाओं पर उसका प्रभाव’ विषय पर एक अन्तः महाविद्यालयी राष्ट्रीय प्रपत्र प्रस्तुती प्रतियोगिता आयोजित की गयी जिसमें रामलाल आनंद कॉलेज के हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम के तृतीय वर्ष के छात्र विकास त्रिपाठी, महाराजा अग्रसेन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय की वैशाली सक्सेना तथा श्रीराम कॉलेज के छात्र नीतीश गोयल ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय और तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में कॉलेज के शिक्षकों डॉ ताहा अली, डॉ उर्वशी कुहाड़ तथा डॉ मानवेश नाथ दास ने सहयोग किया। इसी कार्यक्रम की अगली कड़ी में ‘लैंगिक भूमिकाओं से परे’ विषय पर विद्यार्थियों को संबोधित करने के लिए राष्ट्रपति द्वारा नारी शक्ति सम्मान प्राप्त गिनीज़ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज विश्व स्तरीय तैराक एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्री राम कॉलेज की





एसोसिएट प्रोफेसर डॉ मिनाक्षी आहुजा ने विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने विद्यार्थी समाज को पारम्परिक लैंगिक भूमिकाओं से ऊपर उठ कर स्वतंत्र चिंतन और चुनाव के लिए प्रेरित किया। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस दिनांक 8 मार्च को अस्मि-लैंगिक संवेदी करण समिति ने कॉलेज का एक जेंडर सेन्सेटाईजेशन इंडेक्स तैयार करने के लिए कॉलेज में एक विद्यार्थी डेस्क लगाया। जिस पर कॉलेज में लैंगिक समरसता सम्बन्धी आंकड़े इकट्ठे किये गए। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में ही वीमेन वेलफेयर एडवाइजरी समिति के सह संयोजन में 'बेहतर भविष्य के लिए लैंगिक समानता' विषय पर एक; पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता आयोजित की गयी। निर्णायक मंडल के सदस्य थे—डॉ वंदना गुप्ता, डॉ श्रुति आनंद तथा सुश्री दीपशिखा। दिनांक 7 अप्रैल को अस्मि समिति का वार्षिक उत्सव स्वीकार आयोजित किया गया। यह उत्सव दो हिस्सों में आयोजित किया गया था पहले हिस्से में विद्यार्थियों द्वारा निर्मित शोर्ट डोक्युमेंट्री फिल्म की स्क्रीनिंग और परिचर्चा आयोजित की गयी, दूसरे हिस्से में जेंडर पर आधारित कुछ प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं जिसमे विद्यार्थियों

में लैंगिक पहचानों की समझ के साथ-साथ संवेदनीयता भी विकसित हुई। इस कार्यक्रम के आयोजन में माइक्रो बायोलॉजी विभाग के तृतीय वर्ष के छात्र गबित नबी तथा सांख्यिकी विभाग के तृतीय वर्ष के छात्र सुभग की टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस सत्र में अस्मि का अंतिम कार्यक्रम हमदर्द विश्विद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर तथा देश में पहली कम्युनिटी मेडिसिन- नोडल ऑफिसर डॉ अक्सा शेख के 'शैक्षणिक संस्थान को ट्रांसजेंडर्स के लिए समावेशी बनाना' विषय पर वक्तव्य और परिचर्चा पर आधारित था। यह कार्यक्रम संगोष्ठी समिति तथा एन एस एस के सह संयोजन में आयोजित हुआ। देश में ट्रांसजेंडर समुदाय के अधिकारों और स्थिति पर दिया गया यह व्याख्यान छात्रों के लिए एक दृष्टि खोलने वाला अनुभव था।

इस वर्ष का अकादमिक सत्र आधा ऑनलाइन और आधा फिजिकल मोड में संपन्न होने के कारण विद्यार्थियों और शिक्षकों को काफी संघर्ष पूर्ण परिस्थितियों में कार्यक्रमों का आयोजन करना पड़ा। ऐसे में समिति के कार्यों में सतत रूप से जुड़े रहे छात्रों और शिक्षकों को समिति में उर्जा बनाये रखने

के लिए काफी श्रम करना पड़ा। लैंगिक संवेदीकरण का काम ऐसी कठिन परिस्थितियों में और भी चुनौतीपूर्ण हो जाता है जब पूरा विश्व कठिन आपदा से गुजर रहा हो। इस वर्ष समिति के कुशल संचालन में जिन विद्यार्थियों ने मनोयोग से भागीदारी की उनमें समिति की छात्र संयोजक एवं जेंडर चैपियन सेजल बजाज तथा उनकी जेंडर चैपियन टीम में खुशी गलेरा, लिली, नंदिनी लवानिया, प्रकाशी, मनस्वी, अभिषेक, खुशी राज्ञान, कृति और सावी

गुप्ता, अस्मि पत्रिका की छात्र संयोजक चेतना काला और उनकी टीम में विकास गुप्ता, अंजली श्रेया, अक्षिता, सुमेधा और श्रावणी को शुभाशंसा। इस वर्ष 'अस्मि' समिति शिक्षक संयोजकों के नाम हैं सुश्री दीपशिखा (सह-संयोजक), डॉ ऋतू वत्स, सुश्री मीशा सबरीन और डॉ कुलदीप सिंह तथा डॉ श्रुति आनंद (संयोजक)।

डॉ श्रुति आनंद
संयोजक, अस्मि

दृश्यम् फिल्म एवं फोटोग्राफी क्लब

जहां हजार शब्दों के बराबर एक चित्र होता है। चित्र और चलचित्र का योग जटिल से जटिल कई विचारों को आसानी से व्यक्त कर देता है। वहीं चित्र मौन होकर भी मुखर होता है और चलचित्र ज्ञान और मनोरंजन का माध्यम बनता है।

कोरोना महामारी की तीव्रता कम होने के उपरांत महाविद्यालय की शैक्षिक एवं अन्य गतिविधियां सामान्य होती जा रही है। इसी क्रम में 'दृश्यम्' की गतिविधियाँ भी शुरू हुईं।

राम लाल आनंद महाविद्यालय की फिल्म एवं फोटोग्राफी क्लब 'दृश्यम्' की 2021-22 की गतिविधियों में सर्वप्रथम क्लब के विद्यार्थी सदस्यों का विधिवत चयन किया गया, जिसमें अध्यक्ष गीतू उपाध्यक्ष रुद्राक्षी सचिव अंजलि एवं कोषाध्यक्ष नमन और चार अन्य सदस्यों का चयन किया गया। इन विद्यार्थियों के साथ शिक्षक सदस्य बैठक आयोजित कर क्लब की आगामी योजना तय कर सर्वप्रथम पूर्व नाम चित्रा और पर्दा को समायोजित कर क्लब के लिए 'दृश्यम्' नाम अपनाया। तत्पश्चात् प्रतियोगिता आयोजित कर क्लब के लोगों का चयन किया गया। सर्वश्रेष्ठ लोगों के लिए इग्नू की छात्रा रमा प्रजापति को पुरस्कृत किया गया।



अन्य महत्वपूर्ण गति विधियों में आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में बदलता भारत, बढ़ता भारत विषय आधारित लघु फिल्म निर्माण हेतु प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में आभासी मंच गूगल मीट पर दिनांक 1 मई 2022 को वृत्तचित्र (डाक्यूमेंट्री) 'योग का इतिहास' दिखाया गया, जो बहुत ही ज्ञानवर्धक था। साथ ही साथ इस सत्र में क्लब के सदस्य विद्यार्थियों ने कॉलेज की विभिन्न गतिविधियों में अपना योगदान दिया।

संयोजक — डॉ. मानवेश नाथ दास
सह संयोजक — डॉ. अशोक मीणा
छात्र सदस्य — गीतू (अध्यक्ष),
रुद्राक्षी (उपाध्यक्ष)

GURU- THE QUIZ SOCIETY

The Quiz Society of Ram Lal Anand College-Quru, organised its flagship event QURUKSHETRA 3.0 on 17th and 19th May'22. More than a hundred participants registered for the event. It was smoothly conducted under the convenorship of Ms Deepshikha and the leadership of its core members- Mr Prason Chand (President), Mr Adhiraj (Joint Secretary), Ms Medha (Executive Member) and each member of the society who dedicated their time and efforts for making the event successful. The event comprised two quizzes on the themes- 1. Swades (India) and 2. Samanya (General).

On the 17th, an online prelim of both quizzes was conducted. Five teams for each quiz were selected. For the final round was held on the 19th in the Seminar hall where participants were called to be physically present. The winning teams were awarded cash prizes.

Details of winners are as follow:

Winner: Swades Quiz (Saheed Bhagat Singh College)

1. Rituraj Sharma
2. Tanmay

Runner-up (Dayal Singh College)

1. Nikhil
2. Amritay
3. Tathagat

Winner: Samanaya Quiz (Ramjas College)

1. Mohd. Faheem
2. Mohd. Safuvan
3. Mohd. Luqman

Runner-up (IIT Delhi)

1. Anupam
2. Om Krishna
3. Rihan Bhatia



SPIC MACAY

Miniature Art Workshop

SPIC MACAY RLAC, on the 1st, 2nd, 4th, and 5th of April, conducted an art workshop under the able guidance of Dr. Sneh Gangal, a Miniature Artist and President awardee. The principal, Dr. Rakesh Kumar Gupta, along with the convenor of the society, Dr. Urvashi Kuhad, welcomed the guests.



Dr. Gangal distributed the required materials to all participants. She covered all basic aspects of handling the brush and briefed everyone about what the 4-Day workshop would cover. The participants made a carbon paper out of scratch, traced out the designs on their paper, learnt to do the borders, and applied various coats to their paintings.

On the final day, members of SPIC MACAY made a rangoli on the main stage of the college. Smt. Neerja Sarin, the Traditional Arts and Crafts in charge at SPIC MACAY, graced the gathering with her presence. Participants outlined their paintings and shaded them layer by layer using a round brush. Following this, the borders were made bold with a single stroke. And lastly, these were decorated. With this last step, all paintings were complete.



Principal Dr. Rakesh Kumar Gupta spoke a few words of gratitude to the artists. The participants were encouraged to keep up their enthusiasm and participate in more such events. He announced that two best paintings will be suitably awarded and the best painting of the student will be showcased on the cover page of the college magazine 'Samdrishti 2022'. All paintings were showcased and photographed along with the artists. Refreshments were distributed to the participants on all days. The painting of Aditi Pandey, B.com Programme, IInd Year was selected for the cover page of the magazine.

The 4 Day workshop turned out to be a success. An average of 50 participants sat for the workshop each day.

Hindustani Vocal Recital

SPIC MACAY, RLAC hosted a Hindustani Vocal Recital by renowned vocalist Dr. Meeta Pandit of the Gwalior Gharana along with her accompanying artists, Pt. Ram Kumar Mishra on the Tabla and Ustad Kamal Ahmad on Sarangi. Dr. Pandit's student, Ms. Anika Gupta, aged 12 played the Tanpura. The workshop took place in the seminar room of the college at 11:00 AM on the 22nd of April.



Before starting with the main event, the principal of the college, Dr. Rakesh Kumar Gupta spoke a few words of gratitude for the artists while also stressing the significance of art in the Indian culture.

Dr. Pandit began with an invocatory piece sung in praise of Lord Hanuman. Then it was

time for the main attraction of their performance, a piece called 'Saat Suran Gaye Bajaye Rihaye...' in Raag Miyan Ki Todi. After this, she performed two more small bhajans. With this, the recital ended, and a question-answer round began. Dr. Pandit patiently answered all queries, clearing all of the audience's doubts.



AWAAZ

Awaaz, the English Debating society of Ram Lal Anand College, University Of Delhi, organized its first ever edition of a Model United Nations Conference on 9th and 10th April, 2022. It was brought together under the guidance of Teacher Convenor, Dr. Urvashi Kuhad, Co-convenor, Ms. Seema Meena and teacher members, Ms. Srijana Singh and Mr. Prem Kumar. Model United Nations, also known as Model UN or MUN, is an extra-curricular activity where students typically role play delegates to the United Nations and simulate UN Committees.



In order to familiarize students with the concept of a MUN Conference and encourage them to think more about holding discussions on the global system, a training session was organized by Awaaz on the 4th of April, 2022. The session covered the core aspects of public speaking, and as to how these conferences intrinsically change one's way of thinking about the world. Over 80 students from various colleges across the varsity participated in this event, which was organized in collaboration with ImpleMentors. Hence, the participants were well prepared to deal with the experience of the Conference.

The debates held during the Model United Nations Conference brought out the best of skills among students, like substantial researching, public speaking, debating, and writing skills. They also received an opportunity to sharpen their critical thinking, teamwork, and leadership abilities.

In the first edition of RLACMUN'22, there were a total of three committees and the International



Press. The committees were - United Nations Human Rights Council, United Nations General Assembly, All India Political Parties Meet & International Press.

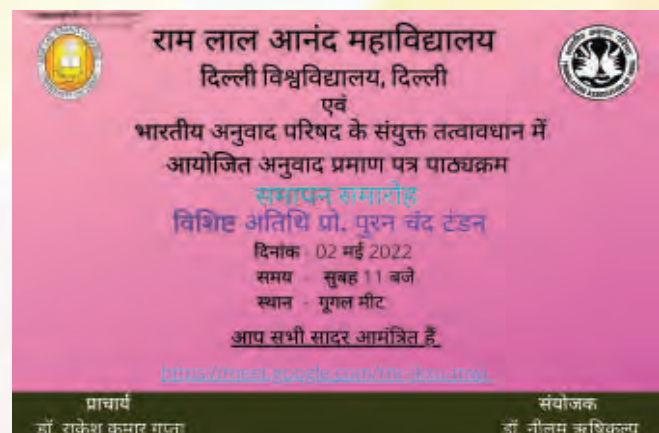
As a simulation of the UN, RLACMUN'22 provided an opportunity for students to both replicate the work of the UN and to view the problems facing the international community from a unique perspective.



Despite certain variances, RLACMUN'22 deliberations covered its issues before the UN systematically, thoroughly, and with a good view of the workings of the international system. In a nutshell, during the course of the Conference, there was an ecosystem of intense learning that was built with the presence of highly talented students and executive board members, which is invaluable. The first edition of Ram Lal Anand College Model United Nations Conference concluded successfully leaving scope and optimism to make space for many more to come.

भारतीय अनुवाद परिषद

गत वर्ष की भांति भारतीय अनुवाद परिषद के संयुक्त तत्वाधान में 22 जनवरी 2022 को महाविद्यालय में अनुवाद पाठ्यक्रम प्रारम्भ किया गया। जिसमें 45 विद्यार्थियों ने अपना पंजीकरण कराया। कॉलिज के लिए गर्व का विषय है कि कोरोना संक्रमण काल में 30 घंटे का यह पाठ्यक्रम चौथी बार जी मीट क्लास के द्वारा 13 मार्च 2022 को सफलता पूर्वक पूरा किया गया। पाठ्यक्रम का मुख्य आकर्षण यह रहा कि गत वर्ष की तरह पाठ्यक्रम समापन समारोह में प्राचार्य जी ने विद्यार्थियों को कालिज की ओर से 6 सप्ताह का ग्रीष्म कालीन प्रशिक्षण देने की घोषणा की। जिसका सभी ने स्वागत किया।



रिपोर्ट – डॉ नीलम ऋषि कल्प
संयोजक – अनुवाद पाठ्यक्रम
रामलाल आनंद महाविद्यालय

ABHIVYAKTI

Abhivyakti, The English Creative Writing Society happened with appointment of the new soul, the torch bearers of the society for the session 2021-22. Under the able guidance of Dr. Perna Malhotra the convenor of the society, Abhivyakti English excelled in the 1st year of its making. Pratham Bhatt was appointed President, Aardra Surendran Vice President, Vasudha Barthwal Secretary, Shreya Nayak Social Media Head, Menal Jain Content Head & Khushi Gupta the Editor of the society. Even though the session went partially online the society managed to fulfill its true purpose. The members selected got ample opportunities to learn as well as showcase their talent. The society also organized various competitions throughout the year not only for the society members but also on Inter College level.

The 1st ever event conducted by society on Sunday 9th January 2022, was the first edition of 'ESPRIMAS', an open-mic event that was conducted virtually. A total of 40 participants became a part of the soulful event.

Shreya Nayak gave the event an enthusiastic start by addressing the participants & tied up the event with great zeal. Vasudha Barthwal presented and recited her piece to give the event a good head start and motivate the participants. This was followed by the participants presenting their beautiful pieces. Pratham Bhatt also narrated his piece. Each and every performer articulated their writings in such a way that it kept the audience enraptured and spellbound. All the budding writers were lauded by the audience in the comments section. The event broke off on a positive note with a vote of thanks.



In the month of February the society conducted two events simultaneously. Both of which were organized as part of 'Azadi Ka Amrut Mahotsav'. The first event conducted was an Intra-College event under the theme 'What Independence Means To You'. The aim of the event was to invoke patriotism and the mind to question if Independence only meant what we've been studying about in our history books. Submissions were taken via mail and each of the 70 entries was an honor to read. Ayush was awarded the 1st position for his beautiful piece, Sohagini Roy bagged the 2nd position & Sanjana the 3rd position. The winners were awarded certificates of excellence for their inspiring work.

The second event was an Intra-Society Event. The theme for this event was 'Sacrifice of our Heroes'. This event was an attempt to keep the new society members engaged during the tiresome online mode of learning alongside testing their ability to articulate thoughts into a beautiful yet soulful spiral of words. All the entries were worth the read. All the society

members except for the council participated in the event and Jaya Pandey, Anaaya & Shelja were awarded the 1st, 2nd & 3rd positions respectively.



In the month of April the society conducted a two day Inter-University Competition 'ENCIENDELO' on 9th & 10th April. It was a fan fiction writing competition but with a twist. It was conducted in 2 rounds. Round 1, Historia wherein each participant had to build up a story by using characters from different universes & genres belonging to different movies, stories or books. Out of 80 entries, only 10 entries proceeded to Round 2, Revelio which was the actual store of surprise. Here the participants' pieces were exchanged and they had to continue the other person's story with the theme they were given in Round 1. Out of the top 10, Anvesha from Keshav Mahaviyalaya bagged the 1st position, Rishita from Sri Venkateshwara College 2nd & Roshani from Swami Shraddhanand College 3rd.



The last event for the session was a Slum Event conducted on 16th April. In this event the society members and volunteers from college went to the slum and conducted a Drawing Competition for the children of the slum. More than 150 children participated in this. Beautiful art works were presented by young talents and for that they were given exciting prizes & refreshments.

Dr. Perna Malhotra
Convenor

PATHWAY

Pathway- The Career Counseling and Placement Cell of Ram Lal Anand College, ever since its inception has always strived to heighten its reputation and maintain the merit the college has always been distinguished for. The cell is divided into three departments namely- Marketing and Public Relations, Research and Development & Corporate Communications, and Event Management. The President Nupur Gupta, Vice-President Siddharth Sharma, Heads of the respective departments and a pool of enthusiastic students capable of achieving excellence were selected on the basis of online interviews through the recruitment process.

This year has been a revolutionary era for the cell as the logo of the cell was revamped and the vision and mission of the cell were defined. Mission: To infuse professionalism into students and provide them with opportunities that complements their talents and skills.

Vision: To make Pathway a leading and established placement cell across Delhi University colleges.

For the session, orientation was carried out for recruiting students to the team. On 10th January 2022, a total of 30 members were welcomed aboard which was followed by a classy induction ceremony. Monthly and weekly meetings were proposed and individual roles were discussed. Intra-cell CV- building workshops and mock interviews were conducted and templated CVs were provided to the students.

Saturdays' Webinar Series: A range of informative and enlightening webinars were organized by the cell to prepare our students for their endeavors that fulfill our Mission.

1. Resume Building on 11th Sep 21 by Ms



- Neelakshi Jain, the student engagement associate at Talerang.
2. LinkedIn Profile Development on 18th Sep 21 by Ms Devika Ananda, the Virtual Admin Coordinator at ADORE India.
 3. Group Discussions on 25th Sep 21 by Ms. Sanjuka Choudhury, certified soft skill trainer,
 4. Webinar on case solving on 9th Oct 21 by Ms Neelmani, Associate manager at Talent Ahead Pvt. Ltd.
 5. Public Speaking on 16th Oct 21 by Ms Shikha Chakravarty, International Public Speaking coach at Image Pro Consultancy.
 6. Webinar for UPSC Aspirants on 23rd Oct 21 by Mr Manmohar Singh(IAS), retired special CS, AP.
 7. Aptitude and Reasoning on 23rd Oct 21 by Mr. Aditya Goenka, a renowned Academic Trainer and Counselor.
 8. Personal Interview on 30th Oct 21 by Mr Sahaj Bana, Former BIG 4 Recruiter.
 9. Campus to Corporate on 13th Nov 21 by Mr Subramanyam Degala, Professor at the International School of Business and Media
 10. Acing Interviews on 21 Jan 21 by Mr Gagan Singh. Founder and Director GWEPP, IIM Ahmedabad rankholder.
 11. Personal Branding and LinkedIn development on 28 Jan 21 by Mr Rishab Singh, Consultant CXO's
 12. Cracking GD and PI on 4 Feb 21 by Dr S. Jayaram Director at the International School of Business and Media and Mr Jerin Jacob Mathew

The Cell also held a 40-hour Skill development Certificate Course on Data Visualization using Power BI & SQL in collaboration with IVY Pro School in online mode from 1st Sep 2021 to 12th Nov 2021.

Apart from this we also organized three 60-hour each coaching classes for CAT, UPSC and SSC+Bank PO entrance examination in online mode in collaboration with Facilitate Academy from 15th January 2022 to 6th March 2022. The prime motive was to help the students of our college to prepare from scratch and cover all the sections that come in these exams. Highly skilled and knowledgeable resource persons were called upon to teach and guide the students to score well in these common yet toughest level entrance exams. All the courses were completely free for students.



Feedback via forms: we found that the webinars were very informative and fruitful for the students, plenty of sessions were organized for the aspirants to enhance their soft skills, and the speakers effectively solved the queries of the students. The speakers that were called upon were highly knowledgeable and had high presentable skills.

Pathway on Social Media: Pathway crossed 1k+ followers on Instagram, due to the exceptional marketing; the team also received similar applause on LinkedIn. On the official Instagram handle of the cell, the team portrayed the fullest of its talent and creativity. A series on "Group Discussion" was conducted to familiarize students with GDs. Weekly reels were posted on various topics of Corporate Life, Internship Opportunities, CV-building, Job Profiles etcetera. The team also did news runs to update students on business life. Stories series were done on Indian CEOs, and questions and answers were also posted to make the feed user-interactive. A LinkedIn quiz was organized to familiarize students

with links for profile building. Apart from all these, the team has been constantly updating students on various internship and placement opportunities on LinkedIn and Instagram.

The Marketing and PR team worked effectively and gathered more than 15 collaborations with different societies from colleges across the University of Delhi. This aided us in getting increased footfall for the webinars, and events conducted by us. These collaborations turned out fruitful with reference to our increased social media engagement as well. The team brought the audience from far and wide and aided the cell's voice to be heard in the farthest corners, making it stand out from the ordinary that fulfills our vision.

We are pleased to announce that this year we had more than 200 internship opportunities and over 50 placement opportunities circulated in the college. The major profiles/job descriptions around which our placements/ internship offers revolved were





Sales, Marketing, Content Writing, HR, Business Development, Equity Research, and Graphic Designing. Our range of portfolios through which campus placements/ internships were offered to students included companies like Urban Company, Ditto, Unschool, DE Shaw and Co, Nexdigm, KPMG, Byjus, etc. The average CTC of 5 LPA, was recorded in the Placement Drive.

The internship fair- MILESTONE 22', being our pinnacle event, saw 700+ registrations across DU colleges with over 30+ companies offering positions, an overwhelming 70% of paid summer internships with stipend ranging from 5K to 40K per month. Offline desks were set up for registrations The team worked enthusiastically and in a collaborative manner to deliver the best materialistic

decorations (craftwork, posters, hoardings, etc.) that were deemed necessary for the Internship Fair- MILESTONE 22' held on 11th and 19th April 22, Hence, making it a successful fair with over 120 students receiving their offer letters from the companies and have already took the first step in their career path with Pathway.

All the events/ collaborations/ fairs/ drives were done in a smooth and formal manner, with utmost professionalism and virtuosity. Every team member contributed in the finest manner possible and was led fittingly by their respective department heads, president, vice-president under the close guidance of the faculty of the cell.

Convenor: Dr. Neena Mital
Co-Convenor: Mr. Siddharth Gupta



AIKYAM

AIKYAM, the North East Society of Ram Lal Anand College, organized Best out of Waste Competition on 4th September, 2021. Participants from different departments of the college and also from other colleges of University of Delhi took part in it. Eleven students participated in the competition.

They used different types of waste material like used plastic bottles, plastic wrappers of food items, old newspaper, ice-cream sticks, old CD, old jeans, leftover chapatis to make items like self watering pot, ecobrick, photo frame, flower vase, bird feeder, hand bag, gulab jamun etc. and gave description and justification of using such waste material to make items that can actually be used and will prevent wastage and environment degradation.

Dr. Deepti Bhardwaj, Dr. Swagata Karmakar and Dr. Pallavi Dutta judged the entries.



In celebration of 75 years of Independence, Azadi ka Amrut Mahotsav of our great country, the North East students' Welfare Society of the college, AIKYAM, organized an essay writing competition on 6th September, 2021.

Topic for the essay was 'Less known personalities who participated in the Freedom Struggle / Less known personalities who have helped in Nation Building'. Students from this as well as other colleges participated

in it. There were twenty entries.

Contributions describing less known personalities in freedom struggle were sent by the students.

Samir Singh of Madhya Pradesh, helping families of the armed forces, Akansha, a young girl from Haryana appealing for improvement of infrastructure in her locality found mention describing personalities who are working in different ways to improve quality of life of people in the country.

The entries were judged by Dr. Shruti Anand, Dr. Sarbari Nag and Dr. Pallavi Dutta.

A membership drive was conducted for the society in the month of December, 2021.

On 12th January, 2022, Orientation program for the newly joined I Year students from the North East and other parts of the country who joined the society was conducted. It was anchored by Arjun Sanjeev Goswami and Chingakham Lily Chanu. The convener, Dr. Sarbari Nag welcomed the students and reiterated the motto of the society 'Embracing Unity', that it means to help the students of the North East to feel comfortable far away from their home states and use the society as a platform to air about any of their concerns and mingle with the students from all over the country who join the college. The Principal Prof. Rakesh Kumar Gupta welcomed the students and assured them that they will get all kind of help they need to enhance their skills and advised them to use three years of their college life fruitfully and prepare well for future life.

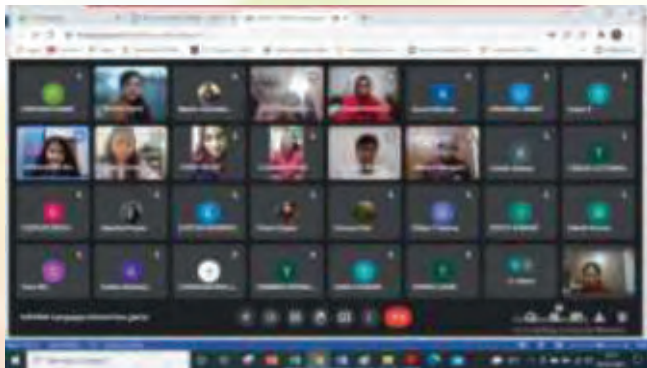
Through presentations and videos Chingakham Lily Chanu and Utkarsh Amrit showcased the activities of the society and different platforms and facilities available in the college in the form of different societies

and urged to make the best use of these as per their interests and aspirations.



Orientation program of the Society on 12th January, 2022

To increase a sense on connectedness and belonging among the students speaking a variety of languages, a Multilingual Interactive Game was conducted on 4th February, 2022. Faculty members and students of the society actively participated in it that, helped in strengthening bond among the members.



Rainbow of Languages, Multilingual Interactive Game

On 27th April, 2022, AARANYA 22, the annual fest of the society was celebrated through quiz and painting competitions, although originally a cultural program was planned before the fire incident in the Amphi theatre. In both the competitions students from different courses and different parts of the country studying in the college participated. They wore their respective traditional and ethnic dresses with which the college became vibrant showing multitude of Indian culture

getting amalgamated together. This promoted inclusiveness of students of different states of North East along with that of rest of India. Quiz was especially enjoyable and a learning experience about different aspects of North East India. Through paintings students prepared visual treats while showing their talent. Paintings were judged by Dr. Deepti Bhardwaj and Dr. Urvashi Kuhad.



AARANYA 22 celebrated on 27th April, 2022

Students participated enthusiastically in football match organized by NESSDU (North East Students Society, Delhi University) on 29th and 30th April, 2022, at Shahid Bhagat Singh College.



Football match at Shahid Bhagat Singh College on 29th and 30th April, 2022

Sarbari Nag
Convener

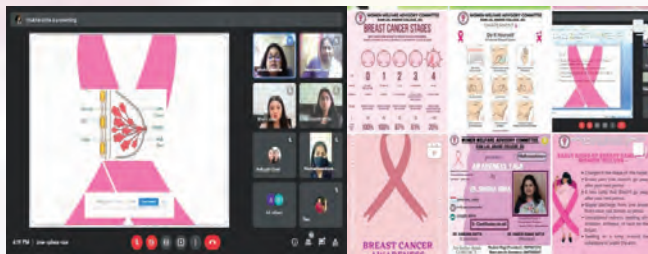
WOMEN WELFARE ADVISORY COMMITTEE

The Women Welfare Advisory Committee of Ram Lal Anand College works with the aim of equality and unity amongst all genders and the development of students by providing them a safe space for a healthy discussion and a platform to showcase their skills and thoughts on various issues pertaining to women welfare that matter in the society today. Student office bearers were selected based on their involvement in various activities and leadership qualities as observed in the previous session with mutual consent.

Office Bearers for the Session 2021-2022.

Muskan Negi - President
Sweta Tanwar - Vice President
Anisha Kumari - Secretary
Bhavi Jain - Joint Secretary
Ruparna Chakravarty - Treasurer

The session August 2021- May 2022 began grandly with Azaadi ka Amrut Mahotsav to commemorate 75 years of independence. WWAC organized a Cartoon/Collage/Slogan/Poster making competition. The theme was: Role of Women in India's independence. Moving ahead, to raise awareness about breast cancer, we organized a webinar. The guest speaker was Dr. Shubha Sinha. This webinar was an open webinar, i.e. anyone could join the webinar and thus received an overwhelming response. Along with that, several informative posts were shared on Instagram regarding breast cancer.



Talk on Breast cancer held on 29th Oct 2021

25th November marks Elimination of Violence against women. Several posts and reels regarding domestic violence and what steps could be taken to stop domestic violence and help someone who went through it were shared. On 30th January, a mental health webinar was organised. The speaker for the webinar was Capt (Dr) Sunaina Singh. This webinar saw a huge success with around 120 attendees. After a long wait, colleges finally reopened. And what better way to begin the offline phase with a self defence training camp in collaboration with the Delhi Police. The girls participants not only learnt how to protect themselves using punches and kicks, but also learnt helpful tips and tricks.

On the occasion of Women's Day, WWAC organised an open mic in the front lawn of the college. The students of the college made this event memorable by their amazing participation. Besides the open mic, we had a fun activity to appreciate the women in our lives by decorating a board where everyone wrote on sticky notes to appreciate the women in their lives. To continue with our events for the Women's Day, we collaborated with ASMI : The Gender Sensitization Committee and organised a Poster Making Competition on 10th March, 2022 on the theme : Gender Equality for a Sustainable Tomorrow. As April is recognized as Sexual Assault Awareness month, to raise awareness about sexual assault and how to deal with it, a board was decorated with all the information stuck on this board. Including that, everyone wore a teal blue ribbon on their hands to show their support to SA victims. Students were encouraged to put their thumbprints on the board to show their support to victims and their hands were painted with hashtags and logos to support victims. It was a beautiful display of unity.

Weekly online posts on various social media handles including Sunday Salutes and Friday Firsts went on simultaneously. A new series of online posts called Stree Vedna was introduced. With that, several occasions such

as Men's Day, Women in Science, International Day of Zero tolerance against female genital mutilation and other such days were marked by informative posts and reels.



With that, the beautiful session that saw both online and offline events came to an end. A new beginning awaits.

Ruparna Chakravarty
 BA (Hons.) English, IInd year
Prof Vandana Gupta, Convener

NATIONAL CADET CORPS (NCC)

The Ram Lal Anand NCC is affiliated to the 7 Delhi Battalion under Group C of the Delhi NCC Directorate. It is one of the most active student societies of this college that aims to develop character, comradeship, discipline, leadership, secular outlook of adventure and the ideals of selfless service. Senior Under Officer (SUO) Shiva Sharma, Junior Under Officers (JUO) Sunny, Mohit Yadav and Pradeep Kumar Yadav were the officer-bearers for the academic session 2021-22. Cadets of Ram Lal Anand NCC continuously take part in various camps and activities. Some of the activities conducted in this academic session are as follows:

INDEPENDENCE DAY CELEBRATION (15 AUGUST 2021)

On the occasion of Azadi Ka Amrit Mahotsav, a government initiative to celebrate the 75th Independence Day, Ram Lal Anand NCC organised a flag hoisting ceremony on 15th August in the College lawns. The ceremony started with flag hoisting by the Principal Prof. Rakesh Kumar Gupta, and was followed by the National Salute to the National Flag by the Guards Team of NCC. Capt. (Prof.) Sanjay Kumar Sharma, Associate NCC Officer, paid respect to the soldiers who laid their lives for the nation. SUO Shiva Sharma recited a patriotic poem paying homage to the fallen heroes of the Indian Armed Forces.



HOMAGE TO FALLEN HEROS (10 DECEMBER 2021)

Ram Lal Anand NCC organised a condolence ceremony on 10th December to pay tribute to all the bravehearts who lost their lives in the IAF chopper crash in Coonoor, Tamil Nadu on 8 December 2021. The condolence ceremony was held at 1830 hrs.



IMA ATTACHMENT CAMP

JUO Pradeep Kumar Yadav of Ram Lal Anand College was selected for the Army Attachment Camp that was organised by the Indian Military Academy at Dehradun. At the camp, he received first-hand opportunity to learn more about training of cadets at the Academy, and to explore the IMA campus.



SURYA NAMASKAR (14 JANUARY 2022)

RLA NCC participated in the large-scale virtual Surya Namaskar organised by the Ministry of Ayush to mark the occasion of Makar Sankranti, under the Azadi Ka Amrit Mahotsav initiative. Under the guidance of RLA NCC, the College organised a Zoom meeting on 14th January at 0930 hrs. to perform Surya Namaskar along with 75,00,000 people worldwide. The cadets performed Surya Namaskar step by step.



In his introductory remarks, Capt. (Prof.) Sanjay Kumar Sharma, Associate NCC Officer, emphasised the importance of Yoga in our daily lives, and motivated the cadets to practise yoga regularly for developing a positive mindset.

REPUBLIC DAY CELEBRATION (26 JANUARY 2022)

On the occasion of Azadi Ka Amrit Mahotsav and the 73rd Republic Day, Ram Lal Anand College held a flag hoisting ceremony at 1130 hrs. in the front lawn of RLA College. The entire college was decorated beautifully in tricolor. Prof. Balram Pani, Dean of Colleges, University of Delhi, was the Chief Guest for the ceremony. The ceremony began with the hoisting of the National Flag; the Guard squad of RLA NCC gave a National Salute to the tricolour. This was followed by the National Anthem that filled the audience with a deep sense of patriotism and valour. The Principal Prof. Rakesh Kumar Gupta greeted the Chief Guest and informed the gathering about the future plans for the enhancement of college infrastructure and student facilities. He also made the moment more pleasant with his remarks on the capabilities of the NCC cadets. SUO Shiva Sharma recited a patriotic poem in the honour of the soldiers of our country. The Chief Guest enlightened the gathering with his remarks on the role of NCC in nation-building and encouraged the audience to work together for the progress of the nation. The cadets of RLA NCC take immense pride in conducting the Republic Day celebrations.



ANNUAL NCC FEST VIKRANT 2022 (28 MARCH 2022)

VIKRANT 2022, the NCC Annual Festival was organised by the RLA NCC on 28th March in the college premises. The Fest is an annual NCC celebration that sees participation of various colleges, and includes inter-college NCC unit competitions. This year, NCC units of various colleges participated in the Fest, and showed their exceptional skills and performances. Various competitions were organised such as the Guard of Honour, Drill competitions, Best Cadet, Tug of War (SW), Volleyball (SD) and other cultural events. The event started with full of enthusiasm as the College was magnificently decorated with tricolour, PVC awardees posters, war facts etc. Lt. Col. B.S. Chhikara was the Guest of Honour of the event. He is the alumnus of RLA NCC, and is currently a Training Officer of NCC Group HQ, Meerut. All the competitions started on time and were conducted smoothly. The sports events were also very exciting and energetic. A weapon display programme was also organised as part of the programme. The cultural programme included solo and group dances. The participating cadets performed with great enthusiasm and filled the environment with joy and pleasure. A small act of section attack was also performed by the RLA NCC with great josh. Col. OP Rai, Commanding Officer of 7 DBN was the Chief Guest of the event and Lt. Col. B.S. Taragi, Administrative Officer of 7 DBN, was the Guest of Honour. The Annual Fest held by the RLA NCC was a huge success.



Ujjwal Sharma
Bsc(H) Microbiology
Batch 2018-2021
Recommended from 19 SSB Allahabad SCE.
CDSE Entry
Course - SSC (NT)- 114OTA Chennai



Shivam Rana, Bsc(H) Microbiology
Batch 2015-2018
Recommended from 18 SSB Allahabad SCE.
CDSE Entry Course - SSC (NT)-115 OTA Chennai.
-Secretary Microbiologika Society (2016)
- NSS Volunteer (2016-2018)

LIFE: THE ART OF DRAWING WITHOUT AN ERASER

For an ever ending sapient, What is the ultimate desideration of life - "We Breathe For Success!", right?

SUCCESS - the holy grail of human existence and the panacea to all their ailments, is the definitions supposedly.

We live to succeed - after all that's what we're there on earth for, but did we just stop to think that in the process we struck a Faustian-Bargain for our inner peace?

Whilst striving for high ideals and viewing oneself at the zenith of success is one of the many episodes of Life - a drama; yet 'Life' itself should never be given a back seat : in due course of time.

"Just when the caterpillar thought the world was over, it became a Butterfly "

Sometimes we lose sight of what is important in life well, I firmly believe : The most priceless thing in life is life itself.

LIFE dine it for Enjoying it

Life's full of beauty - just notice it once!

Despite all the hardships and bedlam - the world brimming with drudgery, gimmidury, despondency and uncontrolled hatred - it still remains a beautiful world, a beautiful life.

"Just living is not enough. One must have sunshine, freedom and a little a flower"
Christian Andersen.

We must have a constructive and a sanguine appearance towards the travails of life maintaining one's serenity in the chaos of life - mantra to inner.

"Share your share of happiness, make the world happy, I say.

Enjoy your accomplishments but chase success only to end up being a forlorn lover.

Everywhere life is full of heroism but don't lose your individuality, for the fear of being

sideline after all, it takes nothing to join the crowd but it takes a great deal of self belief to stand alone. This is a cheerful, vibrant world and some are fortunate to be living and seeing its beauty, inhale the beauty around it. Life is more than competition and success - these are more conspicuous tentacles of it, as in, compassion, empathy, honesty, humility and human dignity.

With certitude I say, there's more treasure in life's beauty than in all the wealth amassed by the millionaires and billionaires dotting the planet. Positivity, hope and a certain grit with a tinge of satisfaction - sums up life, its expectative and effects.

Who doesn't face setbacks and failures but being hard on oneself - Is it the solution?

Life is the most precious asset bestowed upon us and must be protected irrespective of its form and appearance.

With each one's genuine problems - life is surely not a bed of roses, but embracing its beauty and essence - would help one breeze through the turbulence.

Have a purpose for your life! It's a precious gift, ought to be handled with care.

Appreciate & express Gratitude - for we have it! Making it more relatable, in the words of Eminem: "The truth is you don't know what is going to happen tomorrow. Life is a crazy ride and nothing's guaranteed."

"Run from what's comfortable.

Forget safety.

Dine where you fear to live.

Destroy your reputation.

Be Notorious."

I have tried prudent planning long enough
From now on I'll be MAD"

Jaya Kumari Pandey
Bsc (Hons) Computer Science, 1st Year

A LETTER TO MR ADJECTIVE

Dear Mr. Adjective,

Received your kind letter and took a great pleasure in bringing to you, the proposal of marriage of our son, Mr. Noun with your pretty and beautiful daughter Miss Pronoun. As you may be already aware of the fact that Noun, our only son holds a remarkable and dynamic position by acting as the chief of the sentence. Without him all the sentences are orphan and barren but no doubt your pretty and darling daughter, also holds a good position. Moreover, we have consulted our family astrologer, Mr. Verb who foretells that stars are favourable and they promise a happy

life. We hope that the view of your astrologer will coincide with that of ours. We have no demands. However, as Noun is our only son, we want the marriage to be accorded as a party and warm welcome as regards to the Persons, Number and Gender. We have to inform you that Synonyms will include their grand Maa and their grandpa, Mr Phrase will be the guest of honour. Besides them Colon and Semicolon will also come to bless the couple. Please convey our regards to your mischievous neighbours, Hyphen, Comma, Inverted Commas and Dash.

Yours Sincerely,
Proverb.

WHEN TO STUDY?

It is not the fault of students if they are unable to pass their exams because a year has just 365 days which are not enough for a student to study. Let me tell you how....

A typical year has :

1. Sundays: 52 Sundays in a year.
Sundays are meant for praying and resting.
2. Summer vacations: 60 days of hot and dusty weather.
It is very difficult to study.
3. Sleeping hours: 8 hours daily which means 122 days a year.
Balance only 131 days.
4. Relaxing: Daily we need some time to take meal.
Thus 30 days are gone.
Balance- 101 days.
5. Gossips: A man is a social animal. we need

at least 1 hour daily for talking. So 15 days are gone.

Balance-86 days.

6. Exams: Per year about 38 days are gone in exams.
Balance-48 days.
7. Winter holidays and festivals: Take about 40 days.
Balance - 8 days.
8. Sickness: Fall sick at least 4 days.
Balance-4 days.
9. Movies, functions, etc- Take about 3 days.
Balance- 1 day.

THAT TOO IS ONE'S BIRTHDAY. SO WHEN DOES A STUDENT GET TIME TO STUDY????

Nikita Pathania
Bsc(H) Computer Science
(1st Year)

YOU DON'T NEED WORDS TO EXPRESS

The moon was gleaming outside her window. Advika was sleeping in her room when her mother entered the room, saw a piece of art lying on the table. She had drawn a lovely girl with a gag in her mouth and had given a beautiful background to it. Her mother felt low-spirited and kissed Advika on her forehead. Her room was adorned by so many such artworks, where each artwork has a meaning of its own. After closing her door, she went to her husband and started shedding tears. She explained to her husband about the incident, to which he replied "our daughter is so talented and special that she doesn't need her voice to express herself." Indeed she was special but little did she know that her artworks would be praised by everyone in the coming times. In the morning when Advika came down for the breakfast and they elucidated how extra special and talented she was. Advika kissed her parents and saw an advertisement in the newspaper about the upcoming art event in her town. The age limit for this competition was 6 - 13 years. She started jumping and was very thrilled. However, her parents were a little tensed about their daughter being teased by anyone. By seeing her happiness they immediately agreed. When Advika went to her room, they started discussing her being a part of this competition. But by seeing her zeal and passion for art they both agreed. Advika got injured in a car accident and it resulted in an injury to her head where her vocal cords became injured, causing vocal chord paralysis. One week later, they got ready to go to the venue which was thirty kilometers away from their home. Advika had a habit of keeping a little diary with her on which she loved making designs, so while traveling she was doodling and expressing her thoughts. When they reached the venue it was crowded and

Advika got anxious. Her parents advised her to give her best and forget the rest, to which she grinned and went for the competition. While the competition was going on, parents were sent to a different room and all the children were engaged in their artwork. The competition lasted for three hours and the results were declared after two hours. When the winner's name was announced, Advika's parents bounced from their seats in excitement upon listening to their precious daughter's name and she went on the stage to receive the award. The chief guest was a renowned painter. He congratulated her and informed her to give a Thank You Speech. Using sign language she told everyone that she couldn't speak. Everyone was startled. After listening to this, the chief guest replied " She had drawn a girl with butterfly wings in a beautiful dress indicating that women are no longer enslaved by men and are no longer treated as objects. Although she couldn't speak, she has beautifully expressed herself by her painting." Everyone congratulated her and her parents. At the end of the event, the chief guest told her parents to show more of her artworks. After showing some pictures of her paintings he was stupefied that how a young child can draw so beautifully. After this, he asked them to send some of his artworks, so that he can put them all in his Exhibition where everyone can appreciate her paintings and talent. They gave her paintings to him and he put that in his exhibition where everyone got to know about her talent. After some years, Advika became a renowned painter and got invited to judge an event when she remembered her first time in an event from where it all started.

Santushti Gandhi
BSC (H) Computer Science, 2nd Year

FEMINIST

The word FEMINIST certainly evokes a lot of different perspective in the minds of listener/reader especially in the Indian youth whose opinion is highly influenced by the entertainment part of the social media like memes/YouTube etc.

14-15 year old teens are exposed to highly toxic community of people who don't understand the power of influence on social media and on their developing brains.

These self proclaimed influencers and admins are either too young or too naive to understand different elements of society, but don't hesitate to comment and criticize on almost every event that happens.

This gives the teens a very misleading and wrong notion about different terms among which I think FEMINISM tops the list. For most of the teens who got exposed to the illiterate part of social media in their developing age the word feminism it's certainly a taboo. The word the least want to be associated with mainly due to the fear of the fellow community which made them believe their opinion as the definition for feminism. Almost every act concerning a woman is brought into the term feminism and then the accused it is said to be a pseudo feminist (who never claimed to be even feminist). Even if they really want to understand the term and supported they don't usually do that because of the fear of backlash from their circle who is also been exposed to the same toxic content.

IN OUR COUNTRY A COUPLE OF ACTS OF NUISANCE (WHICH IN MOST CASES IS AN EXAGGERATION BY MEDIA) OVER SHADOWS A RATE OF 4 "REPORTED" RAPE CASES PER HOUR

The other thing I find concerning name is that teens while looking up to such terms through internet or YouTube videos come across various articles and videos dedicated to counter the western feminism which is taking toxic turn when teens are exposed to the principles and culture of the toxic western feminism they fail to understand that it is not absolute and certainly not applicable in an Indian society. They cannot comprehend the fact that it our society which is deprived of basic human rights cannot be compared with the developed western society. Every society has his own problems and methods to deal with it. Methods applied to counter evils in a certain society may or may not be compatible with the other society.

Due to low level of Indian journalism and self proclaimed feminist of the internet the youth does not really have a good understanding of the Indian society and its evil although this understanding can really be gained through mere observation. Mainstream feminism in India being more of a capitalist attitude really doesn't give an average Indian teen the real need and perspectives of feminism.

The other thing which I found is really growing among the Indian youth is that they believe that being a feminist or calling for equality in a society or being in mere a human decency makes them superior than other people. They believe supporting the idea of feminism should work as a tool for them to be more attractive or compatible to women as most of the men are against the notion. Most of them are just self obsessed brats who just claim to be what they are just to be superior in the eyes of a woman.

But I find it ridiculously contradicting the idea of feminism. The idea of feminism was never

to choose the ideal man or man who supports women empowerment or has basic human decency. The idea of feminism was always empowering the women so that she can be independent and her choices are not directed or influenced by men. A woman doesn't really

need anyone to empower her and trying to find a man who she can rely on for empowerment it is really a contradict to the original idea of feminism.

Hritvik Verma
BMS, Ist Year

THE TWO FISH IN MY BOWL

The two fish in my bowl,
they boo me through the hole.
For their freedom I stole,
for their lives I control.
Fault's not mine in whole,
So I looked down the hole.
With a goal to extol,
or just to console.

As if their eyes could speak,
they offered a talk.
As all they had was me to peek,
and my soul to stalk.
In my eyes I am the beast,
but they have seen the Zeke,
for the world's Levi,
they knew I was weak.

ME:
I am ashamed,
I deserve the hate,
As for your state,
I am to be blamed.

THEY:
Don't take the blame,
don't feel the shame.
To talk we came, not to aim a flame.
And don't perverse,
cause we know the curse,
even to ours, your's worse.

ME :
How can that be?
A curse worse than thee?
I don't agree,
can't you see I am the free of us three!

THEY:
Free you say but are you sure?
ignorance it is and that we can't cure,
with a pure soul give your mind a tour,
I can assure you, the path is obscure.
But, When you find the cage,
don't succumb to rage,
because that's the guardian's wage.

Hritvik Verma
BMS, Ist Year

GIRL CHILD

"I am a Girl Child"

Just brought from one Heaven's Abode
To the other heaven's womb.

It's my mom, whom I love the most
She is the first, whom I know.

I am so happy to experience this new world
Seems full of hopes and joy in the womb.
But who knows whether I will be born or not
Or this place becomes a hell of womb.

I am a foetus, not grown full
Come out to see this beautiful world
Or being killed inside alone.
But my "Maa" fight for my birth
So that I can see this beautiful Earth.

When I grown to a child
They say, Oh! She is a girl child
Did I committed any crime before
Why they treat me, like I am shame for those.

The world being so harsh to me
Only because I am a girl child.
You cannot do this, cannot do that
Everytime it feels like a trap.

The outside world that seems beautiful
from inside the womb.
Now that seems like a darkened place
Without any blaze of dawn.

What wrong I did Only that I am a Girl.
World seems so bleak
No place for me to breathe.

The womb was much safer place
than this cruel world,
At least I did not had the fear
of murder and rape.

Mansvi Bangarh
B.A. (H) Pol Science, 1st Year

ECCENTRIC

"Life's a race!

It's about claiming the mace!"

But what if I don't wanna run?
Be happy and just have fun.

"NO! That's not how you ace!
Face the race or die in disgrace!
Take my advice, you see those guys
Buckled up in suits and ties!
Their allies rule the skies!"

Those guys? You call them wise?
They are cannibals in disguise
They eat dreams
While innocent souls screamed
Ask those skies,
Didn't they hide those cries in the rain
I bet they won't deny my claim

"But what if you claimed the first place
People beside you ready to embrace"

Cause I know when the time flies apace
I will be replaced!
Sighs!

Acceptance? Validation? That's too little a prize
To run the race while my compassion dies
See my soul demise
While I rub my eyes
And say those good-byes

Hritvik Verma
BMS, 1st YEAR

समाज का मुखौटा

क्या करूँ, मर्द हूँ
इस घर का सार हूँ।
दबी इच्छाओं का भंडार हूँ
अनेकों बार सहम जाने का प्रमाण हूँ।
जिम्मेदारियां निभाते—निभाते खुद को भूल जाता हूँ
अपनों के ख्वाब पूरे करने में कहीं खो जाता हूँ।
बहन की विदाई पर यू ही ओझल हो जाता हूँ
उसकी आँखों के अशक का एक मुसाफिर बन जाता हूँ।
माँ का प्यार खूब पाता हूँ
पिताजी की डाँट भी चुप चाप सुन जाता हूँ।
शायद हर किसी की तरह गुस्सैल नहीं हूँ
थोड़ा मासूम और नादान हूँ मैं।
पर क्या करूँ मर्द हूँ ना,
उजाले में सख्ती का मुखौटा नहीं उतारता हूँ।
आंखों से एक अंधेरे कोने को ढूँढ लेता हूँ
मर्द हूँ थोड़ा मैं भी रो लेता हूँ।

लुकेश

बी.ए. प्रोग्राम, तृतीय वर्ष

नारी

वक्त बेशक तेरा नहीं पर आएगा तभी जब तू लाएगी।
तो उठ नारी,
कब तक यूँ ही अबला बन जीवन बिताएगी।
हिम्मत की मशाल जला,
कर सब धुआं—धुआं।
चीर उस रूढ़िवादी मानसिकता को जिसे समाज ने
पीढ़ियों से है बुना हुआ।
तोड़ उन नियमों की बेड़ियों को जिन्होंने तुझे रखा तेरे
ही अस्तित्व से जुदा।
रख अपनी हर उस बात को,
जिसे सच तेरा मन है कहता।
काली भी तू कल्याणी भी तू
तो उठ और अपनी आवाज उठा।
बहुत हो गया कल्याणी रूप
अब इस ज़माने को अपना काली अवतार दिखा।
वो स्वरूप दिखा जो बयां करे तुझ पर बरसा हर एक दुख।
उठ नारी न फेर कठिनाइयों से अपना मुख।

मीनाक्षी पंत
हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार, प्रथम वर्ष

RAYS OF HOPE

Every place can be better place for girl child,
The only need is just to treat them as a child
Do not label them a girl,
Those are blessed who have this beauty on earth.

Let's take pledge to make them feel safe
They equally deserves this place.
Every girl child matter,
We are because they are.
Happy National Girl Child Day.

Mansvi Bangarh
B.A. (H) Pol Science, Ist Year

गुज़रा वक्त

एक वक्त था जो अब गुज़र गया है
मैं चाहूँ तो भी उस वक्त को वापस नहीं ला सकती.
बस कुछ धुँधली—सी यादें हैं मन में,
जो अक्सर सामने आ जाती हैं।
चेहरे पर मुस्कान और आँखों में आँसू दे जाती है...
मैं सोचती हूँ कि क्यों बार—बार याद आ जाते हैं वो पल
जो अब बन चुका है एक खूबसूरत कल...
ख्वाब में ही सही काश एक बार फिर से वो बचपन जी लेते,
सब दोस्तों संग मिलकर हम फिर से कुछ बच्चों के खेल खेलते...
बहुत याद आते हैं आज वो स्कूल के दिन
जब बेस्ट फ्रेंड के बिना पूरा दिन गुजारना था नामुमकिन
आज फिर से उन दोस्तों से मिलने की ख्वाहिश है।

किंशुक चौहान
बीएससी (आनर्स), कंप्यूटर साइंस

राष्ट्र-वीर

मैं वीर जवानों का सबका सम्मान चाहता हूँ,
हमारे राष्ट्र को बचाना यही अरमान चाहता हूँ।
तुम्हारे कर गिर जाये दुश्मन के धड़ पर,
मगर, ना उठे दुश्मन यही सौ बार चाहता हूँ।
तुम्हीं हो राष्ट्र उद्धारक तुम्ही हो राष्ट्र की सेवा,
तुम्हारे बाजुओं कि मैं यही अभिमान चाहता हूँ।
अपनी माँ के आँचल को बचाना प्राण तुम देकर,
कभी बैठो न चुप कर यही आशीर्वाद चाहता हूँ।
उठो दौड़ जाओ हमारे राष्ट्र के प्रति,
कभी पीछे नही आना फिर भी इंतजार चाहता हूँ।
कभी खोने नही देना हमारे देश की आन,
हमारे आंसुओं में, मैं तुम्हारा प्यार चाहता हूँ।
कभी मिटने नही देना हमारे देश की शान,
कभी झुकने नहीं देना हमारे राष्ट्र का सम्मान ॥

विद्यासागर सिंह
बी.ए. (ऑनर्स), हिंदी, द्वितीय वर्ष

हिंदी

हमारी शान हिंदी,
हमारी जान हिंदी।
लेखक का खजाना हिंदी,
सबका ज्ञान हिंदी ॥

हमारी भाषा हिंदी,
हमारी बोली हिंदी,
हम सबका अभिमान हिंदी,
ईश्वर का वरदान हिंदी ॥

हमारी पहचान हिंदी,
जन—जन की भाषा हिंदी,
करो सम्मान इस हिंदी का,
ये माँ है हमारी ॥

जय हिन्द

दीपा
बी.ए. (आनर्स), हिंदी, प्रथम वर्ष

नारी

कहते हो लड़की को देवी,
पर पूजा कहाँ करते हो ।
न कर दे जब प्यार तुम्हारा,
फिर क्यों पीछे पड़ते हो ।

परेशानी उसकी कम नहीं हैं,
तुम उसे और बढ़ाते हो ।
उत्तीर्ण बेटी बैठी है घर में,
नालायक बेटे को पढ़ाते हो ।

डर से तुम्हारे सो नहीं सकती,
इस डर को कभी देखो तुम ।
सक्षम नहीं हो देखने को जब,
फिर तेज़ाब मत फेंको तुम ।

बेटी, पत्नी, बहु और माँ,
कितने किरदार निभाती है ।
पति के सामने भी चुप रहती,
बच्चों से भी छुपाती है ।

बेटी कोई बोझ नहीं है,
फिर क्यों उसे भगाते हो ।
नौ माह रहते गर्भ में उसके,
तब धरती पर आते हो ।

बेटों से तुम खुश होते हो,
बेटी भी तो कोई गम नहीं ।
माना बेटे विमान उड़ा रहे,
हौंसले बेटी के भी कम नहीं ।

बाबुल में वह फूल है खिलती,
ससूराल को भी महकाती है ।
सोख जो लेती सबके दुख को,
तभी तो बेटी कहलाती है ।

भाग्य वालों को बेटे मिलते,
सौभाग्य को बेटी दे भगवान ।
देवी के रूप शामिल जिसमें,
कर लो न उनका सम्मान ।

जग का सर पे भार लिए वह,
सबका मन हल्का करती है ।
जज़्बात उसके दिल में भी हैं,
पर कहने से डरती है ।

मानसिक, शारीरिक पीड़ा सह के,
हर दिन कई बेटी मरती हैं ।
क्यों करते हो बुरा तुम उसका,
सबका भला जो करती है ।

सूरज कुमार
बी. ए (हिन्दी) ऑनर्स,
द्वितीय वर्ष

क्यों उदास बैठे हो?

किसी ने कहा क्यों उदास बैठे हो
चलो चलते हैं किसी मयखाने को
जहाँ हसरतों के गुबार निकलते हैं
वहीं टहलेंगे जी बहलाने को ।

क्यूँ तलाशते हो खुद को
इस अनजानी दुनिया में
कोई नहीं मिलता, बेवजह यहाँ
जिंदगी में साथ निभाने को ।

सभी यहाँ नकाबपोश हैं
छिपाए हुए चेहरे कई
गिद्धों को भी मात दे रहे
बैठे हैं माँस चबाने को ।

और कभी जो तलाश लो खुद को
खुद से पूछ लेना तुम
क्या कुछ वजह काफी थी
सरज़मी से वजूद मिटाने को ।

फुरकान
बी.ए. इतिहास (ऑनर्स), तृतीय वर्ष

जल में अग्नि

महादेवी वर्मा की पंक्ति से

तुमने सुना मीना?

क्या बहन?

अरे यही की, मेरे पड़ोसी के बेटे की बहु के बारे में जिसकी अभी कुछ महीने पहले ही शादी हुई है।

अरे हाँ। मीना! याद आया तुम महादेवी की बात कर रही हो ना।

हाँ, महादेवी ही नाम है उसका। बहुत पढ़ी-लिखी लड़की है, तुम्हें मालूम है। बहुत बड़ी-बड़ी बातें करती है। मानो ऐसा लगता है, जैसे जल में अग्नि जल रही हो। इतने तर्क – वितर्कों से अपने पति से बातें करती है कि उसके पति श्यामा प्रसाद की तो बोलती ही बंद करवा देती है।

बात बहुत बढ़िया बोलती है। महादेवी अभी कुछ दिन पहले ही सुबह – सुबह दोनों मियाँ-बीबी में झगड़ा हो रहा था, मैं तो उस समय आँगन में, चूल्हा लीप रही थी। तो मैंने सुना कि उसका पति श्यामा प्रसाद, बहुत कुछ बोले जा रहा था। लेकिन महादेवी चुप रही। लेकिन जब बोली तो ऐसी बात बोली अपने पति की बोलती बंद कर दी। मालूम है क्या बोली?

क्या बोली बहन?

यही कि “युगों से पुरुष स्त्री पर उसकी शक्ति के लिए नहीं, सहन शक्ति के लिए दंड देता आ रहा है”। उसके बाद जो महादेवी ने अपना चंडी रूप धारण किया है।

वाह-वाह! क्या देखने योग्य था वो नज़ारा बहन....

अपनी तर्क शक्ति से ऐसे-ऐसे उदाहरण, श्यामा पर दे मारे कि वो कुछ बोल ही नहीं पाया।

मुझे तो महादेवी को देख कर लगा ये बढ़िया आयी है अपने गाँव में बहु, अब तो पानी में भी आग लगेगी।

जल में ज्वाला भड़केगी,

बहन अब से हम भी, मौन नहीं रहेंगे। हमारे ऊपर होने वाले अत्याचारों का ज़वाब अब हम भी दिया करेंगे।

चल आज शाम को महादेवी से मिलकर आते हैं। चाय

पीते-पीते कुछ और नया सीखने को मिलेगा उससे, फिर हम भी जल में अग्नि लगा देंगे।

हाँ हाँ हाँ, क्या बात है मीना बहन?

महादेवी ने तो तुझ में क्रांति-सी ला दी, और तुमने मेरे में उसका किस्सा सुना कर।

मीना और उसकी सखी, गाना गुन गुनाते हुए “टिप टिप बरसा पानी, पानी में आग लगायी” करती हुई, दोनों महादेवी के घर पहुंचती है और शाम की चाय का आनंद लेते हुए, नए-नए विचार लाती है। महादेवी, मीना और मीना की सखी। मिलकर नारी के ऊपर होने वाले अत्याचारों के प्रति आंदोलन चलाती है, जिसमें बहुत सारी पीड़ित महिलाएँ शामिल होकर, अपने ऊपर होने वाले अत्याचारों के प्रति जीत जाती है। नारी और पुरुषों में समानता लाकर, कन्धे-से-कन्धा मिलाकर चल कर दिखाती है मानो जल में अग्नि लगाती है।

हिमांशु

बी.ए. हिंदी (विशेष), तृतीय वर्ष

MY FANTASY

Whenever I close my eyes,
I see you standing besides me,
Holding my hand and taking me to the sky...

The best part is
It's like a dream come true
you are next to me saying

I love you...

You are my sunshine in the dark night
Which makes my path even I am
And I always above you...
Oh now I came to reality
And these are just beautiful fantasies...

Kimshuk Chauhan

BSC (H) Computer Science, 1st Year

प्यारी तितली

प्यारी नन्ही तितली रानी, क्यों मुझसे नाराज हो
कुछ तो बोलो कुछ तो सुन लो, क्यों तुम इतनी शांत हो
ऐसी भी क्या बात हुई, जो इतना गुस्सा हो मुझसे
एक बार तो सुन लो तुम, जो कहना चाहता मैं तुमसे
नहीं सताता तुमको अब मैं, माफ़ मुझे तुम कर देना
उन छोटी सी गलतियों से, इतना भी क्या दिल भरना
माफ़ करो वो सारी गलती, जो मैंने कर डाली थीं
गुस्सा छोड़ो बातें कर लो, प्यारी—प्यारी प्यारी सी
क्या कहूँ तुमसे मैं अब, बस इतना कहना चाहता हूँ
गुलाब की कली सी हो, सुन्दर तुम परी सी हो
तेज जैसे रवि सा, चमक में तुम चांदनी हो
सबके मन को भा जाती हो, दिल के सबको छू जाती हो
जब भी बुलाऊँ प्यार से तो, पास मेरे आ जाती हो
अब भी तो मैं बुला रहा हूँ, पास मेरे तुम आओ ना
गुस्सा छोड़ो बातें करो, मुझको तुम बहलाओ ना
ओ प्यारी तितली रानी, अब जरा मुस्करा देना
यदि बुलाऊँ कभी प्यार से, पास मेरे तुम आ जाना

रामकुमार पाण्डेय
हिंदी विशेष, प्रथम वर्ष

अंतर्मन की चेतना

मेरे अंतर्मन की चेतना
सरल पर अविरल सी लगती है।
मेरे अंतर्मन की चेतना
साफ पर धूमिल सी लगती है।

मेरे लिए चिंतन विषय
कुछ को जन प्रवृत्ति सी लगती है।
मेरे लिए अनंत समान
कुछ को शून्य सी लगती है।

चितित चेतना कुछ यूँ है—
अहंकार मानस प्रकृति क्यों है।
वाणी मधुर तो मौन क्यों है।
ज्ञानी सभी तो शोर क्यों है।
तृष्णा तृप्त तो थोड़ा और क्यों है।

चंचल चेतना से सौदा कर लेता हूँ—
अहंकार उपहास कर खो देता हूँ।
वाणी से कुछ गीत पिरो देता हूँ।
ज्ञान गंगा से कुछ बटोर लेता हूँ।
तृष्णा तृप्त कर औरों के लिए जोड़ लेता हूँ।

चेतना से कुछ गीत सजा लूँ—
सूर्य की किरण से अक्षर बना लूँ।
अक्षर से नवीन अवसर बना लूँ।
अवसर पर चेतना उपस्थित बना लूँ।
कविताएँ बहुत लिखी
अपनी चेतना से कुछ और कवि बना लूँ।

— प्रियांशु सेमवाल
कंप्यूटर साईंस, तृतीय वर्ष

क्या?

क्या 'ज्यादा बोलने वाली बदचलन लड़की'
की आड़ में उसके साथ की दरिंदगी को छुपा पाओगे,
जिसे तो हैवानियत शब्द की समझ भी न थी?
क्या 'छोटे कपड़ों' को दोष देकर
घूँघट और बुरके को दिये हुए
घाव भर जाएँगे?
क्या 'घर में रहो' की तुम्हारी सलाह
उन चार दिवारी के अंदर कुचली
आबरू की दास्तां को इंसाफ दिला पायेगी?
क्या सिर्फ उन चुनिंदा अपराधियों के लिए
आक्रोश भर लेने से, वह सारी वहशिया नज़रों
की नियत साफ़ हो जायेगी?
क्या तुम्हारे दो दिन के अफसोस और माफी से
अपनी बेटी के लिए ख्वाब बुनने वाली
उस माँ की वो बेबस आँखें
कभी चैन से सो पायेगी?

सेजल बजाज

बी.एस.सी.—सांख्यिकी, तृतीय वर्ष

बेटियां

मां के जिगर का टुकड़ा और
पिता के लहू की पहचान हैं बेटियां,
खुशबू सी महकती हैं बेटियां,
फूलों सी खिलखिलाती हैं बेटियां,
अपनी होती हुए भी पराई होती हैं बेटियां,
पराए घर को अपना बना लेती हैं बेटियां,
उन्नति का अहसास होती हैं बेटियां,
ओस की बूंद सी होती हैं बेटियां,
अनेकों रूपों से भरी होती हैं बेटियां,
जहां देखो अपनेपन का अहसास करती हैं बेटियां,
समाज का हर जुल्म सह जाती हैं बेटियां,
फिर भी कोई शिकवा नहीं दिखाती हैं बेटियां,
फिर भी कोख में मारी जाती हैं बेटियां,
क्यों सबके लिए बोज़ होती हैं बेटियां,
न रहेंगी बेटियां तो,
कौन खिलाएगा रोटियां।

अंजलि

बीए—हिंदी विशेष, तृतीय वर्ष

रिश्तों का है क्यों इतना बोझ?

क्या रिश्तों के बिना जिंदगी है बेजोड़?
या फिर रिश्तों के बिना हो जाऊँगा मैं कमज़ोर।
खैर; छोड़ रिश्ते, तू बस इतना सोच
जहाँ किसी ने ना सोचा हो
कर कुछ ऐसा, जो उन रिश्तों से भी ऊँचा हो
होंगे सारे रिश्ते अपने, जब होंगे पूरे तेरे सपने।
रिश्ते.....

रिश्ते कोई खेल नहीं, दुनिया की ये रीत है
जहाँ कर लिया तुमने संतुलन वहाँ तुम्हारी जीत है।

प्रभाकर मल
बीजेएमसी, प्रथम वर्ष

सबसे बड़ा गुरु कौन? ... नकारात्मकता

यूँ तो आज हर कोई बस यही कहता है, कि सकारात्मक सोचो..... अच्छा ही होगा लेकिन एक कहावत यह भी है कि कल किसने देखा है? यह दोनों चीजें एक ही परिस्थिति में नहीं हो सकती। चलो माना हम लोगों ने सकारात्मक सोचा, लेकिन इसकी क्या गारन्टी है कि हमारे साथ अच्छा ही होगा क्योंकि कल किसी ने नहीं देखा।

जरा सोचिए.... अगर हवाई जहाज, बस, ट्रेन बनाने वाले यह न सोचते कि "यदि इसमें आग लग गयी तो क्या होगा? तो शायद आज हम आपातकालीन खिड़की, द्वार से परिचित न होते। इसी क्रम में यदि दुपहिया चालक यह सोचें कि, "मैं तो सकारात्मक सोचता हूँ, मेरा एक्सीडेंट क्यों होगा।" तो शायद अच्छे हेलमेट बनते ही नहीं। इसी प्रकार यदि ईश्वर यह सोचें कि "पृथ्वी पर कोई गलत काम करेगा ही नहीं" तो शायद ईश्वर के हाथों में चक्र, त्रिशूल, गदा नहीं होते।

कहने का तात्पर्य बस इतना ही है कि सकारात्मक सोचना अच्छी बात है— नकारात्मक सोचना और अधिक अच्छी बात है ताकि यदि हमारे साथ कुछ नकारात्मक हो तो हम उस परिस्थिति के लिए तैयार हो पायें। नकारात्मक सोच और निराशा में बहुत अन्तर है। नकारात्मक सोचना चाहिए किन्तु निराश नहीं होना चाहिए "मेरी बस छूट गयी तो क्या होगा?" इस नकारात्मक विचार से हम बस छूटने के बाद आने वाली परिस्थिति के लिए तैयार हैं। किन्तु "मेरी बस तो छूटेगी ही।" इसमें निराशा का भाव झलकता है जो कि गलत है।

इस लेख से केवल यह तात्पर्य है कि नकारात्मक सोच आपको भविष्य में होने वाली नकारात्मक परिस्थितियों के लिए तैयार करेगी, जो केवल गुरु ही कर सकता है। इस प्रकार मेरे अनुसार नकारात्मक सोच ही सबसे बड़ा गुरु है।

ध्रुव कटियार
बी.ए. ऑनर्स, प्रथम वर्ष

FLESH

I'm a mass of flesh, who endures every distress,
For nine days, I'm venerated as a deity,
Aside from that, my agonized screams they suppress.

Sometimes, I'm tethered to the ropes of
dowry, gender and sometimes disgrace,
I'm Damini, I'm Priyanka, I'm the girl of the Hathras case.

I'm a woman who is battered, raped and choked to death
Although, I give life to the world
But still I struggle for every breath.

They rob my honour, purloin my life,
Leave me like an alamort,
Justice is all left to strive.

My destruction becomes an everyday sight,
Hitherto, the candle marches and death sentences
cannot change my plight...

Ananya
BSC (H) Statistics, 1st Year

आज का भारत

ये आज का हिंदू है जो मस्जिद में सजदा करता है,
ये आज का मुस्लिम है जो मंदिर में पूजा करता है।
ये आज का भारत है;
वर्तमान का भारत है।
जो विविधता में एकता की
परीक्षा में खरा उतरता है।।

क्या बोलूँ मैं अपने भारत के बारे में,
मेरे पास शब्द कम पड़ जाते हैं।
जो अलांघ्य था उसे लाँघ चुका है,
धरती छोड़ो, सागर छोड़ो
अब तो आकाश में भी परचम लहराया है।
एक बार फिर से,
भारत माता के चेहरे पर
मुस्कान का दीपक जलाया है।।

मैं नमन करता हूँ उन सैनिकों को,
उन शेरों को, उन वीरों को, उन माओं को,
मैं चुप्पी साधे, मौन रह जाता हूँ;
जब भी बात हो भारत की,
बस मन—ही—मन मुस्कुराता हूँ।।

गर्व से कहता हूँ—“भारत का वासी हूँ”।
बार—बार धन्यवाद करता हूँ भारत माता का
जयघोष करता हूँ भारत माता का।।

श्वेता कुमारी
बी.ए. हिन्दी विशेष, तृतीय वर्ष

COMRADES

I know it's hard,
Will this ever end, you ask,
I can't figure out from where to start?
You laughed at the jokes I made,
Splinters from the Mortar
shell made it all fade,
That day supreme sacrifices were made,
But now I am forced to wonder,
was it all vague?

Home doesn't feel like home anymore,
It's just that I am a maniac who goes by the
book,
At night, it's my wife whom I spook
The fan and the ceiling is all at which I look,
I guess the trauma has gotten me by the hook

Lately I have been getting
high to ride all the lows,
Does it matter for them, I thought,
Will they miss me when I go?
I just want to escape it all,
But deep down I know I need a saving,
Somebody to tell me I can sleep the sleep i
have always been craving,
Somebody to tell me
that my task has been accomplished,
For now I can put down
my gun and the vest,
The comrades next will handle the rest.

Lokesh
BA Programme, 3rd Year

राष्ट्रप्रेम और हमारा दायित्व

राष्ट्रप्रेम के लिए बदलाव चाहिए, लोगों के दिलों में ऐसा भाव चाहिए।
शिक्षा का स्तर बढ़ाने के लिए शिक्षित समाज चाहिए,
बाजारों में घोटालों को बंद करवाने के लिए अच्छे नेताओं का साथ चाहिए।
गांवों में गरीबों की बदहाली दूर करवा पाएं हमें ऐसा प्रधान चाहिए।
शहरों का रूप नक्शा ऊँचा बनाये हमें ऐसा हिम्मतवार चाहिए।
देश को समृद्ध और शक्तिशाली बना सकें हमें ऐसी सुप्रियता वाली सरकार चाहिए।
राष्ट्र के लिए हमेशा खड़े हों बलिदान हो जायें हमें ऐसा परिवार चाहिए।
राष्ट्रभक्ति के लिए हर समय तैयार रहें हमें ऐसी भक्ति का अपार चाहिए।
मीडिया में अच्छी तरह निष्कर्ष करके समाचार पत्र चलाये हमें ऐसा पत्रकार चाहिए।
मोबाइल पर सिर्फ फालतू सन्देश ही नहीं
राष्ट्रप्रेम का उत्कर्ष का भाव उत्पन्न करा सकें हमें ऐसा यार चाहिए।
अश्लील चित्रण के द्वारा हमारे युवा वर्ग को बरगलायें नहीं
बल्कि उन्हें राष्ट्रप्रेम करा सकें ऐसी सिनेमाघरों की दीवार चाहिए।
हमेशा लोग समाज गरीब अपंग और असहाय को सहायता में परिवर्तन कर सकें
हमें ऐसी मदर टरेसा जैसी महान इन्सान चाहिए।
अस्पतालों में चल रही पैसों की होड़ में गरीबों की जान न जायें
हमें डॉक्टर की ऐसी डॉक्टरी का व्यवहार चाहिए।
हमेशा गरीबों की चिंता करें उन्हें दूर करने का अथक परिश्रम करें
हमें ऐसा मित्रगण और मातृत्व वाला प्यार चाहिए।
हमें जवानी की सही दिशा राष्ट्रप्रेम में लगाने के लिए
बताने वाले बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद चाहिए।
स्त्री वर्गों को बहन, माता तथा अपने परिवार जैसा समझे
ऐसा मन, नेत्र, दिल तथा शरीर का जीवंत कंकाल चाहिए।
सैनिकों की इज्जत कर उन्हें राष्ट्र की भावना को
मजबूत करवाने में साथ दे ऐसा देश का आकार चाहिए।
आपस में शत्रु तथा कुदृष्टि की भावना न रखें
एकता के सूत्र में बांधे रखें हमें ऐसी भातृत्व वाला व्यवहार चाहिए।
जहां रेप, दंगा-फसाद फालतू काम न हों
बल्कि राष्ट्र के लिए समृद्ध और आगे बढ़ें हमें ऐसा छात्रावास चाहिए।
लोगों में नेता जी, गांधीजी, सरदार जी जैसे अपने राष्ट्र के लिए
अग्रसर हो जाने के लिए दिल से निकली निष्ठा वाली चित्कार चाहिए।
समाज द्वारा ही ऊपजी जात-पात छुआ-छूत को जड़ से समाप्त करें
जो सभी के लिए प्रिय हो ऐसा उपचार चाहिए।

ऐसा भाव जब हमारे अंदर आएगा तब ही जाकर हमारा राष्ट्र सर्वोच्च महान बन जाएगा ।
और हाँ हमारे दिलों में है ये आस लोगों को भी है ये विश्वास,
हम बदलेंगे जग बदलेगा यह नारा लेकर ही चलना है साथ ।
राष्ट्रप्रेम की भावना जब हृदय में आती है, अंदर ही अंदर गर्जन की हुंकार जगाता है ।

विद्यासागर सिंह
बी.ए. हिंदी विशेष, द्वितीय वर्ष

“ज्वाला है हिंदी” मेरी मातृभाषा हिन्दी

बढ़े चलो, बढ़े चलो
उसके तुम करीब चलो
दूर ना इसको जाने दो,
अपने हृदय के करीब
इसको आने दो ।

इतने तहज़ीब से इसे अपनी ज़बां
पर रखो, इसे बोलने में ज़रा ना कतराओ,
है! अपनी यह भाषा,
कठोर हृदय को भी पिघला दे
ज्वाला की भांति है, हमारी हिन्दी ।

माँ का दर्जा मिला है
अपनी ही एक मात्र भाषा ऐसी है हिंदी
जिसने अपने को,
अपने बच्चों के रूप में ढाला है
जैसा सुनोगे, वैसा बोलोगे
जैसा पढ़ोगे, वैसा ही लिखोगे
यह इसकी विशेषता है ।

सब का हिंदी बोलने का ढंग थोड़ा अलग सा है ।
लेकिन! दिल में हिन्दी माँ का प्रेम
सब का धड़कता एक सा है

हरियाणा के खेतों में है हिंदी,
दिल्ली वालों के दिल में है हिंदी
कश्मीर की वादियों में है हिंदी,
राजस्थान के रेत में है हिंदी,

और होगी, पूरे विश्व में सर्वोपरि हिंदी
जिस दिन लोगों में
ज्वाला की भाँति भड़क उठेगी हिंदी ।

शब्दों का भंडार इतना व्यापक है
क्योंकि सभी भाषा के शब्दों को
अपने अनुरूप ढाल लेती है हिंदी,

शेरों, शायरी, गज़लों में
सबको मोह लेती है हिंदी
संस्कृत की बेटी, उर्दू की बहन है हिंदी
ग़ालिब की ग़ज़लों में, कबीर के दोहों में,
सूरदास के पदों में क्या! लगती है हिंदी!
सभी अलंकारों में संवरती है,
सब रसों में झलकती है हिंदी ।

दोहा हो, छंद हो या हो चौपाई
एक शब्द में भी
सब कुछ अभिव्यक्ति कर सकती हैं हिंदी
क्योंकि ज्वाला है हिंदी
गर्म लावा की तरह
दहकती है हिंदी।

अभिमान है हिंदी, हमारी पहचान हिंदी
शिखर की चोटी, चढ़ चुकी है हिंदी
सागर की गहराई में उतर चुकी है हिंदी।

अंतरिक्ष की यात्रा करके
वैज्ञानिक भाषा बन गई है हिंदी।
पाली, प्राकृत, अपभ्रंश से लेकर
ब्रज की हिंदी, अवधि की हिंदी
खड़ी बोली में, खरी-खोटी
सुना भी सकती है हिंदी
क्योंकि ज्वाला है हिंदी।

हिंदी संकुचित नहीं
बहुत विस्तृत हो चुकी है
हिंदी विदेशों में लुभाने लगी है
हमारी हिंदी।

उच्चतम वेतन देकर
विदेशी सीख रहे हैं हिंदी
और तुम पीछे पड़े हो
और पूछते हो
किधर गयी हिंदी।

विदेशो में तो पहुंच गयी हिंदी,
लेकिन देश में भी, बनी रहने दो हिंदी,
गर्व करो हिंदी पर, कद्र करो हिंदी की
माँ का दर्जा मिला है हिंदी को
माँ की ही तरह कठोर और नरम है हिंदी।
क्योंकि ज्वाला है हिंदी।

जब तक शांत है, तो शांत
यदि रोष पनप गया तो
हिंदी में सिखा भी देगी, माँ हिंदी
किसी भी भाषा के सारे पाठ।
क्योंकि ज्वाला है हिंदी।

तहलका मचा देगी हिंदी
विश्व में डंका बजा देगी हिंदी
क्योंकि ज्वाला है हिंदी।

हिमांशु
हिंदी विशेष, तृतीय वर्ष

शायरी

इस नासमझ को समझने की तकल्लुफ़ तो कीजिए,
मन साफ और ख्वाहिशें हज़ार रखते हैं।
अच्छे के साथ अच्छा, और बुरे के साथ बुरा बर्ताव रखते हैं,
दोस्त हो या दुश्मन दिल की बात जुबां पर करते हैं,
शायद इसीलिए लोग, बेअदब और नाचीज़ समझते हैं।

दिल-ई-ख्वाहिश ना पूछिए इस नासमझ की,
सुना है जनाब कपड़ों के साथ ख्वाहिशें भी हर रोज़ बदलते हैं।

प्रभाकर मल
बीजेएमसी, प्रथम वर्ष

देश में चली सुभाष के राष्ट्रवाद की लहर

वर्तमान में हमारा देश भारत अपनी स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूर्ण होने पर "आजादी का अमृत महोत्सव" मना रहा है। जिसका श्रेय उन लाखों स्वतंत्रता सेनानियों को जाता है जिनकी वजह से हमको यह स्वतंत्रता मिली। हर भारतीय की तरह मैं भी सोचता हूँ कि आखिर क्या कारण था कि अंग्रेजों को भारत छोड़ना पड़ा? निश्चित ही मेरी तरह आप लोगों की मन में हमारे राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और कांग्रेस का नाम आता होगा। लेकिन क्या यह दोनों नाम पर्याप्त हैं?

आप लोगों के मन में भी यह अवश्य प्रश्न आता होगा, क्या अंग्रेज इतने कमजोर थे कि कांग्रेस के द्वारा चलाए जा रहे आंदोलनों को दबा ना सके? ये वही अंग्रेज थे जिन्होंने 1857 में हुए स्वतंत्रता संग्राम को दबा दिया, असहयोग आंदोलन से लेकर भारत छोड़ो आंदोलन ना जाने इनके बीच कितने आंदोलनों को अंग्रेजों ने दबा दिया फिर भी क्या कारण था कि अंग्रेजों को भारत छोड़ना पड़ा?

"आजादी मांगी नहीं छीनी जाती है" ये शब्द नेताजी सुभाष चंद्र बोस के हैं, जिन्होंने आजादी की लड़ाई में उस ईंधन का काम किया जिससे भारत का स्वतंत्रता रूपी दीप प्रज्वलित हो पाया। अब प्रश्न उठता है इसमें सुभाष चंद्र बोस ने किस तरह ईंधन का काम किया? दरअसल नेताजी की कथित मृत्यु के बाद देश में राष्ट्रवाद की लहर जोरों पर थी। यह उसी लहर का कमाल था जो तीनों सेनाओं में बगावत करवा रहा था। जिसकी शुरुआत फरवरी 1946 में रॉयल इंडियन नेवी के सैनिकों में व्यापक बगावत करने से हुई थी। जिनकी मांगे तो मुख्य रूप से अलग थी, लेकिन लक्ष्य केवल एक था भारत को आजाद करवाना। नेवी की कार्रवाई में कराची से कलकत्ता तक के तटीय इलाकों के 66 नौसैनिक जहाजों में सवार 10,000 सैनिकों ने बगावत कर दी थी।

रॉयल इंडियन एयर फोर्स में भी नेवी की देखादेखी बगावत होना प्रारंभ हो चुकी थी। आरएएफ के सैनिकों की कार्रवाई बागी नौसैनिकों के प्रति

सहानुभूति जताने के लिए थी लेकिन वास्तविकता भारत को स्वतंत्र कराना था। अब बारी थल सेना की थी। थल सेना में बगावत की शुरुआत जबलपुर से प्रारंभ हुई थी। जिसके बाद बगावत का सिलसिला प्रत्येक इकाई में फैल गया था।

अब अंग्रेजों की आंखें खुल गई थी और वे समझ गए थे कि वक्त आ गया है जब स्थितियों को और बिगड़ने से पहले उन्हें चले जाना चाहिए। भारत छोड़ने को लेकर अंग्रेजों की मजबूरियों को बताने वाला सबसे महत्वपूर्ण बयान किसी और ने नहीं बल्कि **लॉर्ड क्लेमेंट एटली** ने दिया था, जो भारत की स्वतंत्रता के समय ग्रेट ब्रिटेन के प्रधानमंत्री थे। वे कलकत्ता के दौरे पर आए थे। उसी दौरान एटली से कलकत्ता हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस पीवी चक्रवर्ती ने पूछा था कि ब्रिटिश भारत क्यों छोड़कर चले गए? उन्होंने अपने कथन से पहले प्रस्तावना के रूप में कहा था कि भारत छोड़ो आंदोलन 1947 से बहुत पहले शांत पड़ चुका था और भारत की स्थिति ऐसी नहीं थी अंग्रेजों को जल्द उसे छोड़ना चाहिए। एटली ने अपने जवाब में कई कारण गिनाए जिनमें से सबसे महत्वपूर्ण **नेताजी सुभाष चंद्र बोस की आईएनए की गतिविधियाँ थी**, जिसने भारत में ब्रिटिश साम्राज्य की नींव हिला दी थी और रॉयल इंडियन नेवी की बगावत जिसने अंग्रेजों को यह करने को विवश कर दिया कि अपनी हुकूमत को बनाए रखने के लिए वे भारतीय सैन्य बलों पर अब और भरोसा नहीं कर सकते।

इस प्रकार भारत को 1947 में आजादी मिली। भारत की आजादी में मैं पूरा योगदान **सुभाष चंद्र बोस और आईएनए** को नहीं दूंगा अपितु महात्मा गांधी एवं कांग्रेस द्वारा चलाए जा रहे आंदोलनों को भी योगदान दूंगा जिसका एक अच्छा खासा प्रभाव था। इसके अलावा हजारों क्रांतिकारियों को भी देना चाहूंगा जो अभी भी हमारे लिए रहस्यमय हैं।

लक्ष्य गुप्ता
बीजेएमसी, प्रथम वर्ष

संवेदना

विहंग उड़े उन्मुक्त गगन में,
मैं वंचित, रश्के हंसता इस नीरस जीवन में।
छाया कैसा यह घोर अंधेरा,
मानव के इस पुलकित जीवन में।

आन पड़ी यह घोर विपत्ति,
हर एक पुकार रहा त्राहिमाम।
जाने कैसे है यह विडंबना,
आज तू है बादशाह और मैं गुलाम।

हाँ एक वह दिन भी आएगा,
सम तेरे रहूँ स्वाधीन।
शायद रजनी है भूल गई,
कि वह भी है भूर के आधीन।

इस कविता में मानवीय संवेदनात्मक चित्रण प्रस्तुत है जिसमें मनुष्य इस वैश्विक महामारी के चलते किन कठिनाइयों से गुजर रहा है... साथ ही साथ मनुष्य ने अपनी तुलना उन पक्षियों से की है जो आज स्वतंत्र होकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं और हम इंसान घरों में बंद चार दिवारी के बीच इस वैश्विक महामारी का सामना कर रहे हैं। संक्षिप्त में इस कविता हेतु मानव के कर्मों से हुए दुष्परिणामों का विवरण छिपा हुआ है जो इस कविता का प्रतिपादित रूप से सार है। जिसमें मनुष्य अपनी आदतों के चलते गलतियों को तू स्वीकार नहीं कर रहा, पर पश्चाताप अग्नि में तपता मनुष्य अपना आक्रोश दिखा कर अपनी गलतियाँ छुपाने के प्रयासों में लगा हुआ है।

यश द्विवेदी
बीकॉम प्रोग्राम, प्रथम वर्ष

भारतीय खेल

आओ तुमको दुनिया की सैर मैं करवाता हूँ,
दक्षिण—पूर्व हिस्से के भारत में लेकर जाता हूँ।

यहाँ खेल अनोखे अजब निराले,
रस्साकशी कुश्ती मलखान।
कैसे खेल यहाँ खेले जाते हैं,
यह दाव पटक यह पेच पकड़।

यह खेल मुझे बड़ा भाता है,
कुश्ती से मानो मेरा सतयुग से ही नाता है।
हनुमान सा बल योद्धा ना धरती पर दूजा आता है,
कुश्ती के आरंभ से पहले हनुमान को पूजा जाता है।

मिट्टी में लथपथ होकर मिट्टी को हमने जीता है,
हर संभव सी हार से, असंभव जीत को खींचा है।
नर नारी का भेद हटे तो बेटियाँ सब कर दिखलाती हैं,
गीता फोगाट भी कुश्ती में सोना ले कर आती है।

कूंग—फूँ कराटे नाम गजब—गजब तुम दुनिया में फैलाते हो,
ओ चीनी बाबा सुनो जरा ये सब तुम कालरी से ले जाते हो।
अष्टादश बुद्ध हस्त कलाओं में हमने तुमको निपुण किया,
शांति श्वेत कपोत के बदले तुमने युद्ध का विगुण दिया।

चाहे नाम बदल बदल कर दुनिया कुछ भी यह चिल्लाती है,
स्वदेशी खेलों की महत्ता सबसे ऊपर आती है।

शिवा शर्मा
बी.ए. हिंदी विशेष, तृतीय वर्ष

Indegenious sports awareness program First
prize winning poetry NCC 7 Delhi Battalion

छत्रपति शिवाजी

था शूरवीर दखन्न का भगवा लहराने आया था,
मुगलों का करने पतन वह सेना बड़ी ले आया था।

डाडो जी का नन्हा योद्धा सब खेल—खेलना सीख गया,
नन्हें—नन्हें हाथों से तलवार चलाना सीख गया।
मां जीजा के सिखाए पाठ वो कभी नहीं भूलता था,
रामायण—महाभारत जैसे ग्रंथों को सर माथे चूमता था।

पंद्रह वर्ष की आयु में अपने विवेक का प्रमाण दिया,
तोरण, चकना, गोंडना किलों को भगवे से सम्मान दिया।
जब आदिल शाह को भनक पड़ी जब युवा जग के आया है,
मुगलों का करने पतन वो सेना बड़ी ले आया है।

जब बीजापुर अफज़ल खान को भेजा गया,
क्रूरता और ताकत का दाव बड़ा एक खेला गया।
आखिर मुगल सांप ने अपना रंग दिखाया था,
जब ताकत का द्वार ना खुला तो छल दहलीज़ पे आया था।

आर्यावर्त की पुण्य धरा पर आखिर वह दिवस आया,
सूर्य—सा है तेज उसने, चन्दन—सी शीतल छाया है।
सागर—सा है हृदय विशाल, अंबर तक उसकी काया है,
पुत्र लाडला पुण्य धारा का छत्रपति शिवाजी राजे कहलाया था।

शिवा शर्मा
बी.ए., हिंदी विशेष, तृतीय वर्ष

मातृभाषा

कुछ अनपढ़ लोगों के वजह से ही हमारी मातृभाषा बोली जा रही है वरना पढ़े—लिखे लोग तो इंग्लिश बोल कर ही गर्व महसूस करते हैं, और हिंदी बोलना तो जैसे उनके लिए शर्म की बात है, ये कैसा हिंदुस्तान है, जहाँ हिंदी कही खोती जा रही है, और इंग्लिश फैलती ही जा रही है, अब तो हर कोई इंग्लिश बोलकर इतराता है और हिंदी बोलने वालों को बेकार समझा जाता है, ये कैसा देश है हमारा, बोलते हैं हम हिंदुस्तानी हैं, और अपनी मातृभाषा बोलने से कतराते हैं। हमारे देश में इंग्लिश को महत्व दे रहे हैं लोग, हिंदी तो जैसे मरती जा रही है।

हिंदी मेरी मातृभाषा

मेरी मातृभाषा मात्र भाषा नहीं,
संवेदनाओं का आधार है।
जीवन के बदलते रंगों में,
भावनाओं का विस्तार है, हिंदी।
कृतज्ञता का आभार है,
रचनाओं का उपहार है।
शब्दों का भण्डार है,
हिंदी ही जीवन का आधार है।।

मेरी मातृभाषा मात्र भाषा नहीं,
एकता की अनुपम परम्परा है।
जिसके बिना हिंद थम जाए,
ऐसी जीवन रेखा है हिंदी।
हिंदुस्तान की आवाज़ हिंदी,
जीवन की परिभाषा हिंदी,
हिंदी ही जीवन का आधार है।।

मेरी मातृभाषा मात्र भाषा नहीं,
भारत की आशा है,
हर दिल की धड़कन है।
देश को जोड़ रखा, ऐसी शाखा है,
हिंदी में है चेतना, हिंदी में है प्राण।
हिंदी में है देश का स्वाभिमान, सम्मान,
हिंदी ही जीवन का आधार है।।

परविंदर
बी.ए. प्रोग्राम (इतिहास+राजनीति
विज्ञान)

अंजलि, बी.ए. हिंदी, तृतीय वर्ष

बचपन बस बातें बन कर रह गया है

भूलकर भी भुला न पाएंगे बचपन को
चाहकर भी वापस न पा पाएंगे बचपन को
हम... ।

बचपन को याद किया करते हैं,
बचपन की बातें किया करते हैं ।

उन शरारतों को दोहराने की कोशिश करते हैं,
मम्मी—पापा से अब भी उतना ही डरते हैं ।
दादी—नानी की कहानियों को भला कौन भुला सकता है,
और उनके साथ बिताए पल को भला कौन मिटा सकता है ।
लेकिन... ।

अब सब यादें बनकर रह गये हैं
और बचपन बस बातें बनकर रह गयी है
हमें... ।

अच्छा लगता है याद करके वो पल,
जब हम तोड़ा करते थे दूसरों के पेड़ों से फल ।
खेला करते थे दिनभर खेल,
कभी चोर—सिपाही कभी छुपन—छुपाई तो कभी गाड़ी—रेल ।
मिट्टी से तो हमारा अलग ही नाता रहता था,
कुछ—न—कुछ बनाकर उसे तोड़ते रहते थे ।
क्या मजेदार लगती थी वो मौसम बरसात के,
क्या यादगार कशितया थी वो कागज के ।
हर वक़्त वो नहाना बरसात में,
वो स्कूल न जाने का बहाना बरसात में ।
लेकिन... ।

अब सब यादें बनकर रह गई हैं,
और बचपन बस बातें बनकर रह गयी है ।

आशुतोष सिंह
बीएससी (ऑनर्स)

हिंदी मेरी मातृभाषा

विश्व में सबको प्यारी हिंदी,
“ह” से हृदय की वाणी हिंदी ।
“द” से दिल की जुबान है हिंदी,
भारत का अभिमान है हिंदी ॥

सब जन का सम्मान है हिंदी,
प्रेम का अद्भुत आयाम है हिंदी ।
हम भारतीयों की पहचान है हिंदी ॥

भावनाओं के सागर में,
जब भी हिलोरे लेते हैं ।
हिंदी संग तब भी भारतीय,
सपने संजो लेते हैं ॥

जीवन का सुख—दुख उसमें पिरो देते हैं,
“हिंदी” वह भाषा है जिसमें हम भाव संजो लेते हैं ।
कब यह भाषा हमारी “रूह” में समा जाती है,
सच कहूं तो मां के “गर्भ” से ही आ जाती है ॥

“हिंदी” का साथ हमारे चेहरे पर नूर लाता है,
हिंदी बोलना हमें विश्व में “गौरव” दिलाता है ॥

कशिश हंस
बी.ए. आनर्स इतिहास, द्वितीय वर्ष

नौकरी

बड़ी हसीन होगी तू! ऐ नौकरी
सारे युवा आज तुझ पर ही मरते हैं।

सुख—चैन खोकर, चटाई पर सोकर,
सारी रात जागकर, पन्ने पलटते हैं,
दिन में समोसे, रात को खिचड़ी,
आधा पेट भरकर, तेरा नाम जपते हैं,
सारे युवा आज, तुझपे ही मरते हैं।

अन्जान शहर में छोटा—सा कमरा लेकर,
किचन बेडरूप सब उसी में सजाते हैं,
चाहत में तेरी अपने माँ—बाप से दूर रहते हैं,
सारे युवा आज तुझपे ही मरते हैं।

राशन की गठरी सिर पर उठाए,
अपनी मायूसी और मजबूरियाँ छिपाए,
खचाखच भरी बसों में दिन—रात सफर करते हैं,
सारे युवा आज तुझ पर ही मरते हैं।

न जाने कहाँ—कहाँ तुझे तलाशते,
तेरे लिए हर अखबार पढ़ते हैं,
बत्तीस साल के जवाँ भी कुँवारे फिरते हैं
सारे युवा आज तुझ पर ही मरते हैं।

तू कितनी हसीन होगी नौकरी!
सारे युवा आज तुझ पर ही मरते हैं।

ध्रुव कटियार
बी.ए. हिंदी ऑनर्स, प्रथम वर्ष

बेखौफ जवान

जब—जब भारत की मिट्टी पर दुश्मन की टेढ़ी नज़र पड़ी,
तब ओढ़ बदन वर्दी खाकी बेखौफ जवानी निकल पड़ी।

हमने दिए हमीद अब्दुल से शेर सिपाही मतवाले,
जिनके आगे बौने दिखते पैटर्न टैंक पाक वाले,
इसी जमीं पर भगत सिंह से वीरों ने अवतार लिए,
हँस कर चूम लिए फंदे हम पर कितने एहसान किए,
चली बारातें सरहद पर दहलीज़ पे दुल्हन सजी खड़ी,
तब ओढ़ बदन वर्दी खाकी बेखौफ जवानी निकल पड़ी।

ऐसी आजादी जिससे ब्रिटिश हुकूमत तक घरबाती थी,
एक आखिरी गोली भी जब स्वाभिमान दिखाती थी,
कैप्टन महेंद्र नाथ मुल्ला जब जल समाधि ले जाते हैं,
तब कश्मीरी घाटी पर हम तीन रंग फहराते हैं,
राह देखते बेटों की माँ की आंखें जब शिथिल पड़ी,
तब ओढ़ बदन वर्दी खाकी बेखौफ जवानी निकल पड़ी।

हमने लहू से दुश्मन के रण में शाही स्नान किए,
थी बात आखिरी याद यही कि अपना हिन्दुस्तान जिए,
क्या कहूँ, कथा मैं, शब्दों में भारत माँ के उन लालों की,
जो पर्वत से टकरा सकते थे इन हाथों में जान लिए,
टाइगर हिल, टोलोलिंग जैसी झुक गई चोटियां बड़ी बड़ी,
तब ओढ़ बदन वर्दी खाकी बेखौफ जवानी निकल पड़ी।

अभिषेक पचौरी
बी.एस.सी. आनर्स, गणित, तृतीय वर्ष

जब जीवन जंग सा लगे

आज रविवार का दिन है, पर मेरा रविवार से कोई लेना देना नहीं, मेरे लिए रविवार भी बाकी दिनों के समान है। सुबह से दोपहर हो गयी थी, पर मेरे पास बैठने के लिए दो पल नहीं थे। घर के बाकी सदस्य आराम फरमा रहे थे। ठीक उसी तरह जैसे रेलगाड़ी के कोच में यात्री फरमाते हैं। मैं भी उसी ट्रेन में थी परंतु कभी सफाई कर्मी बनकर तो कभी चाय बेचने वाले भैया के रूप में।

इतने में दूसर कमरे से एक आवाज आई, आवाज़ मेरी बेटी तपस्या ने लगाई थी। वैसे माँ-बेटी का रिश्ता कितना खूबसूरत होता है ना? माँ-बेटी से याद आया कुछ साल पहले मैं भी बेटी थी। वो समय आज से बिल्कुल उलट था। ना कोई बोझ था, ना ही कोई ज़िम्मेदारी। उस समय में अपनी ही मस्ती में झूमती थी। बिना कारण के भी चेहरे पर मुस्कुराहट रहती थी। जो भी था उस समय जीवन जंग नहीं था, जैसे आज है। शायद यही कारण है कि हमारे परिवारों में बेटियों के चेहरे पर जो चमक होती है, वो बहुओं के चेहरे से गायब दिखती है।

दोपहर के भोजन के बाद मुझे भारी महसूस होने लग गया था। दिमाग में प्रश्न घूम रहे थे, लड़की से बहु बनते ही माहौल बदल क्यों जाता है? क्यों मुस्कुराती हुई लड़की सूखी पत्ती के समान मुरझा जाती है? उसका उल्लास और जीवन कहाँ चला जाता है? वो खुद जीवन जीना छोड़ती है या उसे ज़िम्मेदारी नाम के पिंजरे में कैद किया जाता है? ये प्रश्न मेरे से सामने पहली बार नहीं थे। पर इस बार मुझे वो महसूस हो रहा था, जो पहले ही हो जाना चाहिए था। किवाड़ पर खड़ी मैं ख्यालों में डूबी हुई थी। कोशिश कर रही थी कि इस विषय से ध्यान हटाकर कुछ और

सोचूं, इतने में सामने से मधु आ गयी, "किवाड़ में खड़े-खड़े क्या सोच रही है"? मधु का प्रश्न सुनते ही मैंने सोचा क्यों ना अपने प्रश्नों का हल इसी से जान लूं। आखिरकार मैंने पूँछ ही लिया, मधु, क्या विवाहित औरतों का खुद का जीवन होता है? उसने तुरंत जवाब दिया, हम तो त्याग के लिए बनी हैं। ममता की मूर्त, हमारी मासूमियत तो देखो पूरा जीवन ही समर्पित कर देती हैं। मधु का उत्तर सुनते ही मेरे सारे प्रश्न धूमिल से होने लगे, जैसे इंद्रधनुष की तरफ किसी ने इशारा कर दिया हो। आगे क्या होगा ये तो नहीं मालूम पर फिलहाल मेरा चेहरा महीनों बाद नहीं-नहीं सालों बाद मुस्कान से महक उठा।

गीतू कत्याल
बी.जे.एम.सी, तृतीय वर्ष

मातृभाषा

बिन कहे भी ये शब्द बहुत कुछ कह जाते हैं,
वर्णों के मिलन से जन्म होता है इनका,
और वाक्य के जनक भी यही कहलाते हैं।

एक शब्द की शक्ति का अंदाज़ा, आप क्या लगाओगे जनाब,
इसका साम्राज्य कहाँ तक है, और इसकी सीमा कहाँ तक है।

शब्दों का ही बोलबाला है जनाब,
कभी आप को भाते हैं, तो उसी पल
किसी और को मन-ही-मन जलाते हैं।

शब्दावली के शब्दों की संख्या असंख्य है,
इनके अर्थों की नदी अलांघ्य है।
इनको समझ पाना इतना भी सरल नहीं,
और इनके चक्रव्यूह से निकल पाना सरल नहीं।

जिसको समझ आ गया तो बेहतर है।
नहीं आया तो, कौन सी कोई शिकायत है।

मनस्वी बांगड
बी.ए. आनर्स, राजनीतिशास्त्र प्रथम वर्ष

सपना

लड़की— तेज दौड़ो.. जल्दी—जल्दी भागो (हाँफते हुए) कहता है।

एक लड़की, दो छोटे बच्चे और मैं अपनी कॉलोनी से हाईवे की तरफ भाग रहे थे। हम थोड़ा—सा रुककर पीछे देखते हैं, एक आदमी धीरे—धीरे हमारी तरफ बढ़ रहा था। बाल बड़े और बिखरे हुए थे। रात का समय था और कुछ ही घरों के बाहर उजाला था। हम बस सांस लिए ही थे कि लड़की डरी हुई बोलती है, चलो भागो, रुकना नहीं जब तक मैं न बोलूँ।” वो देखने में 3 साल बड़ी लग रही थी मुझसे, साँवला रंग, मोटी आवाज़ लम्बाई मेरे जितनी थी। हम एक घर में छुप जाते हैं वो आदमी हमारे घर के बाहर आता है। कुछ देर रुककर चला जाता है। हम लोग एक लम्बी सांस लिए एक रूम में बिस्तर पर बैठ गये। हम सब अगली सुबह कुछ खाने को खोज रहे थे उस घर में, घर में कोई नहीं था। मैंने उस लड़की से पूछा, “हम भाग क्यों रहे हैं? वो आदमी कौन था? हमें खोज क्यों रहा था और आज तक तो कोई इस तरह से घर खुला छोड़कर नहीं गया कहीं यह घर खाली क्यों है? मेरे इतने सारे सवाल करने पर उस लड़की ने जोर से थप्पड़ मारा और गुस्से में चिल्लाकर बोली, “भूलने की बीमारी है क्या? पिछले एक हफ्ते से बच्चे गायब हो रहे हैं, लोग ये जगह छोड़कर भाग रहे हैं, इन दोनों के मम्मी—पापा मारे गये इन्हें बचाने में तुम मुझे बचाए और हम तीन दिन से घर—घर छुप रहे हैं और तुम पूछ रहे कि हम ये सब क्यों कर रहे हैं?”

शाम तक सब सही चल रहा था लड़की बोली, “बस बहुत हुआ हँसी—मज़ाक अब लाइट ऑफ करो और चुप चाप से बैठो, क्योंकि आज फिर जाएगा वो।”

“ये लो, इनसे हम खुद को बचा लेंगे” मैं सबको दो—चार चाकू लाकर देता हूँ। हम, दोनों बच्चों को एक

अलमारी में छुपा देते हैं। हम सारे खिड़की और दरवाज़े बंद कर देते हैं।

रात होती है और चारों तरफ सन्नाटा सिर्फ कुत्तों के भौकने की आवाज़ सुनाई देती है। सुनकर ऐसा लगता है मानो किसी की मौत पर रो रहे हो। कुछ देर बाद अचानक से कुत्ते भौकना बंद कर देते हैं। मैं खिड़की से झाँक कर देखता हूँ तो 20—25 कदम की दूरी पर वो बड़े बालों वाला आदमी इधर ही देख रहा था। उसका चेहरा देखने से लगा कि आग से जल गया है, काफी भयावह शकल थी उसकी। मैं चुप चाप कहीं छिपने जा ही रहा था कि वह दरवाज़े को ज़ोर—ज़ोर से पीटने लगा। हम डर कर चाकू को मजबूती से पकड़ कर घबराए हुए बैठे थे। वह लड़की ऊपर बच्चों के पास चली जाती है और मैं बेड के नीचे छुप जाता हूँ। फिर एक झटके से उसने दरवाज़ा को तोड़ा और सीधे ऊपर बच्चों की तरफ चल पड़ता है। मैं डरा सहमा हुआ, एक हाथ में चाकू और दूसरे से पसीना पोछते हुए लंबी साँस लेता हूँ कि ऊपर से कोई सामान गिरने की आवाज़ से मैं और डर जाता हूँ। वो आदमी दोनों बच्चों को घसीटते हुए सामने से जाता है पर मैं कुछ नहीं कर पाता हूँ। वो घर के बाहर निकल जाता है। मुझे थोड़ा सुरक्षित महसूस होता है कि तभी बगल में रखी मोबाइल का रिंगटोन बज उठता है। मैं घबराते हुए जल्दी से बंद करता हूँ और दरवाज़े की तरफ देखने लगता हूँ पर उसके आने की आवाज़ नहीं सुनाई देती है। मैं एक दम निश्चित होकर गर्दन दूसरे तरफ घुमाता हूँ कि उसका डरावना चेहरा एकदम से सामने आ जाता है। मैं चिल्लाकर ऊपर उठता हूँ पर बेड से सिर में चोट लग जाती है और मेरी नींद खुल जाती है।

आशुतोष सिंह
बीएससी (आनर्स)

बह रहा नयन-नीर,
भला यह कैसा अंतस पीर,
हृदय कचोटने को आतुर,
मेरे जीवन का प्रणय-हीर ।

वेदना गरजती नयनों से,
कहर ढाता अम्बर से,
तृष्णा-तृष्णा रह जाए,
कोई व्यथा ना पूछने आए ।

कंठ में विष का बस जाना,
मस्तक चढ़ पीड़ा का हँसना,
अभिलाषाओं का यूँ मरना,
हँसते पीड़ा को बस सहना ।

स्वप्नों को छूटते देखा,
बादल को फूटते देखा,
आह आकाश चढ़ गया,
जीवन का आस छँट गया ।

ना आए पथ को सुझाने,
मेरी असीम वेदना जाने,
पलकों को मींचते जाना,
किसी ने ना जाना पहचाना ।

स्वर-मुझसे जो छूट गया,
प्रणय-भाग्य क्यों रुठ गया,
ना सुना पाया अंतस उद्गार,
अस्त हुआ जीवन का व्यापार ।

रह-रहकर स्वर का आना,
अधरों को यूँ ही सताना,
स्मृति को भ्रमित कर जाए,
हृदय करुण गीत सुनाए ।

किंतु परंतु कछु और नहीं,
पीड़ा का कोई ठौर नहीं,
बिना कहे आ जाए,
मन ज्यों-त्यों मरोड़ा जाए ।

राह कठिन है चलना,
स्मृति का पलना- बढ़ना,
छाया भी कौतुक दिखलाए,
कैसे मानव पर मुस्काए ।

हेतु संदर्भ का यूँ चलना,
भीतर अगन का जलना,
श्रृंगार से लिपटा कोई अंगार,
झुलसता अस्थियों का व्यवहार ।

उठ रहा स्मृतियों का हुँकार,
मदपुरित रातों में मचा हाहाकार,
यौवन-उन्माद व्यर्थ बीत रहा,
अहेतु-अनाचार कैसे मचल रहा ।

कण-कण रक्त यों सिहर गया,
दिन गया रात में चीत्कार उठा,
अविलंब अवलंब मिल ना सका,
कंठ तक अमृत ला न सका ।

दीप आनंद
हिंदी विशेष, तृतीय वर्ष

‘ह’ से हम और हमारी हिंदी,
‘ह’ से हम बनता है,
और ‘ह’ से हमारी हिंदी,
हिंदुस्तान के माथे पर,
सजी हो जैसे बिंदी ।

हिंदी एक धागा है,
भावों का सैलाब है,
शब्दों का समंदर है,
एक खूबसूरत-सा-भाव है ।

क्या एक दिन है हिंदी?
या दिनों से बना साल है,
दिलों में बसती,
शहरों में चलती,
एक मतवाली चाल है ।

है यह हमारी राजभाषा,
सारी भाषा पर यह राज करे,
केवल हमसे हिंदी ना होकर,
हम हिंदी में पले-बढ़ें ।

हिंदी की धूम मचे,
दूर-दूर के बाजारों तक,
हिंदी पर सब गर्व करें,
सुने सबकी जुबानों पर ।

‘ह’ से हम बनता है,
और ‘ह’ से हमारी हिंदी,
हिंदुस्तान के माथे पर,
सजी हो जैसे बिंदी ।

गीतू कत्याल,
बीजेएमसी, तृतीय वर्ष

आल इज वेल

सुनो! सभी एक मिली भगत का ऐसा काला खेल,
झूठ की नई परिभाषा बनाए ऐसा न्यारा मेल।
नहीं चली चाणक्य नीति, अर्थव्यवस्था हुई फेल,
बड़े-बड़े PSUs को करने चले ये सेल।
अभिव्यक्ति की आजादी मांगो तो कर देते ये जेल,
मुकदमों से डराते हैं और नहीं मिलने देते बेल।
नदियां जिनके पाप धो कर हुई जा रही कसैल,
न्यायालय जिनके करतूतों को नहीं पा रहा झेल।
आसमान छूती मंगाई और 200 में मिलता तेल,
कैसे मिले रोजगार और कैसे बनाए पकौड़े – भेल।
5 Trillion dollar की थमती जा रही रेल,
पॉजिटिविटी का ज्ञान बाँटते और कहते
आल इज वेल,
आल इज वेल,
आल इज वेल।

शुभम

बी.ए. आनर्स, राजनीति शास्त्र, तृतीय वर्ष

आखिरी गलती

हवा बह रही, विष से भरकर,
प्रकृति भी रोने को आई।
मनुष्य लाचार जीवन जी रहा,
दोस्तों, आज मानव मंगल की ओर और,
मानवता जंगल की ओर, कैसी है यह तन्हाई?
जिन पेड़ों को पूजा जाता था आदिकाल में,
आज उन्हें ही तहस-नहस कर रहा है मानव।
“विनाश काले विपरीत बुद्धि”
कि वह सूक्ति याद आती है।
मानव के इन विनाशकाय कदमों को देखकर
आज उक्ति वह याद आती है।
हे! मानव तेरा अस्तित्व खत्म हो जायेगा,
अगर आज ना रुका तो जी नहीं पायेगा।
याद रख, ये तेरी आखिरी गलती भी हो सकती है,
और शायद अगले पल ही तेरी मौत
तुझे बुलावा दे सकती है।

मनस्वी बांगड

बी.ए. आनर्स, राजनीतिशास्त्र, प्रथम वर्ष

KNOWLEDGE : OCEAN OF WISDOM

Knowledge! Knowledge! Knowledge!
What to say its take you to fly,
Knowledge is not itself enough,
Knowledge blows you to sky,
Comprehend the things which are tough ,
Hurdles come in a way but knowledge take you to edge,
Knowledge enrich our skills to extol the beautiness of life,
Altogether it honors our strife,
Knowledge deeper than depth of ocean,
Knowledge leads cads to revolution!
Leisure the heart ,
Till old age finds us worthful,
Use it as an art,
Knowledge makes the life colourful!!

Ayushi Singh
BA Program 2nd year

LOVE

Love...
Can we just call it a fantasy,
Or it is the divine power of nature.
Well I think,
Love is a magical game of emotions
That can exist without any relationship.
It is about finding yourself by dedicating
your soul to someone.
A person in love
become selfless like a mother,
True like a child,
Divine like a river,
Forgiven like nature.
That's all I can say at the end,
Love is the foundation of the earth.

Kinshuk Chauhan
BSC (H) Computer Science, 1st Year

SUCCESS

If you think you are beaten, you are,
If you think you are not, you aren't.
If you like to win, but you think you can't,
It is almost certain you won't.
If you think you will lose, you have lost.
For out of the world we find,
Success begins with a fellow's will,
It's all in the state of mind.
If you think you are outclassed, you are,
You have got to think high to rise,
You've got to be sure of yourself before,
You can even win a prize?
Life's battles don't always go to the strongest
or fastest man,
But sooner or later the man who wins,
Is the man who thinks he can!

Nikita Pathania
Bsc(H) Computer Science, 1st Year

वसीहत और नसीहत

एक दौलतमंद व्यक्ति ने अपने बेटे को वसीयत देते हुए कहा— “बेटा मेरे मरने के बाद मेरे पैरों में यह फटा हुआ जुराब पहना देना, मेरी इच्छा जरूर पूरी करना।” कुछ दिन बाद उनके पिता का निधन हो जाता है। पिता को जब नहलाया जा रहा होता है तो उनके बेटे को याद आता है कि उनके पिता जी की अंतिम इच्छा पूरी करनी है। बेटे ने पंडित जी से पिता की आखिरी इच्छा बताई। पंडित जी ने कहा— “हमारे धर्म में कुछ भी पहनाने की अनुमति नहीं है।” पर, बेटे की जिद थी कि पिता जी की आखिरी इच्छा पूरी हो। बहस इतनी बढ़ गई कि शहर के पंडितों को जमा किया गया, लेकिन कोई हल न निकल सका, इसी माहौल में एक व्यक्ति आया और आकर बेटे के हाथ में पिता का लिखा हुआ खत दिया जिसमें पिता की नसीहत लिखी थी। मेरे प्यारे बेटे देख रहे हो? दौलत बंगला, गाड़ी और बड़ी बड़ी फैक्ट्री और फार्महाउस के बाद भी मैं एक फटा हुआ जुराब तक नहीं ले जा सकता। एक रोज़ तुम्हें भी मृत्यु आएगी, आगाह हो जाओ तुम्हें भी एक सफेद कपड़े में ही जाना पड़ेगा। लिहाजा, कोशिश करना पैसों के लिए किसी को दुःख मत देना, गलत तरीके से पैसा ना कमाना धन को अच्छे कार्य में लगाना, गरीबों की मदद करना। सब को यह जानने का हक है कि शरीर छूटने के बाद सिर्फ कर्म ही साथ जाएंगे। लेकिन फिर भी इंसान तब तक धन के पीछे भागता रहता है जब तक उसका निधन नहीं हो जाता।

अंजलि
बीए हिंदी विशेष, तृतीय वर्ष

सुनो जनवरी

जनवरी तुम आना तो, जिंदगी की नयी साज़ लेकर आना,
दिसंबर ने तो किसी तरह संभाल लिया मुझे,
पर तुम आना तो नयी आवाज़ लेकर आना,
बहुत कुछ सीखा है मैंने तुमसे और दिसम्बर से।

कितने पास होकर भी कितने दूर हो मिलने को मजबूर हो,
जो दिसंबर छोड़कर जाता है उसे, तुम अपनाते हो,
अपने किए गए वायदे दिसंबर पर छोड़, जाते हो,
तुम दोनों बिल्कुल एक जैसे ही हो, वही रूप वही रंग वही मौसम वही ढंग।

फिर भी देखो न एक शुरुआत है तो दूसरा अन्त,
एक मायूस करता है, तो दूसरा खुशियाँ देता है अनंत
जनवरी आना—होली, ईद, दशहरा से परे एक ऐसा त्यौहार लेकर आना,
जिसमें सूरज जैसी चमक हो जिसमें बस काले चाँद की रात ना हो।

यकीन मानों बड़ी ताकत तुम में और दिसंबर में,
तुम दोनों ने ही तो मिलकर सारे महीनों को बांधकर रखा है,
अपनी जुदाई को दुनिया के लिए जश्न मना रखा है,
जनवरी तुम आना तो उन पुरानी यादों को पीछे छोड़ कर आना।

दिसंबर लड़ा है उनसे, तुम आना तो जिंदगी में नई बहार लेकर आना,
कुछ वादे टूटे थे मेरे दिल भी बिलकुल जख्मी,
तुम आना तो एक नयी मरहम साथ लाना,
पता है जनवरी तुम दोनों प्यार की छोर हो।

जैसे एक में याद है तो दूसरे में आस,
एक में तजुर्बा है तो दूसरे में विश्वास
जनवरी तुम आना तो अपने साथ एक हमसफर साथ लाना,
जो मुझे प्यार करे ऐसे जैसे दिसंबर तुमसे करता हो वैसे।

योगेश झा
बी.ए. हिन्दी विशेष, प्रथम वर्ष

माँ

माँ, मेरे सजदे में रहती है तू,
पर कभी इज़हार न कर पाती हूँ,
जब भी मुझ पर सवाल उठते हैं,
मैं तेरी आँखों के आइने में झाँकती हूँ।

दया और भाव से भरी हुई तू,
कभी माथे की चुम्बन बन जाती है,
कभी रोटी के दो निवाले बन,
प्यार और ममता झलकाती है।

कैसे मेरा चहरा पढ़ लेती है तू?
कैसे बिन कहे सब समझ जाती है?
पहले तो मेरा गुण—गान करती ना थकती,
और फिर खुद ही नज़र उतारती है।

अपने आंचल में ढाल कर मुझे,
जन्म नसीब कराती हैं,
होंसलों की उड़ान भरने के लिए,
मेरे पंख तू ही तो संवारती है।

तेरा हिस्सा हूँ मैं माँ,
खुद से जुदा न करना मुझे,
सब करते होंगे इबादत उस खुदा से,
मैंने तो मान लिया अपना खुदा ही तुझे।

सेजल बजाज
बी.एस.सी. ऑनर्स,
सांख्यिकी, तृतीय वर्ष

मातृभाषा

चलिए, आज आपको कुछ नया बताया जाए,
आज आपको अपनी मातृभाषा के बारे में बताया जाए।

आज आपको उसका महत्व समझाया जाए,
दिल में बसती है, जुबों से बोली जाती है।

भारत में ज्यादा हिंदी बोली जाती है,
जानते सभी विभिन्न भाषा हैं पर बोलते हमेशा हिंदी भाषा हैं।

हिंदी को राज भाषा 14 सितंबर को बनाया गया,
भाग 17 में इसका प्रावधान बताया गया।

जिस धागे ने जोड़ कर रखा सभी को, वह हिंदी भाषा है,
हिंदी की उन्नति हो यही हमारी अभिलाषा है।

जो है हमारे लेखकों का अभिमान हिंदी है उसका नाम,
क से ज्ञ तक अ से अं तक हर वर्ण इसका भाग है,
जो ना समझे इसके महत्व को वो व्यक्ति अभागा है।

बनकर हमारी पहचान बनती हमारा गर्व है,
बोलकर हम हिंदी मानते हर पर्व हैं।

‘जय हिंद’ के नारे ने बनाई अपनी पहचान है,
हर भारतवासी की हिंदी ही पहचान है।

शब्द बहुत कम महत्व बहुत ज्यादा है,
जो है हमारा गर्व वो हिंदी भाषा है।

कंचन

हिंदी जनसंचार एवं पत्रकारिता, प्रथम वर्ष

भारत माँ के वीर सपूत

हे भारत माँ के वीर सपूतों, तुम्हें जगाने आया हूँ,
देशभक्ति का इस दिल में, मैं दीप जलाने आया हूँ,
कहना है बस इतना तुमसे, कि माँ ने हमें बुलाया है,
उस माँ का कर्ज चुकाने का, अब यारों मौका आया है,
बस इतनी सी फरियाद मैं, भारत माता की ले आया हूँ,
हे भारत के वीर सपूतो, तुम्हें जगाने आया हूँ।

अपना सीना चीर के धरती माँ ने हमको पाला है,
खुद ने हल का वजन सहा और मुँह को दिया निवाला है,
उस चिरे हुए सीने की मैं, अब लाज बचाने आया हूँ,
हे भारत माँ के वीर सपूतों, तुम्हें जगाने आया हूँ।

याद करो उन वीरों को, जो लौट के घर ना आये,
हँसते-हँसते भारत माँ पर अपने प्राण लुटाए,
उन वीरों के बलिदानों की मैं, ये गाथा ले आया हूँ,
हे भारत माँ के वीर सपूतों, तुम्हें जगाने आया हूँ।

पूँछ रही है बूढ़ी माँ, बेटा कब लौट के आओगे,
उस माँ का कर्ज दिया तुमने, कब मेरा कर्ज चुकाओगे,
उस माता की ममता की मैं, एक झलक दिखाने आया हूँ,
हे भारत माँ के वीर सपूतों, तुम्हें जगाने आया हूँ,
देश भक्ति का इस दिल में, मैं दीप जलाने आया हूँ।

रोहित चौहान

बी.ए. हिंदी विशेष, द्वितीय वर्ष

हिंदी हमारी मातृभाषा

मातृभाषा एक ऐसा शब्द जिसे सुनते ही,
गर्व से सीना चौड़ा हो जाता है,
मन में खुशियों का काफिला दौड़ जाता है,
मातृभाषा के लिए प्रेम बयां नहीं कर सकता कोई,
मातृभाषा बोलने पर आत्म विश्वास बढ़ जाता है।

विदेशों में किसी के मुख से अपनी,
मातृभाषा सुनने पर मन खुश हो जाता है,
मातृभाषा जो है एक बच्चे की पहली भाषा,
जो कभी कोई भूल नहीं सकता।

मातृभाषा का प्रेम,
देशवासियों के मन में है कुछ ऐसा,
पर प्रश्न है मेरा एक,
क्यूं लोग धीरे-धीरे अपनी,
मातृभाषा भूलते जा रहे हैं?

अपनी मातृभाषा छोड़ अंग्रेज बनते जा रहे हैं,
अंग्रेजी सीखने की होड़ मची है लोगों में कुछ ऐसी,
हर दूसरी गली में अंग्रेजी सीखो केन्द्र खुला है,
हिंदी सुनते ही लोगों का मन अजीब हो चला है,
गुजारिश सिर्फ एक ही है सबसे मेरी,
ना भूलें अपनी मातृभाषा को।

मन में बसाएं अपनी मातृभाषा को,
सुनें अपनी मातृभाषा को,
सीखें अपनी मातृभाषा को,
बोले अपनी मातृभाषा को,
बस छोड़ें ना अपनी मातृभाषा को।

मीनाक्षी पंत
हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार, प्रथम वर्ष

भारतीय सैनिक

हवा से तेज़ हवा में, हवा से ही लड़ा हूँ मैं,
समुद्र तल की गहराइयों में भी, अड़ा हूँ मैं,
हिमालय की चोटी पे सीना ताने, खड़ा हूँ मैं।

ये मेरी जिद है कि ये देश सुरक्षित रहे,
अपनी ही जिद के खातिर जिद पर अड़ा हूँ मैं।

मेरे शौर्य से गुंजित होती है ये वादी,
मेरे कर्म से सुरक्षित रहती है ये आबादी,
प्रण है ये मेरा प्रण नहीं तोड़ना है,
चाहे जीत हो या हार हो, रण नहीं छोड़ना है।

प्रतिदिन निरंतर चलता मेरा ये कर्म है,
कहता है जमाना मैं यहां ऐश में हूँ,
यह केवल जमाने की सोच का भरम है,
अस्मिता और अखंडता बरकरार रहे,
यही मेरी नियति, यही मेरा धर्म है।

है विष बने ये बाण सारे,
इन्हे जिंदगी के तराजू में तोलना है,
चाहे परिस्थिति कुछ भी हो,
मुझे हँस कर ही बोलना है,
क्योंकि प्रण मेरा है, प्रण नहीं तोड़ना है,
चाहे जीत हो या मात हो रण नहीं छोड़ना है।

शिवा शर्मा
बी.ए. हिंदी विशेष, तृतीय वर्ष

मेरे पिता

माँ का वर्णन सब करते हैं,
मैं आज पिता का करता हूँ।
उनका प्रेम मेरे रग-रग में है,
पर कहने से ये मैं डरता हूँ।

ऊँगली पकड़ कर चलना सिखाया,
कंधे पर जिसने दुनिया धुमाया,
सुख-दुख में यूँ साथ चले हैं,
जैसे मानो काया संग हो परछाई।

माँ मेरी घर पर खाना बनाती,
तब पिताजी मुझको नहलाते थे,
मिट्टी खाना बुरी बात है,
हर दिन मुझको बतलाते थे।

साईकिल से वो काम पर जाते,
एक-एक पैसा बचाते थे,
मजबूरी से वह पढ़ न सके,
पर हम सबको शिक्षित बनाया है।

तकलीफ अपनी साझा नहीं करते
यह बस एक आदत बुरी है
बढ़ती उम्र उनको दर्द देती है,
पर प्यार उनसे अभी अधूरी है।

बाल थोड़े उनके झड़ने लगे हैं,
दाढ़ी थोड़ी सफेद है उनकी,
पिता नहीं आदर्श है वो मेरे,
परछाई मैं बनना चाहूँ जिनकी।

जवानी उनकी बीत चुकी है,
अब उनका बुढ़ापा आया है,
माँ-बाप की कद्र उनसे पूछो,
जिसने ये सुख नहीं पाया है।

आँखों में है थकान झलकती,
पर चेहरे पर एक मुस्कान है,
कहते अब मैं दुनिया छोड़ूँगा,
अब तू ही हमारी पहचान है।

बात कहूँ अगर में दिल की,
घुट-घुट कर मैं जीता हूँ,
छुपा सकूँ उन्हें खोने का डर,
तन्हाई में मैं आँसू पीता हूँ।

लिखूँ अगर उनको पन्ने पर,
लिखते हुए आँखें भर आती हैं,
उदास जो उनको देखूँ कभी मैं,
यही बात मुझको हरदम सताती है।

सपने आपने देखे हैं जो,
सच मैं करके दिखाऊँगा,
कामयाब तो मैं बन जाऊँगा,
पर क्या मैं आपसा बन पाऊँगा।

रोक देता हूँ लफजों को अपने,
अभी मैं थोड़ा सा बिखरा हूँ,
स्याही कम पड़ जाए शायद,
जिनको मैं लिखने निकला हूँ।

सूरज कुमार
हिंदी विशेष, द्वितीय वर्ष

युद्ध के मैदान में प्रवेश करने से पहले एक सैनिक के विचार

जा रहा हूँ कल जंग लड़ने,
इस माटी को अपना भी बलिदान देने,
शायद इस राखी, घर ना लौटूँ
आए मेरे जवान दोस्त, मुझे आप तक पहुंचाने!!

मां, तेरा बेटा हूँ मैं,
याद कर, तेरे दिल का टुकड़ा हूँ मैं,
कल शायद शहीद हो जाऊँ,
फिर भी तुझमें जिंदा हूँ मैं!!

पापा, आप चिंता मत करना,
दवाइयाँ समय से लेते रहना,
याद करना मुझे, पर रोना नहीं,
यूँ ही प्यारे-प्यारे गीत लिखते रहना!!

बहना मेरी, मुझे माफ करना,
कुछ वादा किया था, चाहूँगा उसे पूरा करना,
फिर इस बार भी कोई बहाना है,
यह सोच कर ज्यादा गुस्सा ना करना !!

बिटिया मेरी, तू हँसती रहना,
अपने लबों पे मुस्कान रखना,
पैरेंट्स डे पर, मेरे पापा शहीद हुए,
तू सबसे यह गर्व से कहना !!

मेरी पत्नी, मेरी साथी बनी तुम,
मेरे हर डर से लड़ने में मेरी हिम्मत बनी तुम,
तुम बस मेरी ही नहीं,
बल्कि पूरे परिवार की शक्ति बनी रहना !!

ज्यादा साथ निभा ना पाया,
ज्यादा प्यार लूटा ना पाया,
जिंदगी भर कोशिश बहुत की,
पर अपनी मातृभूमि-सा प्यार तुमसे जता ना पाया!!

श्वेता कुमारी
हिन्दी विशेष, तृतीय वर्ष

ECONOMICS

1. Monthly Webinars (national and international)

The Department invited eminent speakers to speak on curriculum-based (or related) economic issues. The speakers also interacted with the students. Faculties from India and abroad also attended (or registered for) these events. Few internship opportunities were also provided for students.

(i) 27th and 28th August 2021 (national)

Title: Consolidating for New India: Lessons from Covid-19 and other Issues

Speakers and topics:

27th August 2021

Professor Arup Mitra- Institute of Economic Growth. Productivity and Employment.

Associate Professor Brahma Reddy – Sri Venkateswara College, Delhi University. Impact of Covid-19 on Union Finances

28th August 2021

Assistant Professor Debdulal Saha –IISER Mohali. Impact of Covid-19 on Labour Market

Mr. Nikhil Agarwal: Indian Statistical Service (34th Batch). Impact of Covid-19 on data collection.

(ii) 18th September 2021 (national)

Title: Towards 75 Years of Freedom: Health Policies and Their Role in Preparing India for Health Emergencies

Speaker: Dr Megha Jacob- Assistant Professor, Jesus and Mary College, Delhi University.

(iii) 22nd January 2021 (national)

Title: India's middle class: How many are they, who are they?

Speaker: Dr Sandhya Krishnan- Faculty, Meghnad Desai Academy of Economics, Mumbai.

(iv) 25th February 2021 (international)

Title: Budget 2022: Outcome and Analysis
Speakers:

Professor Raghendra Jha: Emeritus Professor Economics, Australian National University. Road travelled in reaching Macroeconomic Balance and Ongoing Challenges.

Profesor Manoj Panda: Former Director, Institute of Economic Growth. Budget and Economic Growth.

Dr. Sweta Saxena: Chief Macroeconomic Policy and Analysis, UN-ESCAP. India's Budget and the 2030 Agenda for Sustainable

Ram Lal Anand College
(University of Delhi)
DEPARTMENT OF ECONOMICS

**ORGANIZING
QUIZ
COMPETITION**

TOPIC:- General Economics

21.04.2022
10-30 AM ONWARDS
SEMINAR HALL

PRIZE FOR WINNING TEAMS

FIRST WINNING TEAM: Rs. 1000
SECOND WINNING TEAM: Rs. 700
THIRD WINNING TEAM: Rs. 500

NOTE:
E-Certificates and refreshments will be provided to all the participants.

Click here for registration

"The form should be filled out by the team leader only".
The minimum number of members will be two and the maximum of three in a team.
It is open to all the RLAC students.


For queries contact:
Aarti Nayak (931 6307150)
Isha Madan (89390233758)

Principal
Prof. Rakesh Kumar Gupta


Teacher-In-Charge
Dr. Pragya Shankar

Event Coordinator
Dr. Suneyana Sharma


RAM LAL ANAND COLLEGE
(University of Delhi)
SERENITY
B.A. PROGRAM SOCIETY
In collaboration with
DEPARTMENT OF ECONOMICS
Presents & Announces
BUDGET 2022 : OUTCOME & ANALYSIS



Prof. Rajibendra Jha
Associate Professor
Sardar Sarbajit University



Dr. Anand Kumar
Chief, Macroeconomic Policy
and Analysis, I.S.E.A.H.21



Prof. Manoj Dandia
Faculty Member
Faculty of Business Studies

Date and Time
25th February, 2022
11:00 a.m. - 1:00 p.m.

Platform - Google Meet

Principal: Prof. Rakesh Kumar Gupta
Coordinator: Prof. S.C. Dabheri
Teacher-in-Charge: Dr. Pragya Shankar
Webinar Co-ordinator: Dr. Suneeta Sharma

RAM LAL ANAND COLLEGE
(University of Delhi)
SERENITY
B.A. PROGRAM SOCIETY
In collaboration with
DEPARTMENT OF ECONOMICS
Presents
WORKSHOP ON
"DATA ANALYSIS WITH R STUDIO"

Resource Person



Ms. Supriya Sardana
Assistant Professor
Apeejay School of Management, Dwarka

Date and Time
30th October, 2021
1st November, 2021
(10a.m - 11:30a.m.)
(same timing for both days)

For Further details contact
9318307159 (Aarti Nayak)
9818326364 (Akshit Kumar)

Registration is required?
[CLICK HERE](#)

Platform - ZOOM
FREE WORKSHOP FOR TWO DAYS ALONG WITH CERTIFICATE
(Certificate of participation will be provided in a soft copy)

Principal: Prof. Rakesh Kumar Gupta
Coordinator: B.A. Prog. society Prof. S.C. Dabheri
Teacher-in-Charge: Department of Economics Dr. Pragya Shankar
Course Coordinator: Dr. Suneeta Sharma

RAM LAL ANAND COLLEGE
(UNIVERSITY OF DELHI)
DEPARTMENT OF ECONOMICS
CELEBRATING
75 YEARS OF INDEPENDENCE
PRESENTS A WEBINAR ON
CONSOLIDATING FOR NEW INDIA
LESSONS FROM COVID-19 AND OTHER ISSUES

SPEAKERS



Dr. Anup Mitra
PROFESSOR
Institute of Economic Growth



Dr. Brahma Reddy D.
ASSOCIATE PROFESSOR
Dr. Yashwantrao Chavan
Delhi University



Dr. Debdul Saha
ASSISTANT PROFESSOR
IITM MUMBAI



Mr. Nikhil Agarwal
CIVIL SERVICE

Timings
Day 1 : 27-August-2021
Time: 11 a.m. - 12 p.m.
Day 2 : 28-August-2021
Time: 11 a.m. - 12 p.m.

FOR ANY QUERIES CONTACT ON :
9318307159 (Ms. Aarti Nayak)
9818326364 (Mr. Akshit Kumar)

Registration Link:
<https://www.google.com/events/2195209>

Platform - Google Meet
Certificate of participation will be provided in a soft copy

Principal: Prof. Rakesh Kumar Gupta
Coordinator and Teacher-in-Charge: Dr. Pragya Shankar
Webinar Chair: Mr. Vinay Kumar Yadav
Webinar Co-ordinator: Dr. Suneeta Sharma

Development

(In collaboration with BA Programme Society-Serenity)

2. Workshop on "Data Analysis with R Studio" on 30th October and 1st November 2021 in collaboration with BA Programme Society, Serenity.

Speaker: Supriya Sardana: CFA (Level 1) and Assistant Professor, Apeejay School of Management, Dwarka.

3. Intra-College Quiz Competition organized by the students of the department on 21st April, 2022. Prizes of Rs. 1000, Rs 700 and Rs. 500 given to the 1st three position holders. Certificates were also provided.

4. Future plans:

Continue and expand existing department activities.

INDIA'S MIDDLE CLASS: HOW MANY ARE THEY, WHO ARE THEY

Saturday, 22nd January, 2022
11 am -12 pm



SANDHYA KRISHNAN
ASSISTANT PROFESSOR

- Ph.D. from the University of Amsterdam.
- MA in Economics from the University of Mumbai.

LIVE ON ZOOM

In Collaboration with
Department of Economics
Ram Lal Anand College
Delhi University
<https://www.google.com/events/2195209>

Principal: Prof. RAKESH KUMAR GUPTA
Teacher-in-Charge: DR. PRAGYA SHANKAR
For any queries contact: Ms. Aarti Nayak (9318307159) / Mr. Akshit Kumar (9818326364)

RAM LAL ANAND COLLEGE
(UNIVERSITY OF DELHI)
DEPARTMENT OF ECONOMICS
PRESENTS A WEBINAR ON
TOPIC
TOWARDS 75 YEARS OF FREEDOM : HEALTH POLICIES & THEIR ROLE IN PREPARING INDIA FOR HEALTH EMERGENCIES

SPEAKER



Ms. Megha Jacob
Assistant Professor
Jesus and Mary College
Delhi University

Date and Time
18-SEPTEMBER-2021
11 a.m. -12 noon

Platform - Google Meet

For Further details contact
9318307159 (Aarti Nayak)
9818326364 (Akshit Kumar)

Joining Link :
<https://meet.google.com/fbo-jtnt-ikf>

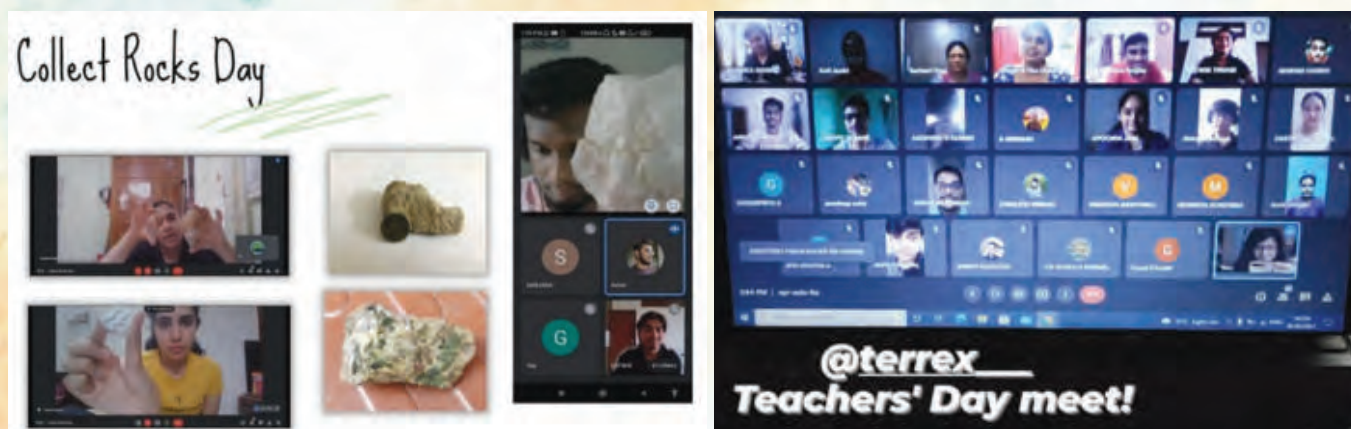
Principal: Prof. Rakesh Kumar Gupta
Coordinator and Teacher-in-Charge: Dr. Pragya Shankar
Webinar Chair: Mr. Vinay Kumar Yadav
Webinar Co-ordinator: Dr. Suneeta Sharma

TERRE-X

The new academic year was amidst the challenges due to widespread COVID 19. An online election was conducted on August 12, 2021 to the post of President, Vice president, Secretary and two joint secretaries. A new team of six office bearers under the leadership of Rahul Bhandari as President of Terre-X society was elected and a team of four was unanimously selected for the IT cell of the society for session 2021-2022. To guide and supervise the society, an Advisory Committee was formed consisting of all faculty members of the department.



Teacher's Day Celebration: Considering the tough times, a 'Virtual Meet and Greet' was organised on Google Meet. The event commenced with a welcome speech by the President of Terre-X society. On behalf of all the students, few alumni and final year students shared their cheerful experiences with the faculty members and thanked them for being a beautiful steer in times of need. To pay homage to our beloved teachers, students recited a beautiful Sanskrit shloka. A small video was presented which embraced the merry moments of our teachers with the students. The event was concluded with a gratitude speech by the Secretary of the society.



Collect rocks day Event

National Collect Rocks Day is celebrated on September 16 of every year. Terre-X celebrated the Day by conducting an interactive virtual event on that day where the members of the society

exhibited their amazing collections of rock, shells and field photographs from around the globe. A fruitful discussion sessions ran along with the exhibition.

Earth Science Week Celebration

This year, Earth Science Week was celebrated from October 10th to 16th. Members of Terre-X had volunteered as guides and exhibited a rock and fossil show at the National Science Centre, New Delhi on this week as part of our Earth Science Week celebrations.

1. Volunteering at National Science Centre

This activity was conducted to promote scientific communication in the field of Earth Science. The student guides were present at the following three exhibits, Water-Elixir of Life, The Prehistoric Gallery and Hall of Nuclear Power. The volunteers guided groups of visitors through each of these exhibits for a maximum of 10 minutes. A pre-guidance and post-guidance survey was conducted at each exhibit to evaluate the change in perspective of each group of visitors.



2. Rock and Fossil Show at National Science Centre

The Rock and Fossil show was conducted at the reception area where the members of the society displayed various fossils, rocks and minerals specimens from the college. Through the fossil specimens of ammonites, brachiopods and various other groups, the definition of fossils, their modes of preservation and value were described. The show really helped the attendees to increase their understanding and appreciation of fossils and minerals.

Freshers Welcome Ceremony

“Freshers Welcome” in any college is an event that every student eagerly awaits. 28nd November 2021 was a memorable day for our society as we welcomed the new blood with enthusiasm and laughter. The event was held online through Google Meet. The programme started with the formal welcome of all freshers to the Department of Geology and was followed by the introduction of the faculty members and the society office-bearers. A virtual tour of the department was given to the new members, acquainting them with the classes, labs, pictures from previous field trips and events.

Students Awards and Acheivements

1. Mr. Akash Nair, final year student of B.Sc. (Hons) Geology, Ram Lal Anand College secured highest marks in the University of Delhi in Geology. He was awarded the University Gold Medal and certificate in the 98th Convocation ceremony which was held on 26th February 2022.



2. Following students of B.Sc. (H) Geology – Second Year were awarded with the Meritorious Award for the year 2021-2022:

Sl. No.	Name of the Student	CGPA
1.	Gouripriya S Menon	9.64
2.	Apoorvi Jain	9.50
3.	Satwik Tiwari	9.50
4.	Abhay Kumar	9.50

Geological Field Tours

Geological field tours are organised every year. During the last two years, due to the Covid-19 pandemic, virtual geological field works were conducted. However, with the opening of the college, geological field works are being resumed. These field works are done by taking the students to outstation locations to expose them to the ultimate laboratory of Geology, i.e., in-situ rocks at its natural settings.

Batch	Semester	Tour In-charges	Place	Tentative Date
Second Year	IV	Dr. Prabhas Kumar Pande, Dr. Ravish Lal & Ms. Leimiwon Zimik	Almora and surrounding area, Uttarakhand	30th March to 5th April, 2022
Third Year	VI	Dr. Sarbari Nag & Mr. Prem Kumar	Mandi and the surrounding area, Himachal Pradesh	30th March to 5th April, 2022

Following are the details of the geological field works conducted by the Department of Geology in this academic year (2021-2022).



Geological field tour was conducted in Mandi, Himachal Pradesh area between 30th March to 6th April, 2022 under the guidance of Dr. Sarbari Nag and Mr. Prem Kumar. The students were trained to orient themselves and find their location in the field; identify different types of rocks namely igneous, metamorphic and sedimentary, and study their attitude and map contact between lithologies; observe and study primary structures and construct litholog in sedimentary terrain. They learned to measure and observe attitudinal differences in a synclinal area and learned to plot the data stereographically. They visited a tunnel site



under construction on Pandoh-Kullu road guided by an engineer, studied lithology controlled variation in radioactive mineralization in Hamirpur, drilling, coring and Uranium exploration, guided by the scientists of Atomic Mineral Directorate and visited Pandoh Dam site guided by scientists there.



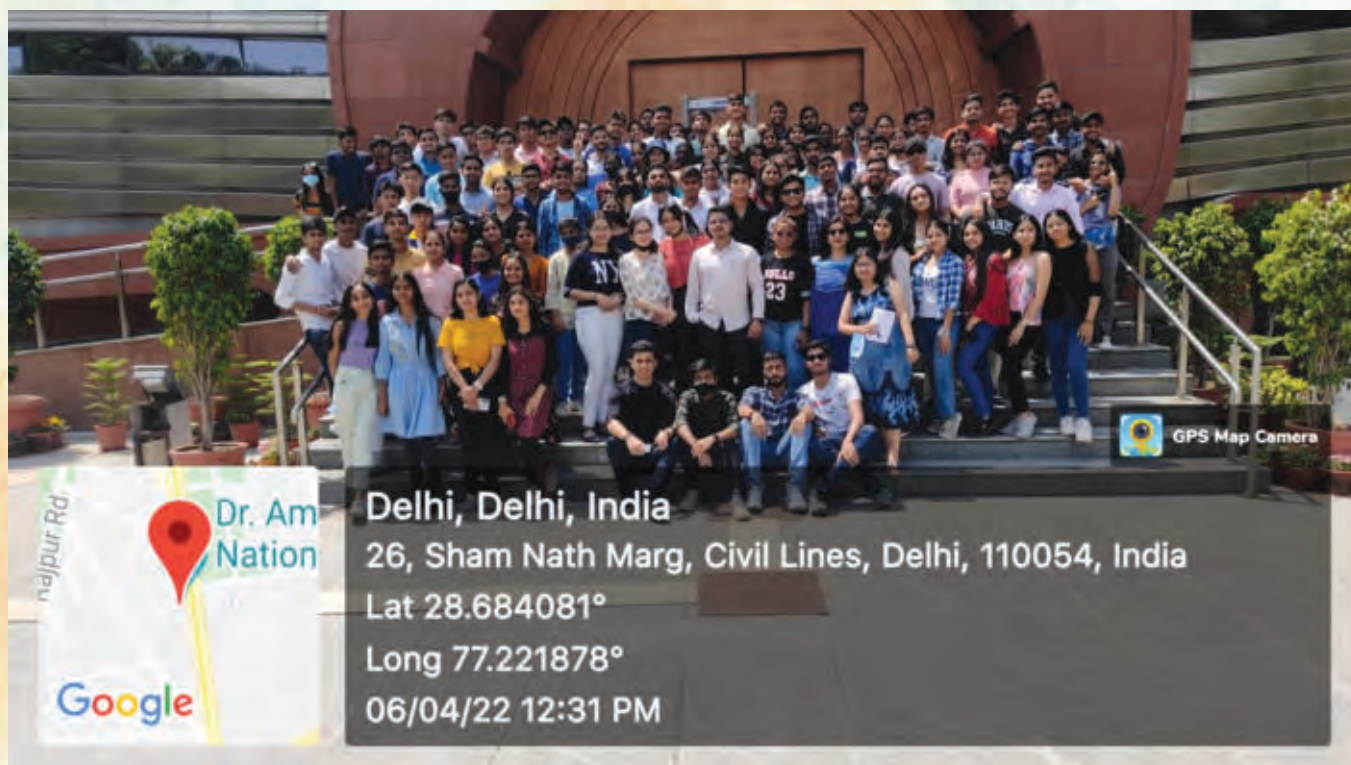
POLITICAL SCIENCE

Despite the continued online mode of teaching-learning during major part of the academic session 2021-22, carrying on with our Department's indomitable deliberative spirit, the faculty and students picked up some of the most contemporary themes to organise departmental activities and events.

The Department dutifully regularly designs events and programmes around gender based issues and concerns. This session in collaboration with two other bodies of RLA College; ASMI- the Gender Sensitization Committee and WWAC; Women Welfare Advisory Committee, the department organized a webinar titled "Gender Sensitisation and Sexual Harassment of Women at Workplace" on 22nd June 2021 with 135 participants. Our eminent speaker was Prof. Ritu Gupta from the National Law University.

On 24th June 2021 the Department in collaboration with IQAC-RLAC organised another webinar titled "Copyright and Plagiarism: Issues for Teaching and Research" with 83 participants. The ever increasing significance of Intellectual Property (IP), especially Copyright as one of the IPRs was at the core of the discussion.

As part of nationwide Azadi Ka Mahotsav celebrations the Department in collaboration with Vasudha - The Eco-Club & Department of History, organized a webinar titled "Gandhi and Environment" on 23rd July 2021. The keynote address was given by Prof. John S. Moolakkattu from the Central University of Kerala.



Confused about 'What Next?'
Or simply Excited about 'What Next?'
Don't worry, we've got you covered!

POLITICAL SCIENCE: POSSIBILITIES AND PROFESSIONS

Date: 18th January, 2022
Time: 1:30 P.M.
Venue: Google Meet

Prof. Rakesh Kumar Gupta
Principal

Dr. Triranjjan Raj
Teacher-in-Charge

Dr. Kshama Sharma
Function Convenor

Dr. Alankar
Event Coordinator

Vasudha - The Eco Club
in collaboration with
Department of History Department of Political Science

RAM LAL ANAND COLLEGE
University of Delhi
is organising a webinar on
GANDHI AND ENVIRONMENT
to celebrate
AMRUT MAHOTSAV
(75 Years of Independence)
on
23 July 2021
From 12 Noon
Speaker
Prof. John S. Moolakkattu
Central University of Kerala

DR. NIDHI YADAV
SYNDICATE
COORDINATOR

DR. PARUL LAU GAUR
COORDINATOR
VASUDHA - THE ECO CLUB

DR. TRIRANJAN RAJ
(HEAD)
DEPARTMENT OF
POLITICAL SCIENCE

DR. RAKESH KUMAR GUPTA
THE PRINCIPAL
RAM LAL ANAND COLLEGE
A BROAD DEPARTMENT OF
HISTORY

DR. NK PANDY
COORDINATOR
SAVARDHINI THE
HISTORY SOCIETY

DR. SWAGATA
KARANJALI
CO-CONVENOR
VASUDHA - THE ECO
CLUB

PROF. RAKESH
KUMAR GUPTA
PRINCIPAL
RAM LAL ANAND
COLLEGE

MEETING LINK - <https://meet.google.com/fre-utfi-azd>

Ram Lal Anand College
University of Delhi

Department of Political Science
Organizes
Ajay Kr. Satpathy Memorial Lecture
On
**Russia-Ukraine Crisis and India:
Compromise or Commitment**

Date:- 12-04-22 Time:- 1:30PM- 3:00PM
Meeting Link:- <https://meet.google.com/ufc-skga-rxg>

Join the meeting using this QR Code

Dr. Triranjjan Raj
Head of the Department

Dr. Kshama Sharma
Senior Faculty

Prof. Rakesh Kr. Gupta
Principal

The Statecraft Society of the Department has always played a pioneer role in organising debates among the students to hone their argumentative skills and political vocabulary. This academic session two such debates were organised; one, Withdrawal of U.S forces is Detrimental for Afghanistan on 9th Sept 2021 and second, Migration of Rural Population is Disastrous for India on 21st Oct 2021. More than 60 participants witnessed spirited debates among select students and teams.

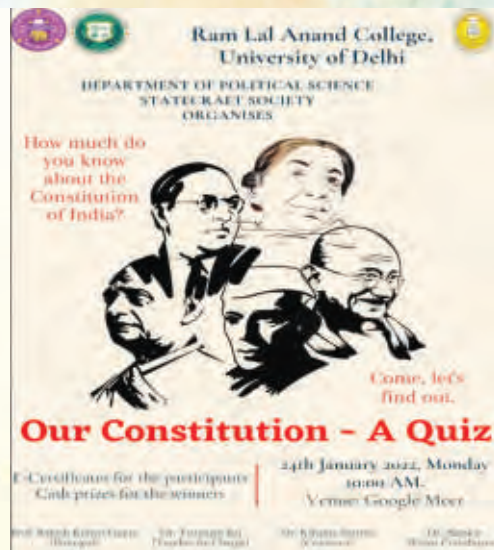
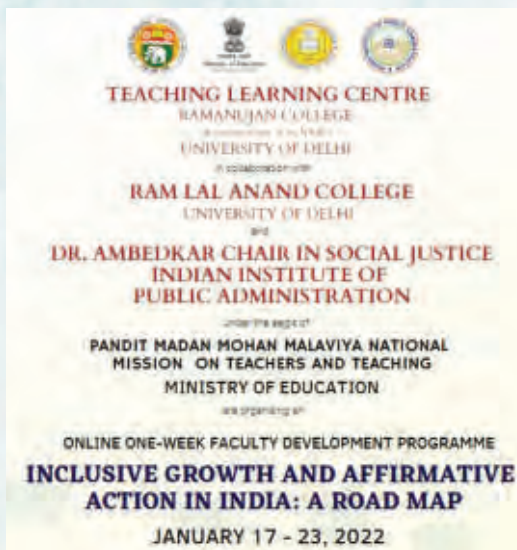
A Creative Writing Competition was also organised in Sept 2021 by the Department to commemorate 75 years of India's independence. Aptly titled "India@75 Achievements, Shortcomings & the Road Ahead" it saw spirited participation of the students.

To celebrate one of the core themes of our subject discipline, the Indian Constitution and to reiterate its growing contemporary relevance for our society, the Department organised two events. One, a Mock Parliament to celebrate Constitution Day on 21st Nov 2021 and second, as part of the Republic Day 2022 celebrations, an online two-day Constitution Quiz on 24th & 25th January 2022 with 75 participating students.

RAM LAL ANAND COLLEGE
DBT STAR COLLEGE
UNIVERSITY OF DELHI

DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE
organizes
CERTIFICATE COURSE
ON
**INDIA'S INTERNATIONAL RELATIONS & FOREIGN
POLICY IN A GLOBALIZING WORLD: THEORIES,
DEBATES & CONCERNS**
for the students of
UNIVERSITY OF DELHI
from
18th DECEMBER, 2021 - 20th FEBRUARY, 2022

To cater to growing future academic needs of our students, the Department organised a two-month long (40 hours) Certificate Course focused upon the theme "India's International Relations and Foreign Policy in a Globalizing World: Theories, Debates and Concerns" from December 18, 2021 to February 20, 2022 with 318 participants from RLAC and 27 participants from other institutions. Eminent scholar Prof. Harsh V. Pant delivered the inaugural lecture and Dr. Manan Dwivedi from Indian Institute of Public Administration along with Dr. Makhan Saikia from Jawaharlal Nehru



University & IIPA were the resource persons who engaged with students on the longer journey ahead spanning over two months.

On 26th Dec 2021, a special lecture was organised by the Department titled 'China Factor in India's engagement With the Indo-Pacific Region' delivered by

Prof. Swaran Singh from Jawaharlal Nehru University's School of International Studies.

Specifically keeping the contemporary intellectual aspirations and needs of the faculties, our Dept in collaboration with Teaching Learning Centre, Ramanujan College & Dr. Ambedkar Chair, Indian Institute of Public Administration organised a one-week faculty development programme titled "Inclusive Growth and Affirmative Action in India: A Roadmap" from 17th - 23rd January 2022 with 100 participants. A galaxy of renowned speakers from various disciplines and diverse backgrounds engaged in insightful lectures and discussions with the participants.

The teachers of the Department try their best to provide career specific guidance to all our students and as part of it we organise Career Counseling Session specifically for final year students. This year on 18th Jan 2022 the students participated in an interactive session to learn about and discuss various professional goals and other academic or vocational aspirations. Around 40 students participated and queried about their own specific career interests.

With the reopening of the University of Delhi in Feb 2022, for face-to-face classroom teaching, things started to happen swiftly. Apart from regular interactions between students and teachers in physical mode or offline teaching it was also seen as an opportunity to make them mingle informally across batches. On a cue from students, the Department organised an Educational Trip to Ambedkar National Memorial situated in Civil Lines, New Delhi on 6th April 2022. Around 150 students of the Department along with faculty members joined this educational excursion trip.

Carrying on the long standing legacy, the Department each year organises Dr. Ajay Satpathy Memorial Lecture in the fond memory of our beloved colleague who left the world at a very young age. This year well known, widely cited expert and prolific writer Prof. Harsh V. Pant of the Observer Research Foundation delivered the memorial lecture on 12th April 2022 titled "Russia-Ukraine Crisis & India: Compromise or Commitment". The session was attended by around 90 participants followed by a very enthusiastic interactive question-answer session of students and faculty with the renowned speaker.

Dr. Triranjana Raj, Head of the Dept
Dr. Kshama Sharma, Function Convenor

COMPUTER SCIENCE

“There are no shortcuts to any place worth going.”

– Beverly Sills

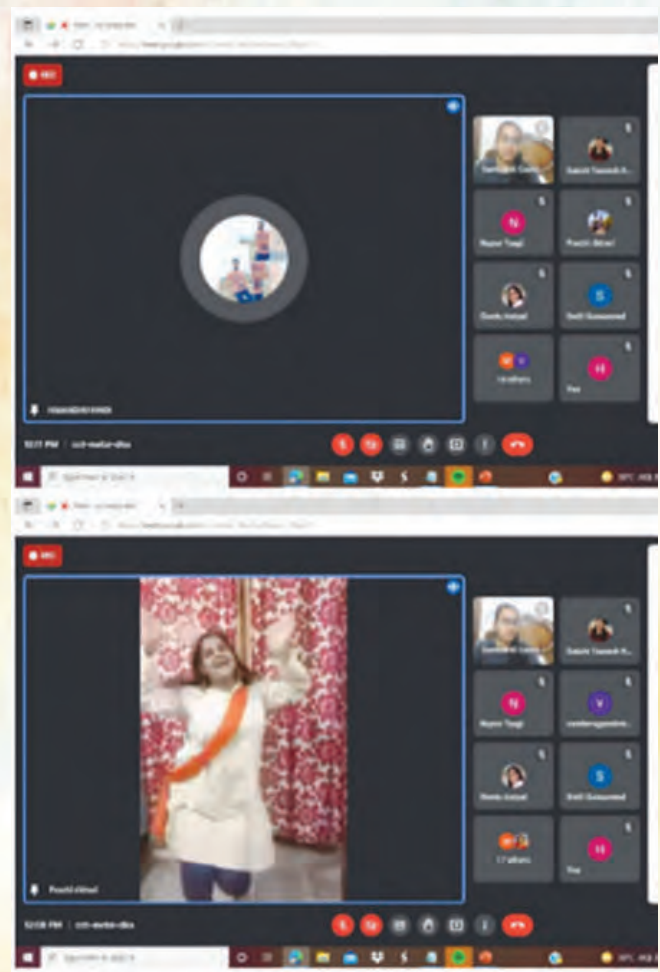
We believe in the words written above and therefore Department of Computer Science constantly endeavors to make its students well equipped to attain success.

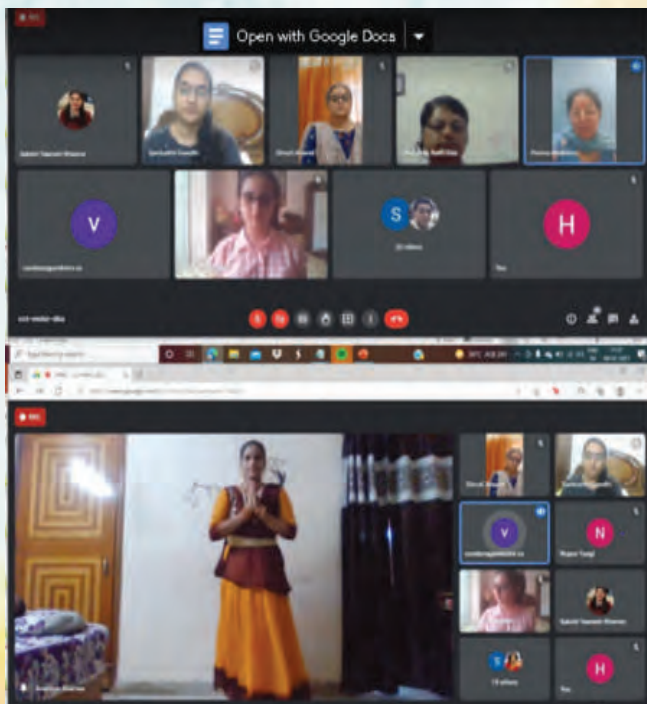
The Department of Computer Science Celebrated the 7th International Yoga Day on 21-06-2021. On this day the Department organised two competitions for the students “Poster Making competition” and “Jingle Writing Competition”. The theme for the poster making competition was “Yoga for working professionals” and for the Jingle writing competition was “Yoga and Youth”. 31 students registered for the event out of which 23 were males and 8 were females. The winner of the poster making competition was Mr. Bhomik Kaushik of B.Sc.(H) Computer Science and the winner for Jingle writing competition was Geetu of BJMC



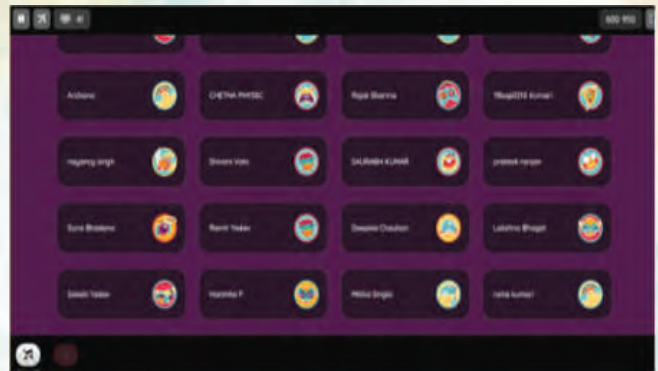
The Department of Computer Science organised ‘Jashn-E-Azadi’, an event on the occasion of 75th Independence Day of India, on 8th July, 2021, 11:30 AM- 12:30 PM online via Google meet. The event had two categories, poetry and dance and the participation was from various colleges and

universities. A total of 09 students were assessed through a live performance, in front of the judges, on Google Meet. The participants varied from a number of courses ranging from B.Sc. (Hons.) Computer Science (03), B.Sc. Life Sciences (02), B.A History (Hons)- (01), BJMC (01), B.A. (Hons) Political Science (01), B.A. (Hons) Hindi (01) and other. The count ranged from 05 in house RLA students while 04 students were from other Colleges/University. The participants were given the topic “India’s Independence Struggle” in the morning of 07th July, 2021 and were called on Google Meet on 08th July, 2021 at 11:30 AM for a live audition in front of the judges and audience.



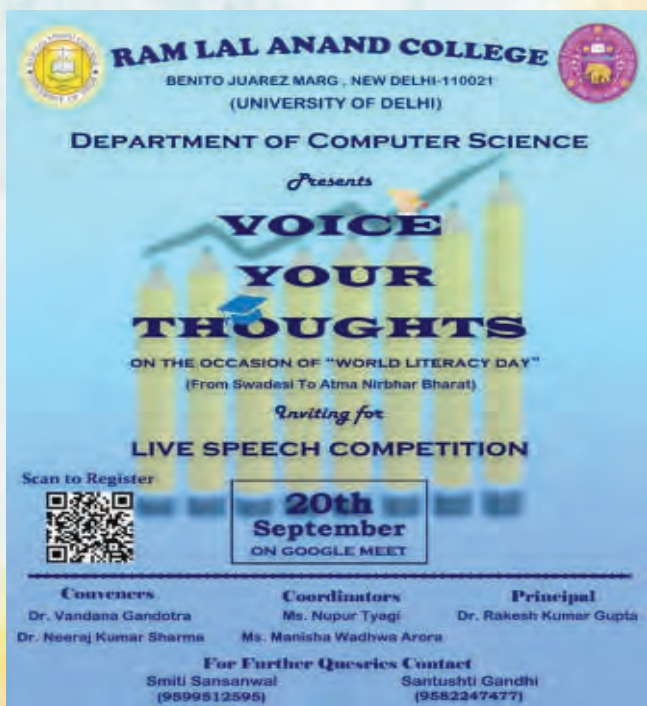
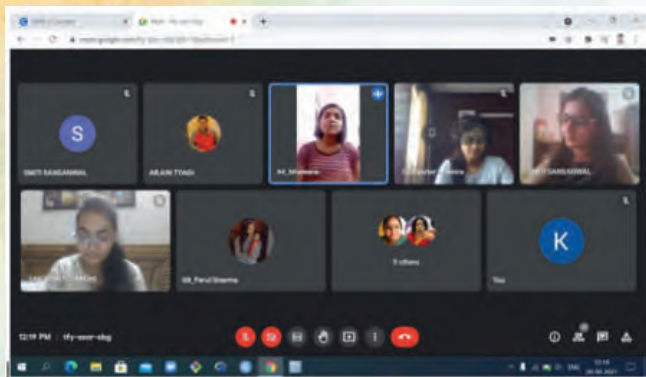


while others took 15 minutes. Scoring was based on speed with accuracy so deserving candidates were selected for prizes. Overall Prizes were awarded to top 3 winners and all the participants were given participation certificates.



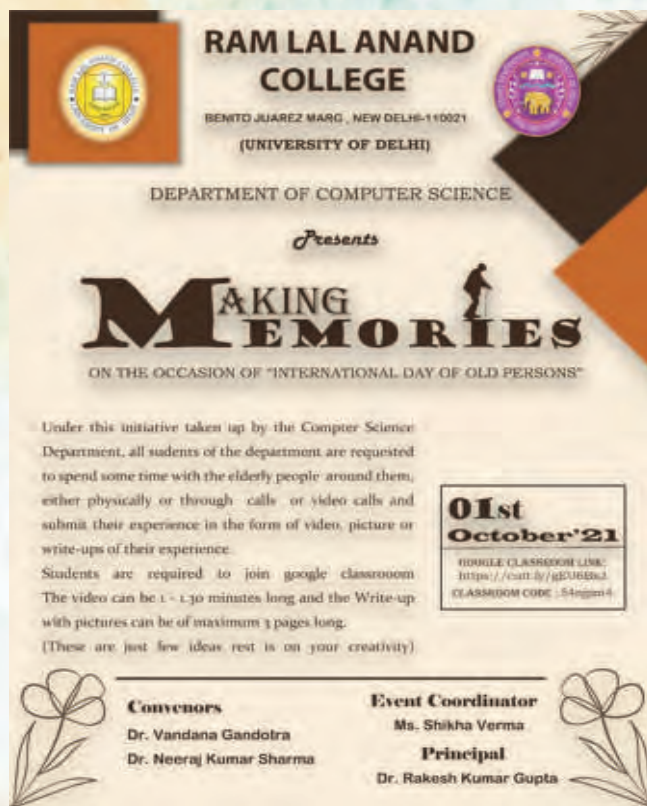
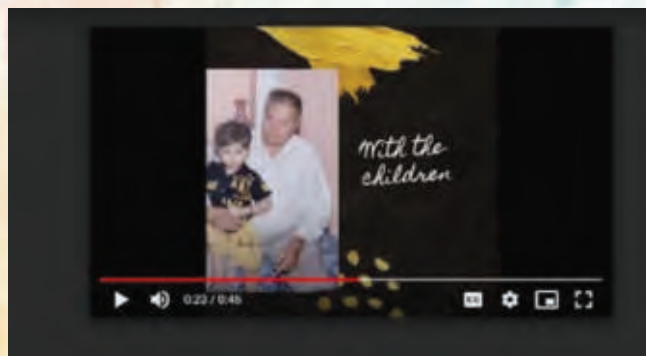
The Department of Computer Science organised a QUIZ on “OUR FREEDOM FIGHTERS” on 13 August. A total of 47 students of Ram Lal Anand college as well as other colleges participated enthusiastically in the quiz and showed extraordinary skills while competing in the quiz. The Quiz was interesting and kept the participants engaged. Some participants finished within 15 seconds

The Department of Computer Science organised ‘Voice Your Thoughts’, an event on the occasion of the World Literacy Day of India, on 20th September 2021, on Google meet. Participants presented their views on the given topic. A total of six certified students were assessed through online live performance. The participants varied from a number of courses ranging from B.Sc. (Hons.) Computer Science (04), B.Sc. (Hons.) Statistics (01), B.Sc. Physical Sciences (01). The count ranged from 01 in-house RLA student while 05 students were from other Colleges/ Universities.

The Department of Computer Science organised 'Making Memories', an event on the occasion of International Day of Older Persons on 01 October 2021, on the Google Classroom. Students within the Department of the College participated in this event.

On the International Day of Older Persons, students were requested to spend their day with the senior people of their family. They wrote their experience how they loved spending times with their elder ones. They shared their pictures and videos. Some students who don't have any elder people in their family, they did a video-call and spent time with them. A total of 11 students turned in the assignment assigned to them on the 1st October 2021.

The Department of Computer Science of Ram Lal Anand College organised a Certificate

Course on Advance Excel and Data Analysis using Excel from 25th June 2021 to 21st July 2021 Ms. Manisha Wadhwa Arora inaugurated the Course, took two sessions and taught the basics of Microsoft Excel to the students covering the theoretical as well as practical aspects to get started with Microsoft Excel. Ms. Shikha Verma took next two sessions and also conducted the valedictory. Then Mr. Lavish Arora from Innovians Technologies trained the students in mid sessions very well. He emphasized on the

importance of commands in Excel which are important according to industry standards. A total of 123 students of Ram Lal Anand College from various disciplines participated enthusiastically in the certificate course and learnt new things with keen interest. Mr. Arun Gautam conducted the test for this course. The course was very fruitful which gave deep insights on various functionalities available in Excel and the best practices used while using Excel and kept the students engaged throughout the Certificate Course.

What is advance Excel and Data Analysis using Excel?
Data Analysis with Excel is a comprehensive tutorial that provides a good insight into the latest and advanced features available in Microsoft Excel. It explains in detail how to perform various data analysis functions using the features available in MS-Excel.

COURSE OBJECTIVES
On the successful completion of this course, participants will be able to:

- Describe how Data Analysis work.
- Manipulate data with relational database.
- Explore formulas and how they can be used.
- Learn all data programming tips and tricks.
- Add a dynamic link to the cell.

Why is this course important?
Microsoft Excel spreadsheet software has become an integral part of almost every business organization. It is used for various purposes like financial reporting, data management, data analysis, and other business tasks. Microsoft Excel spreadsheet software can help you make up your mind and make better decisions. It is a simple and easy-to-use software that can help you manage your data and make better decisions.

Course Outline

MODULE 1 (INTRODUCTION TO MS EXCEL)

- Understanding MS Excel
- Adding and Deleting Data containing
- Using Sort and Filter
- Merging Cells, Applying Styles and Colors
- Adding Tables, Inserting, Deleting and Linking Tables
- Multiple Worksheets
- Zoom and Freeze
- Printing Options
- PDF and CSV formats

MODULE 2 (ADVANCED EXCEL)

- Handling Data, Formatting and Printing Charts
- Sorting, Filtering, Tables
- Lookup
- Arrays
- Text Functions
- Date and Time Functions
- Logical Functions
- Financial Functions (Goal Seek, etc)
- Formulas and Macros
- Quick Analysis Tool
- Adding and Formatting Tables, Tables, Charts, etc.

MODULE 3 (DATA ANALYTICS)

- Data Protection using Excel
- Overview of Data Analytics using Excel
- Data Cleaning & Formatting Tables
- Conditional Formatting in Financial Functions
- Using Tables for Data Analysis
- MS Excel for Data Analytics: Regression Model
- Steps to Use Data Analytics Model for Data Analysis
- Conclusion

ABOUT RAM LAL ANAND COLLEGE
Ram Lal Anand College was founded in the year 1984 by Late Mr. Ram Lal Anand in honor of late Mr. Ram Lal Anand. It is a constituent college of the University of Delhi and is one of the largest and most prominent colleges in the University of Delhi. It is a constituent college of the University of Delhi and is one of the largest and most prominent colleges in the University of Delhi. It is a constituent college of the University of Delhi and is one of the largest and most prominent colleges in the University of Delhi.

COURSE DURATION
40 Hours (3 Hours, 3 days a week from 25th June 2021 - 21st July 2021)

PRE REQUISITES
Beginner Friendly Course No prior knowledge required
For hands-on experience students can also work with their smartphone /Laptop/PC

Registration Details:
Click Here To Register
We request you to register on or before 22nd June 2021. Only the students of RLA College can avail this course.

FEES -Free of Cost

Department of Computer Science
Presents Certificate Course
On
ADVANCE EXCEL AND DATA ANALYSIS USING EXCEL
In association with
Innovians Technologies
(ISO 9001:2015 Certified) (Unit of IITATS Technologies Pvt. Ltd.)
25th June 2021- 21st July 2021

Department of Computer Science

- Ms. Shikha Verma
- Mr. Arun Kumar Gautam
- Ms. Manisha Wadhwa Arora

Basic Excel Training Session
By
Department Faculty Members

MARG

MARG-The Management Society and E-Cell organised ENTRESPIRE- a webinar on Entrepreneurship Acumen by Mr. Rishabh R Mehrotra and Mr. Ravikant Yadav. The webinar was organised on 13th August 2021 on Google Meet. This webinar was a great opportunity for the students from various courses and fields who are business enthusiasts and have a keen interest in startups as it helped them in widening their horizons to their maximum capabilities. The webinar was beneficial for the students as it also helped them in developing business acumen. The event was a huge success as despite being an online event it witnessed huge participation from our college students and not only this; students were highly active during the event and were continuously interacting with our speakers. Also the feedback that we received from the students was really great, as they felt that the event was successful in serving its purpose and they gained some really informative insights from it.



FIT INDIA FREEDOM RUN 2.0

MARG the Management society of Ram Lal Anand College joined the initiative launched by the Government of India "Freedom Run 2.0", under the guidance of Principal Prof. R.K. Gupta and Society Convener Dr. Deepti Gupta. Under Fit India Movement we conducted Fit India Freedom Run 2.0 from 13th August-2nd October 2021 everyday from 7:00 am to 7:30 am to encourage fitness and helped the students of RLA College to get freedom from obesity, laziness, stress, anxiety, diseases etc. The concept behind this run was "RUN YOUR OWN RACE AT YOUR PACE!"

The event was a massive success; over 150 students not only joined but also helped us spread the word to even more students for such a great cause. Many students claim that this was the



motivational push they needed to start exercising, a thought that they were sleeping on, and finally break the circle of sitting inside all day.

MARKIZAR an online marketing competition was organised under the guidance of Principal Prof. R.K. Gupta and Society Convener Dr. Deepti Gupta which required participants to show their unique marketing skills and use their knowledge of brand awareness. The event witnessed overwhelming response as around 70 teams (over 100 participants) registered themselves for the competition from all over India including IIT Delhi, IIT Patna, IIM Ranchi, IIM Udaipur, BITS Pilani, IMT Ghaziabad, SIMSREE, Thapar University, Narsee Monjee Institute of Management, St. Xavier's College Kolkatta, Tata Institute of Social Sciences, SRCC and various colleges of Delhi University. There was a cash price of Rs. 2000 for first winner, Rs. 1500 and Rs. 1000 for the second and the third respectively. A certificate of participation was also rewarded to every participant.

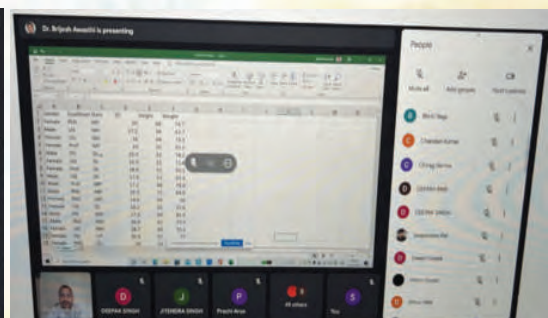
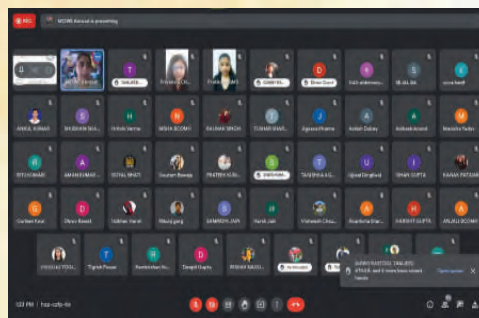


The winners are as follows:-

1. 1st place- The Mariners Leader- Mayuresh Barve College- SIMSREE, Mumbai
2. 2nd place- Goodfellas Leader- Shreyansh Verma College- Shri Ram College Of Commerce
3. 3rd place- Team X Leader- Harshit Pansari College- Shaheed Bhagat Singh College

WEVOLUTION'22

Wevolution'22, a career counseling workshop on February 26, 2022. The workshop commenced with welcome speech by the convenor. The co founders of MOWE Abroad, Harshita Gulati and Sumpada Bajaj, Master in Research (MRes) from University of Westminster, London accentuated the need for strategic planning, pragmatic approach and informed decision making to determine a suitable career option. She elucidated the admission cycle of foreign universities, highlighting the importance of academics, recommendation letters, test scores, statement of purpose and extra curriculars: the key components of admission cycle abroad. The workshop was joined by students of Saint Machael's (Patna), DAV BSEB (Patna), DPS RK Puram (Delhi), Saint Pauls High School (Hajipur), Spring Dale High School (Muntar), Aryabhata College, CVS, Satywati College, DTU, Shivaji College. Wevolution'22, the career counseling workshop officially concluded with a vote of thanks. More than 250 students attended the session.



WEVOLUTION'22

Workshop on Data Presentation and Visualisation was conducted on 29th Dec 2021 through zoom. 70 students registered for the workshop out of which around 60 students attended it. The main motive of the workshop was to help students in making data understandable and analysing large data using pivot tables and charts.

Webinar on recent HR Trends in the Industries “TRAIN PEOPLE WELL ENOUGH SO THEY CAN LEAVE, TREAT THEM WELL ENOUGH SO THEY DON'T WANT TO”, With this Quote from Sir Richard Branson, the webinar on “Recent HR Trends in Industries” was organised by BMS Department on 3rd April 2022.

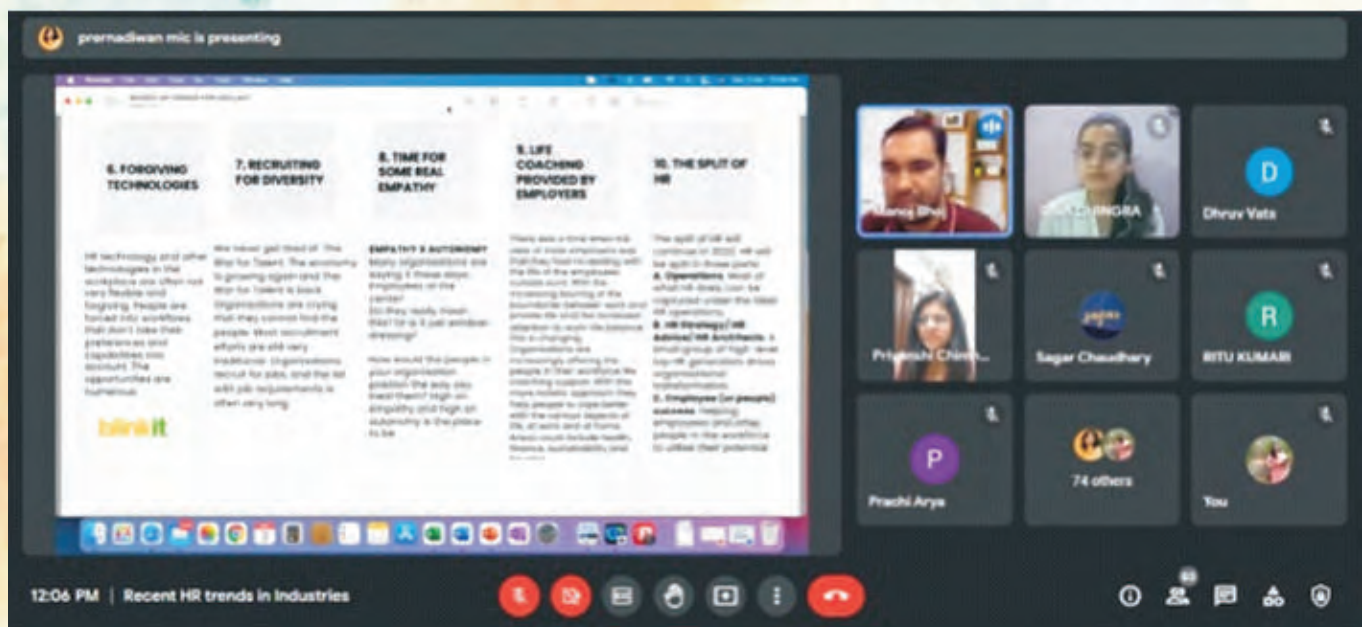
The importance of an effective HR in the success of any firm is ubiquitous, financial resources may be the lifeblood of a company but human resources are the brains. Human resources are not what we do it is the thing that drives our business.



The speaker of the session was Mr. Manoj Singh, a Human Resource professional with more than 9.8 years of hands-on experience as HR Generalist and Business partnering role. He is currently working as a senior human resource manager for North and Central India in Blinkit.

Mr. Manoj Singh made the session quite interactive and open to questions. He shared the process of the change his company went through From Grofers to Blinkit. Also talked about successful execution of the idea of making the company almost synonyms to Grocery to taking the delivery system of products of daily use and groceries in India to a whole new level with a 10 min delivery benchmark. He described HR trend model in relation to his company Blinkit and explained many vital terminology of HR Management. Session was attended by 83 students.

Dr. Deepti Gupta
Convener, MARG



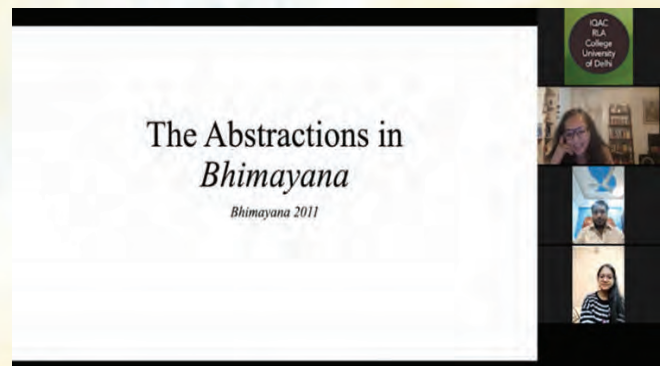
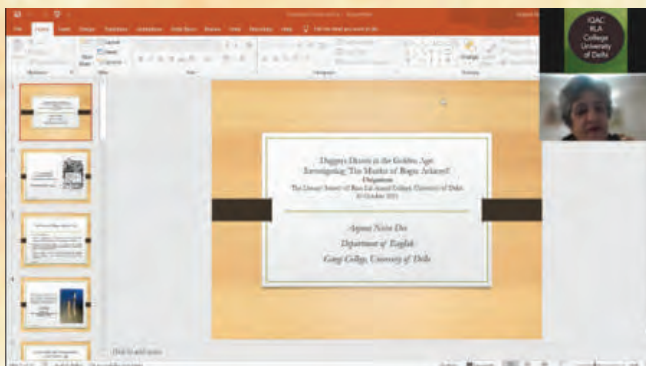
'UBIQUITOUS'

Ubiquitous, the English Literary Society of Ram Lal Anand College, aims to cultivate an adoration for Literature and Language, upgrade scholarly inventiveness and give a road to self-articulation past the scholastic Educational Programs. The society fosters self-visibility, creativity and assists in upgrading one's knowledge and love for the beloved poets, writers and Literary figures. Ubiquitous has always strived to celebrate literature in every aspect. The pandemic didn't hamper the spirits of the society and it flourished under the guidance of the convenor of the session, Mr. Taha Yasin, under whose tutelage the selected student office bearers were able to organize multiple Webinars, competitions and the Annual Literary Fest.

With this same affinity towards Literature, Ubiquitous announced its first event of the session "Classical Spin Off", a classic fiction rewriting competition on the 21st of October, 2021, with promising cash prizes, taking entries from students of all universities across India. Consequently, the final round took place on 10th of November, 2021, where the participants enlightened the audience with their creative reinterpretations of our favorite classics. The first position was taken by Shreyus, from Keshav Mahavidyalay (Delhi University), the second by Sohagni Roy from Hindu College (Delhi University) and the

third position was given to Celin Sohet from St. Stephen's College (Delhi University). The competition was judged by Dr. Sakshi Chanana, an Assistant Professor from School of life, UPES, and was brought to a close successfully by the Convenor.

Academically speaking, Ubiquitous offered many interesting analyses to the students of Literature by conducting "Lit Talks with Ubiquitous", a Lecture/Webinar Series with well-renowned Professors from different universities and schools. Under this banner, the First Webinar or the First Chapter of the Lit Talks took place on the 30th of October, 2021 on Detective Fiction, namely, "Daggers Drawn in the Golden Age: Investigating 'The Murder of Roger Ackroyd'" with the speaker as Dr. Anjana Neira Dev, an Associate Professor of the English Department from Gargi College, Delhi University. The Second Webinar/Chapter, "Nationalism and Friendship: Tagore and Ambedkar" was held on 13th of November, 2021, with the Speaker as Dr. Maaz Bin Bilal, an Associate Professor from Jindal School of Liberal Arts and Humanities. In the same manner, the Third Webinar was on "Abstractions of Graphic Language in 'Bhimayana'" with the Speaker, Dr. Nandini Chandra, an Associate Professor from University of Hawai'i at Manoa. Brimming with curiosity and insightful observations, 'Lit



Talks with Ubiquitous' was appreciated by the students of Literature as it offered them many insights on different literary texts, and hence, had favorable outcomes.

As a part of the Annual Literary Fest, which was held on the 17th of April, 2022, the society offered a Plethora of Competitions in which students from esteemed Universities showed great participation with zeal. The Fest was inaugurated with the Fourth and Final Chapter of the Lit Talks, "To be or Not to be a Berenger: A Re-Reading of Ionesco's 'Rhinoceros' ", with the Guest Speaker as Dr. B. Mangalam, a Professor from the Department of English, Aryabhata College, Delhi University. The webinar explored the widely acknowledged Modern Drama, 'Rhinoceros' by Eugène Ionesco. With many enthusiastic participants, Dr. Mangalam shared her valuable insights and was very much appreciated for the same.

Various successful Competitions were held, under the banner of the Literary Fest, to provide a platform to the creativity of budding artists from various Universities/Institutions. "Anne Frank's Best Friend" was one such

competition, where the participants were required to write a diary/journal entry from the perspective of any of their favorite literary/fictional/historical figure. The First Round had an overwhelming response and the Selected Entries were further judged by Ms. Deepshikha Kumari in Round Two. Participation certifications to show appreciation towards the great response were given to all the participants. Cash prizes were given to the Winners accordingly, with Manisha Katila a student of Indraprastha College for Women (Delhi University) as the First Position holder, and the Second and third place was achieved by Gungun Mishra from Ramjas college, (Delhi University) and Siya Bajaj from Gargi college (Delhi University), respectively.

"Lyric Association" was another competition, held under the banner of the Literary Fest where the participants were to create imaginary Scenarios/Micro Tales/Poetry/Prose from certain given lyric prompts. In the second round, the selected participants were asked to present their respective entries in front of the judge, Ms. Pallavi Dutta. Participation certifications to show appreciation

Posters of the Events





towards the great response was given to all the Participants. Cash prizes were given to the first three positions. Kshitiz Kumar Singh and Shravani Upadhyay from Ram Lal Anand College itself, secured the first and third place, respectively. Sohagni Roy from Hindu College (Delhi University) secured the Second place.

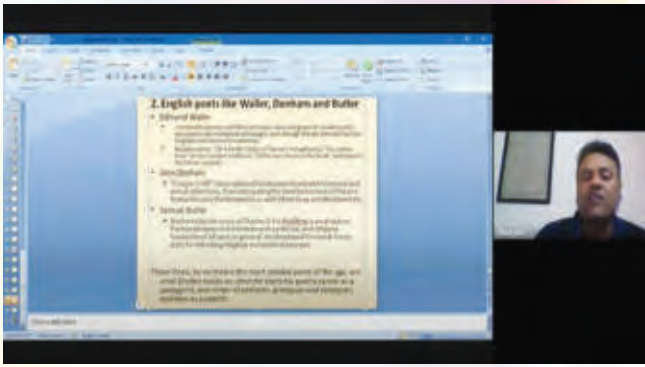
“Black Out Poetry Competition” for the Poetry lovers as a part of the Literary Fest was also organized. Black Out Poetry is a unique kind of Poetry Competition where the participants are asked to redact/black out words from the given excerpt/page to form a poem of their own. Gaining an overwhelming amount of responses, this event was a huge success. Cash prizes were given to the first three position holders: Kanan Sharma from Daulat Ram College (Delhi University) being the First Position holder; Shreya Rawat from Maitreyi College (Delhi University) and Aayushi Rawat from Gargi College (Delhi University) received the Second and the Third place, respectively.

Keeping up with the new trends, the society promoted education via memes to better engage people and make them love literature. “What do you Meme?”, a Literary Meme Making Competition was organized, where out of the Literary Sphere, participants had to create a witty meme. Creativity and knowledge aligned together in the culmination of this event. Swastika Verma from Kamla Nehru College (Delhi University)

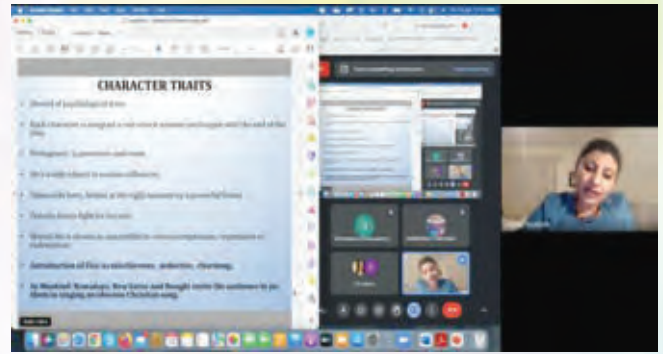
won the First Prize, Neebela Ansari from Sri Venkateshwara College (Delhi University) won the Second Prize and Paridhi Verma from our Ram Lal Anand College (Delhi University) secured the Third Prize.

The Department offered a 40 hours certificate course, titled History of English Literature in the online mode this year. The course commenced on 9th of January, 2022 with 170 participants from various universities across the country including 88 participants from RLAC. The coursework stretched from the Medieval Age Drama and the beginning of English Literature to Post-Modernist works of the 21st Century. Professors from various institutions– University of Toronto, University of Delhi, Mahindra Ecole, IIT Indore, Sophia College of Mumbai were invited to lecture. The speakers spoke on their areas of expertise for two 2 hours sessions each which were held over Google Meet. The faculty members of the English Department oversaw the meetings that took place on the weekend. Each session saw a turnout of about 80 participants. The last lecture was conducted on 27th March, 2022. The participants submitted project work in the forms of research paper, video presentation etc. for course completion and certification.

The objective of the course is to contextualise the historical periods of literature through different genres of literary texts. Moreover, the course would also remain helpful for the students in preparation for exams after



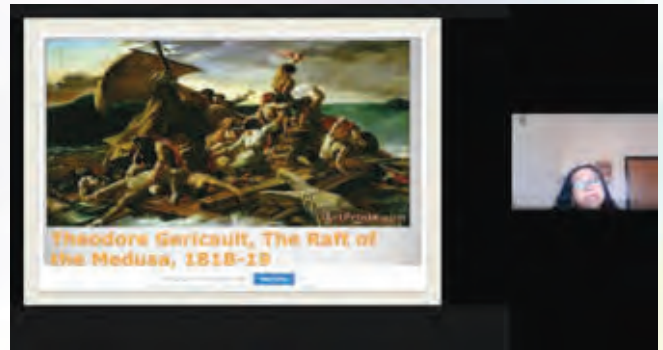
Dr. Vikas Jain speaking on the The Restoration Period on 5th Feb.



Dr. Natasha Vashisht speaking on 'The Medieval Age Drama', 15th Jan.



Dr. Saptarshi Choudhary speaking on The Elizabethan Age, 22nd January.



Dr. Aratrika Das speaking on the The Romantic Period, 20th February.

B.A(Hons) English, like entrance examinations for Masters, M.Phil./Ph.D. and NET examination.

A webinar was organised by the society on Interpreting Abhijanashakuntalam which took place on an online platform Google meet on 28th February 2022. Professor Sadashiv Kumar Dwivedi (Professor of Sanskrit coordinator, Bharat Adyayan Kendra) was the esteemed speaker. He spoke about Sanskrit literature and brought insights to Kalidas's writings. He also demonstrated about the significance of the title Abhijanashakuntalam, the theme of the play.

After the discussion, a question-and-answer round took place, students asked their doubts and questions one by one. Along with this, a feedback form was shared where students were allowed to share their feedback on the webinar. The reviews which most of students have shared were about the length of the

webinar which could be adjusted as the webinar was quite extensive and students were more likely to have better understanding if more of English language has been added to it. The webinar was really interesting followed by a fruitful discussion. Along with the faculty and

other teacher members, around 200+ participants were benefited through the session. The webinar came to an end with the vote of thanks proposed by the host, staff and all the participants.

The webinar conducted turned out to be huge success under the able guidance of society's convener Dr. Ritambhara Misra, event coordinator Dr. Perna Malhotra and all the executive members of the society.

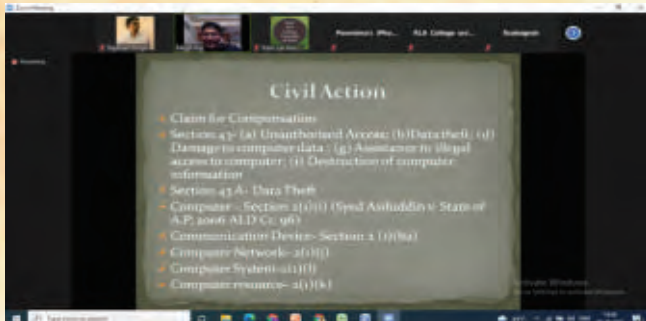
Anjali Panwar, President
Anshika Harit, Secretary
Mr. Taha Yasin, Convener
TIC Dr. Ritambhara Misra

COMMERCE

The Commerce Department of Ram Lal Anand College is a platform that aims to empower young minds to enhance management acumen along with creativity and criticality, in order to unfold the bridge that connects dereliction to future. The vision is to reach out to every student, to erect a multi disciplinary approach, and to inculcate skills, knowledge and self-efficiency, that enables students to not only organise academic events, but also to assess and analyse the business environment.

FINTECH-CERTIFICATE COURSE: It was a 40 skill enhancement Certificate Course and was launched on 30, July, 2021. Our resource person was Mr. Namit Arora, a Financial Analyst from Bank Of America. From mobile banking and insurance to crypto currency and investment apps, FinTech has broad applications. FinTech companies integrate technologies like Alteryx, blockchain and data science, into traditional financial sectors to make them safer, faster and more efficient. This is also very much in demand in the corporate sector. Candidates having learnt FinTech are offered higher salary package. The course recorded 72 registrations from varied courses like Hindi, BMS, Economics and Statistics and from BHU and 19 students successfully completed it.

Cyber Crimes in India: Modus Operandi, Prevention and Punishment- Webinar: The Webinar was organised on October 05, 2021



The poster is for a webinar organized by the Department of Commerce in Association with IOAC at Ram Lal Anand College, University of Delhi. The speaker is Dr. Megh Raj, Assistant Professor, Faculty of Law, University of Delhi. The webinar is scheduled for 5th October, 2021, from 3:00 P.M. to 5:00 P.M. on the Zoom platform. Registration is open, and an e-certificate will be provided to all registered participants. The organizing secretary is Mr. Rajinder Singh, and the principal is Prof. Rakesh Kumar Gupta.

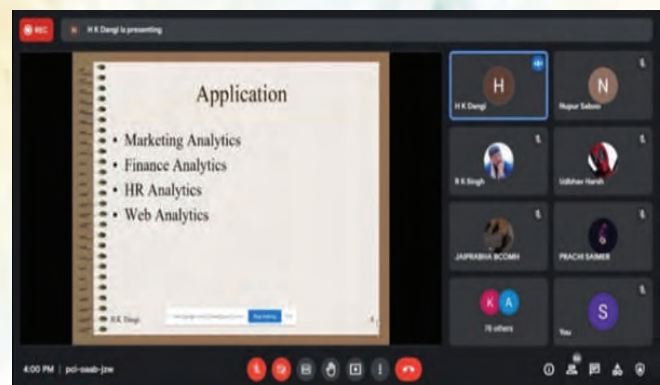
through Zoom to make aware the participants about the cyber crimes prevailing at present time with the faster pace. It was an Inter College event which recorded 281 registrations and participation from 103 people. Speaker for the webinar was Dr. Megh Raj, Assistant Professor, Faculty of Law, University of Delhi. The sole purpose of this webinar was to make people aware about such criminal frauds committed by ill intent persons familiar with technology. The preventive measures were suggested by the experts avoids such online fraud. Indeed, it was quite interactive and informative session for the participants.

ORIENTATION PROGRAM FOR FIRST YEAR STUDENTS: Orientation Program for first year students of Commerce Department was conducted on 11th November, 2021 to acquaint students about the college department and their syllabi. All the teachers and students attended the event.



Changing Fabrics of skills: Millennial at Crossroad- Webinar: It was an Intra College webinar, organised on February 16, 2022 on Google Meet (Virtual). We recorded a total of 80 Registrations and participants. Speakers for the events were Prof R.K Singh, Former Head and Dean, Department of Commerce, University of Delhi and Prof. H.K Dangi, Professor, Department of Commerce The sole purpose of this webinar was to introduce the students with the professional world. In this webinar, students got to learn amazing life tips. Other than this, students explored some more career options and other skills which are necessary to inculcate for a professional life. The students gained a lot of tips on how to present themselves during the initial stage of their career and outshine in the later stages. Indeed, it was quite interactive and informative session for the attendees.

WORKSHOP ON E-FILING OF INCOME TAX RETRURN FOR THE FY 2021-22 : An online, one-day workshop on E-filing of IT return was organised on 15th December, 2021 on ZOOM for teaching and non teaching staff of the college, in collaboration with the IQAC. Speaker for the event was Dr. SB Rathore, Former Associate Professor, Shyam Lal College, University of Delhi. A total of 51 people participated in the workshop, which included Pricipal, teaching and non teaching staff of the college. E-certificates were provided to all the participants.



The Department has organized another webinar on 26th March, 2022 on the titled “Career as Company Secretary”. This webinar was organized to make the students aware

about the career as company secretary where huge opportunities are there in the corporate world as suggested by the professionals of ICSI for the career oriented students. Speakers for the event were Arti J, Shailendar, Joint Director, Students Awareness Cell DTE of Students Service, ICSI, Shri N. Azhaguraja, Expert Faculty, The ICSI. More than 140 students have registered and participated including faculty members in this webinar.



Ka-ChingThe Commerce Society: Kaching, the Commerce Society of Ram LalAnand College, works with a view to strengthen the social and intellectual ability of the students. It aims to inspire and motivate students by arranging lectures, talks, seminars, group discussions, conferences etc. which are held on a regular basis.

Election was conducted efficiently and systematically on the 11th January, 2022 through Google Forms. The voting turnout was almost cent percent, and the following representatives were elected for the respective posts:

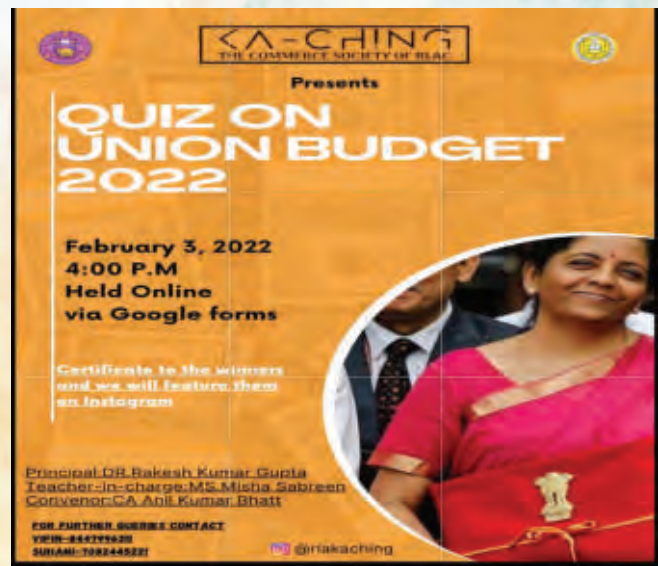
President – Jai Prabha, Vice-President – Anshika Aggarwal, Secretary – Vipin Sharma, Treasurer –Prachi, Joint Secretary –Suhani. After selection students formed their teams in the four departments, namely Corporate Communications, Planning and Operations, Research and Development and Social Media and Marketing.

Kaching welcomed all the new members of the

society with an informative orientation on 30th January 2022, wherein all the intricate details about the society were given.

The society organised the following events:

Live streaming of Union Budget 2022: It was organized on February 1, 2022. It lasted from 90 to 120 minutes and a total of 100 students marked their presence in the meeting. Subsequently, Kaching organised a ‘Quiz on The Union Budget 2022’ on February 3rd through Google forms. The basic agenda of the quiz was to examine the understanding and familiarity of the students with different aspects of The Budget 2022. Every student was encouraged to partake in the quiz with the help of certificates on the social media handle of Kaching.



‘The Cryp Talk’ was successfully conducted on March 12, 2022 via Google meet. Ms.



Naincy Sharma graced the event with her speaking skills and polished the financial skills and ability of our students through her extensive knowledge.

Fin-Holic Fiesta, The Annual Commerce Fest

Fin-Holic Fiesta, The Annual Commerce Fest (held on 22nd April), was successfully completed engaging students from all the courses of the college. The Fiesta was a victorious box of events comprising of two core events and two stall games.



The Fest started with Business Conclave at 10 a.m. in hybrid mode. Our eminent speakers embraced the event with their vast knowledge and enlightened our students with their valuable words. Mr. Reshabh Sharma, Mr. Harsh Goela and Ms. Rakhi Pal were our esteemed speakers for the day. The Conclave witnessed the enthusiastic participation of more than 130 people.

KA-CHING
THE COMMERCE SOCIETY OF RLAC

PRESENTS
BUSINESS CONCLAVE

SPEAKERS

- Rakhi Pal**
Co-founder of Eventbeep
- Harsh Goela**
Co-founder of Goela School of Finance
- Reshabh Sharma**
Founder & CEO - Sparrow Mentor-Google For Startups

FRIDAY
APRIL 22ND, 2022
10AM-12PM
VENUE: HYBRID

@rLakaching

‘Vyaapar Karo, Vichar Karo’ - Mock Stock was the following event which tested the financial and stock market related skills of the students. Mock stock gave some of the most challenging and difficult situations to the students which forced them to think the best of their ability. The fun filled games comprised of the Treasure Hunt and The Balance Sheet. The Treasure Hunt, with its hints, left the different groups with bafflement. The active and keen participation of students made this game a big success. The next game was the Balance Sheet which gave a brief of assets and liabilities to the students and then examined the ability of the same.

All the members of the society with the support of the teachers worked hard to make the events successful. Altogether, the session facilitated learning and enhancement of the skills of the students, along with inculcating the social and moral values in them.

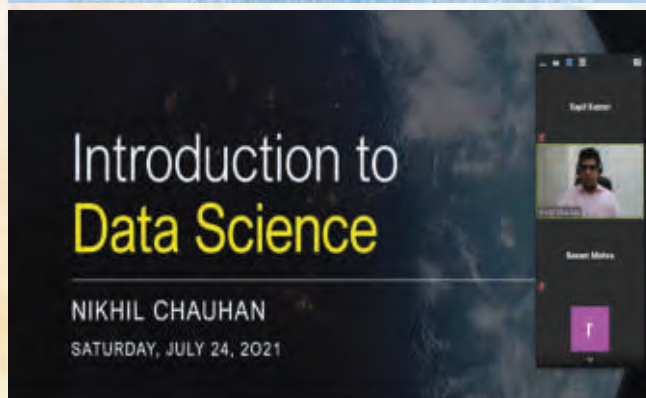
Teacher In-Charge - Ms Misha Sabreen
Convenor- Mr. Anil Kumar Bhatt

MATHEMATICS

Department of Mathematics, Ram Lal Anand College, University of Delhi organized a National webinar on “Introduction to Data Science” on July 24, 2021 in online mode. The speaker of this webinar was Mr. Nikhil Chauhan, Data Science Professional. The webinar was attended by vice principal Dr. Rakesh Kumar, Faculty members (students /faculty/research scholars) from all over India. Mr. Basant Kumar Mishra delivered the inaugural address followed by some inspiring words from the vice principal Dr. Rakesh Kumar. Mr. Nikhil Chauhan started his presentation around 11:20 AM. He discussed about the various areas under the field data science, explained all the necessary skills (analytical, software, verbal) needed to start a career in the field of data science. The interaction between the participants and the speaker was very good, especially undergraduate students. All their queries were successfully answered by the speaker. Mr. Kapil Kumar ended the session with a vote of thanks.

Department of Mathematics, Ram Lal Anand College, University of Delhi organized a national webinar on “Mathematics Behind

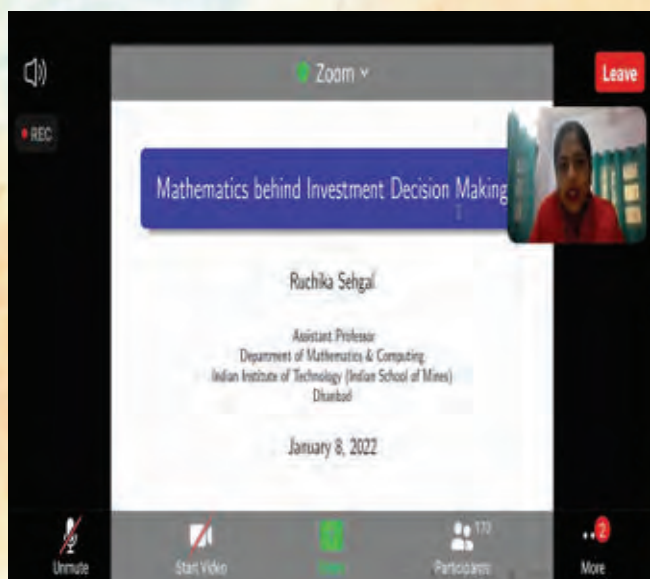
Investment Decision Making” on January 08, 2022 on ZOOM platform. The speaker of was Dr. Ruchika Sehgal, assistant professor,



department of Mathematics & Computing at IIT(ISM) Dhanbad. The webinar was attended by Faculty members and various participants from all over India. Dr. Dileep Kumar welcomed the speakers and all the participants who joined through this virtual platform. Mr. Basant Kumar Mishra delivered the inaugural address and motivated the participants regarding the importance of financial decision making. Dr. Ruchika Sehgal enlightened the participants about various investment options and discussed the portfolio optimization models that aids investors to make financial decisions. She further briefed about higher education opportunities and career options related to financial mathematics. The interaction between the participants and the speaker was very good, especially undergraduate students. All their queries were successfully answered by the speaker. Mr. Kapil Kumar ended the session with a vote of thanks

Next, Department of Mathematics organised its annual departmental fest **Implosion** on March 06, 2022. Prof. Aparna Mehra, professor in the department of mathematics IIT Delhi was the chief guest for this event. She delivered an online talk on the topic “Some Concepts from Linear Algebra” to enlighten

students about the applications of linear algebra. The webinar was attended by Faculty members (Mr. Basant Kumar Mishra, Mr. Kapil Kumar, Mr. Sandeep Bhatt, Dr. Dileep Kumar, Dr. Pooja Bansal) and various participants (students/faculty/research scholars) from all over India. Ms. Kriti Garg welcomed the chief guest and all the participants. Mr. Basant Kumar Mishra delivered the inaugural address and motivated the audience regarding the applications of linear algebra in various fields of science and engineering. Prof. Aparna Mehra enlightened the participants about the notion of eigenvalues and eigenvectors of a matrix, their role in decomposing the matrices into simpler forms specifically singular value decomposition, how these decompositions enabled us to design some fruitful applications in data science. Dr. Dileep Kumar ended the session with a vote of thanks. After the webinar, five events of the mathematics fest were successfully conducted by our students with the help of faculty members.



RAM LAL ANAND COLLEGE
DBT STAR COLLEGE
DEPARTMENT OF MATHEMATICS

MAR 6

IMPLOSION'22

PRESENTUS 1 PM
TIC-TAC-TOE 1:30 PM
CINEFAIRE 2:30 PM
ENIGMA 3:30 PM
MEMETRIX 4 PM

REGISTER HERE

WEBINAR
APARNA MEHRA
PROF. IIT DELHI
LECTURE ON
SOME CONCEPTS OF
LINEAR ALGEBRA

infinite_rlac

DEPARTMENT OF MATHEMATICS
RAM LAL ANAND COLLEGE
(DBT Star College)

Implosion'22

presents

ENIGMA

Win Exciting Cash Prizes

6th March
3:30 pm
@infinity_rlac

Register Here

Coordinators
Poochela
8569961238
Diya
9015348701

DEPARTMENT OF MATHEMATICS
RAM LAL ANAND COLLEGE
(DBT STAR)

Implosion'22

PRESENTS

PRESENTUS

QR Code

Coordinators
Harshita
9588709270
Muskan
7488965539

8th March
1:00 pm
Google Meet

DEPARTMENT OF MATHEMATICS
RAM LAL ANAND COLLEGE
(DBT STAR COLLEGE)

IMPLOSION'22

Presents

MEMETRIX

THE GAME OF MEME-MAKING

REGISTER HERE

FOR QUERIES
Anshika 8252270533
Priyanshu 6356023205

06/03/22
4 PM
@infinity_rlac
@infinity_rlac

WIN EXCITING CASH PRIZES

Let $A \in \mathbb{R}^{n \times n}$
A vector $X \in \mathbb{R}^n, X \neq 0$ is called
eigenvector of A if \exists scalar λ
(real or complex) such that
 $AX = \lambda X$
or $|A - \lambda I| = 0$

DEPARTMENT OF MATHEMATICS
RAM LAL ANAND COLLEGE
(DBT STAR COLLEGE)

IMPLOSION'22

Presents

TIC-TAC-TOE

Scan to register

WIN EXCITING PRIZES!

6th March 2022
01:30 P.M.

Coordinators
Muskan Negi - 9899873713
Rohan Aswal - 9870369945

DEPARTMENT OF MATHEMATICS
RAM LAL ANAND COLLEGE
(DBT STAR COLLEGE)
UNIVERSITY OF DELHI

NATIONAL WEBINAR

ON

SOME CONCEPTS FROM LINEAR ALGEBRA

PROF. APARNA MEHRA
DEPARTMENT OF MATHEMATICS
IIT DELHI

6TH MARCH
11:30 AM

REGISTER NOW

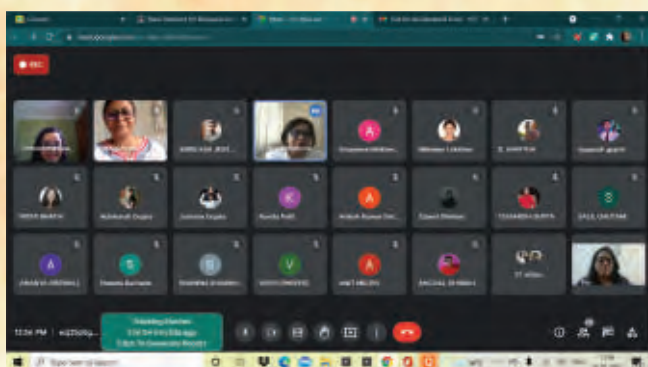
Principal: Prof. Rakesh Kumar Gupta
Convener: Dr. Dileep Kumar
Co-Convener: Mr. Sandeep Bhatt



MIKROBIOLOGIKA

We ushered in the academic year 2021-22, at the Department of Microbiology by organising an Online Certificate Course (40 hours), titled 'Basic Statistics for Biological Sciences', from the 5th of July, 2021 to the 16th of July, 2021, under the aegis of the DBT Star College Scheme. The objective of the course was to orient participants to basic statistics tools used in biological sciences. All sessions included a hands-on component for helping students to gain confidence in the actual handling and representation of data. Fifty nine out of 70 participants successfully completed the course and were awarded graded merit certificates. Distinguished resource persons enlisted for the course include Dr Rita Jain, Assistant Professor, Department of Statistics, Ram Lal Anand College, University of Delhi; Dr Anupama Mukherjee, Principal Scientist, Division of Animal Genetics and Breeding, NDRI, Karnal and Ms Deboshree Das, PhD scholar at International Institute for Population Sciences, Mumbai and an outstanding Alumnus of the Department of Statistics, Ram Lal Anand College, University of Delhi, Batch of 2017.

Seventy-six students of the Department of Microbiology cast their votes in online elections held on the 11th of August, 2021 to elect new office bearers for Mikrobiologika, the Microbiology Society of RLA college.



Abhilash Jeas George and Saumya Samridhi were elected to the posts of President and Secretary, respectively, while Pritika Baranwal was elected unopposed as Vice-President, Mikrobiologika.

As part of the Azadi ka Amrit Mahotsav festivities to mark 75 years of India's Independence, the Department of Microbiology organised an Essay Writing Competition in August and September 2021. Many students keenly participated in the event.



In the month of September, Mikrobiologika organised Bio-matrix: An Online Science Quiz which drew widespread enthusiastic participation from different colleges from all over the country. The preliminary round (with 88 contestants) was held on the Quizziz platform and the final round (with top 10 contestants) was conducted on the Zoom platform, on 5th of September, 2021. On the 2nd of October, Mikrobiologika hosted an online interaction with three outstanding departmental alumni of the Batch of 2014: Rahul Sanwani (PhD student, Mathivanan Lab, La Trobe Institute for Molecular Sciences, La Trobe University, Melbourne, Australia, studying the role of bovine milk-derived extracellular vesicles in cancer progression), Aditya Bajaj and Manasvini Markandey

(Senior Research Fellows, Department of Gastroenterology, AIIMS, working on the gut microbiome and organoids). The interaction was very motivating and inspiring for all the attendees, which included current students and several alumni. The alumni guided students and patiently answered questions about research options in India and abroad.

In collaboration with the Centre for Entrepreneurship & Technology Development Cell (E-cell), Mikrobiologika organised a talk on the 23rd of October 2021, about the BioNEST facility at the University of Delhi, South Campus, which would help students to gain hands-on-training and strengthen their understanding about a number of fundamental techniques used in the research field along with the facilities provided by the BioNEST to develop budding entrepreneurs. The speaker Dr Vijay Kantharia is the current CEO, BioNEST, UDSC. A total of 88 persons attended the online talk. The webinar was informative and appreciated by the participants.

An online departmental orientation programme was organised on the 23rd of November 2021 for the newly admitted first year students in order to convey necessary information to them and acquaint them with the functioning of our department. On the occasion of Constitution Day on 26th November 2021, an online interaction with Ms. Aparajita Sihag (Consultant, NITI Aayog, GoI) was organised for the students of B.Sc. (H) Microbiology I and II Year. Students were informed about the history of drafting of our Constitution, its structure, salient features, the Preamble and were apprised of their fundamental duties. The session concluded with the students reading the Preamble as part of an activity organised by the Ministry of Social Justice and Empowerment. It was very informative and received enthusiastic participation from all the students.

Mikrovitae: The Annual Departmental Fest of Department of Microbiology, Ram Lal Anand College, was conducted from 10th February 2022 to 26th February 2022 in online mode, owing to the COVID-19 pandemic. In order to orient students towards the fundamentals of biological sciences, a number of competitions (Mikromic Strip, Doodlemik, Spin a Mikroverse, Idea Presentation Competition) were held as a part of this Annual Fest. In addition, Prof. V.K. Chaudhary (NASI-Senior Scientist at Centre for Innovation in Infectious Disease Research, Education and Training (CIIDRET), UDSC) delivered a talk on "Antibodies" - ,d uke] vusd dke on the 25th February 2022. Participants and organizers enjoyed the process of putting together and participating in this event. The talk was delivered on the Zoom platform and was attended by over 100 students and faculty from several colleges.

Our students attended and benefitted from several Virtual Science Setu webinars organised by THSTI (3) and NIPGR (20), our Science Setu partners. These events enhanced student awareness about current research activities being pursued by premier research institutes of India. A BSL-2 facility was developed in our department, to facilitate safe-handling and research involving Risk-group 2 pathogens. New equipment acquired by our labs include a PCR machine, micro centrifuge and fluorescent microscope. A DBT-funded workshop was conducted to acquaint staff and students about fluorescence microscopy techniques. Two PhD scholars have associated with our department for the first time in order to pursue their doctoral research.

On the 7th of April 2022 we hosted our first offline Seminar after the pandemic. The talk, which was based on Intellectual Property Rights in Biological Sciences, was delivered by Dr. Chitra Arvind, who is a registered patent agent and an advocate having a wide



Students and faculty of the Department of Microbiology with the Principal on 25th of February, 2022 during Mikrovitae 2022, the annual departmental festival.

sustainable development goals as envisaged by the UN. Nine students from our department enthusiastically enrolled as “Sustainable Champions” for Satva and helped organise a talk on SDG by Dr Deepa Sinha, Asst. Prof. Ambedkar University, Delhi (11th January 2022) and a ‘Good Health Camp’ for underprivileged children (9th April 2022).

And last but not least, we bagged the “Best Microbiology Department Award”, conferred by the Microbiologists Society of India, Delhi on the 8th December, 2021 for the academic session 2020-21. We hope to keep pressing on towards greater goals in the years to come!

**Dr. M Salome John,
Convenor, Mikrobiologika**

**Dr Sudha Chaudhry,
TIC Department of Microbiology**

VISHLESHIKA

Vishleshika, the society of the department of Statistics, Ram Lal Anand College, Delhi University conducts various events around the year to nurture the spirit of Statistics in the students and keep them ignited with seminars, workshops, lectures, competitions, and activities. The aim of these events which have an Industry-Academia provides a 360-degree perspective to the students. It helps them correlate 'theory' with what is being practiced in 'industry' in a more meaningful way and structured manner. More importantly, it helps build up confidence and strengthen their soft skills, bringing Alumni of the Department to share their experiences and familiarize the students with the Industry. Every year RLA college has been organizing its annual inter-college annual festival "Random Walk" which includes a number of competitive events in addition to informative lectures by renowned academicians and experts. The office-bearers of the society have been elected through a democratic process involving students of all three years. Keeping the safety aspect in mind and observance of COVID protocols, online elections were held to choose office-bearers of the society. The students who got elected are Sejal (President), Naman Manchanda (Vice President), Adishi Agrawal (secretary), Khushi Gelera (Treasurer), Shubh and Muskan Mohindroo (Joint Secretary). The students worked wholeheartedly under the guidance of the convener of society.

1. चित्र -Varnan

THE STATISTICS SOCIETY of Ram Lal Anand College, Delhi University organized चित्र - Varnan: an Inter-College Online Photo Prompt Writing & Narration Competition in celebration of "Azadi ka Amrit Mahotsav" on 20th and 21st September 2021. The event was

based on the theme "What is the true meaning of freedom?" The event was held in two rounds with over 50+ registrations from colleges in India including Delhi University, NIT Hamirpur, VIT Vellore, Chandigarh University, Thapar Institute of Engineering and Technology, Saint Joseph College of Commerce to name a few. E-certificates were provided to all the participants.

2. ALUMNITALK by Dr. Anuj Mishra

The Statistics society organized an ALUMNI TALK (online) on 17th January 2022 from 2 PM onwards on the topic "Statistics in Academia, Interdisciplinary Sciences & Industry" by Dr. Anuj Mishra (alumni 2007 batch), presently scientist at Zen Drive. Around 100 students registered for the session and around 85 students attended the session. Dr. Anuj Mishra spoke on the topic "Statistics in the field of Academia, Interdisciplinary Sciences and Industry". He shared a lot of research resources with the students and encouraged them to go in for research. He also shared his experience at College and his journey to Zen drive as a Scientist. He advised the students to be focused in life to achieve any goal. Further, motivated students to do great in their lives, whatsoever they want to pursue.

3. WEBINAR on "Data Collection Methods"

The Statistics society organized a WEBINAR on 15th February 2022 from 12 PM onwards on the topic "DATA COLLECTION METHODS" by Dr. Indranil Saha (Medical Scientist at Indian Council of Medical Research, Kolkata) to supplement the knowledge about the same. Around 120 students attended the session. Dr. Indranil Saha is currently working as a Scientist (Medical) at the Center for Aging and

Mental Health, ICMR, Kolkata, and researches about mental health. He is a former Professor & Head, of the Department of Community Medicine at IQ City Medical College, Durgapur. Dr. Saha threw light on different tools and techniques related to methods of data collection. His incisive perspective, knowledge, and expertise combined with rigorous research on different tools and techniques for data collection enthralled the audience. The excitement of students in gaining more understanding of the subject was palpable in the interactive questions session. Dr. Saha wonderfully addressed the various queries of the students leaving an indelible impression on the young minds. Principal, Prof. Rakesh Kumar Gupta encouraged the students to attend such lectures and gain from the expertise of industry experts.

Random Walk 2022

The Statistics Society celebrated its annual inter-college festival titled “Random Walk” to inculcate the spirit of learning, competitiveness, curiosity, and inquisitiveness among the students.

The festival was held in hybrid mode on 19th and 20th April 2022. The festival included inaugural lecture by an eminent statistician and competitive events wherein the participants had to use statistical acumen to win. Students from prestigious universities /institutes like IIT Delhi, IIT Kharagpur, IIM Indore, IIT Gauhati, NIT , IIMC Hyderabad, IIM Rohtak, IP university, IIM Trichi , NSUT, Symbiosis Pune and many others participated in the event.



SPEAKER SESSION - The inaugural lecture was given by Dr. Ratan Kumar Srivastava on the topic of Epidemiological Study Designs. The hybrid mode session was a success with students from all 3 years of the department, microbiology department along with the professors joining in to take part in the intellectual discussion over the course of 2 hours. Dr R K Srivastava’s in-depth knowledge in the subject, his domain expertise combined with the academic rigor, made the lecture highly impactful. The session which kept everybody engrossed and listening in rapt attention, was an eye-opener for the students, embarking on their academic journey and professional pursuits.

BID WHIST - An online bidding event was conducted as part of the Random Walk’22 on 19th and 20th April, 2022. The event had two rounds - Prelims and Finals, with over 97 registrations for the former. Cash prizes worth Rs.3000 were major attractions. Winners included Gautam Gupta and Yatish Saroya from Ram Lal Anand College and a team of Utsav Agarwal and Hitesh from IIM Rohtak.

MEMETHESIS - A fun event combining Statistics and Memes with an overwhelming 212 participants, mostly non - RLA cians was conducted on the online platform dare to Compete (D2C). This consisted of a fun quiz and guessing game on 19th and 20th of April.

Cash prizes worth Rs.1500 were bagged by TechStack from Surajmal College, and that of Rs. 1000 and Rs. 500 by Chirag Tatad and Thalle Prem Sajan.



ESCAPADE

The first Offline event after two years of pandemic-induced closure was conducted by the Statistics Department at Random Walk 2022. This was an energy-filled treasure hunt for the students of Ram Lal Anand College with an active participation of over 23 teams of which the winners bagged a Cash Prize worth Rs.2500.

Convener: Seema Joshi

The collage features several promotional posters for academic events:

- Webinar on Data Collection Methods:** Hosted by The Statistics Society, featuring Dr. Inoranil Saha, Scientist I (Health) and an expert on the Indian Council of Medical Research, Kolkata. Scheduled for Feb 15, 2022, 12 PM onwards via Google Meet.
- Alumni Talk:** Topic: Statistics in Academia, Interdisciplinary Sciences & Industry. Guest: Dr. Anup Mishra (2007-2010 Batch, Scientist in Residence). Scheduled for 8 PM, Monday, 17th January 2022.
- Webinar on Epidemiological Study Designs:** Hosted by the Department of Statistics, featuring Dr. Ratna KR. Srivastava, Professor & Head, PGIMS Institute of Medical Science, Lucknow.
- Bid Whist and Random Walk 2022 Auction:** A treasure hunt event with a cash prize of Rs. 2500. Scheduled for 14th & 15th April 2022.
- Escapade:** A treasure hunt for all students of the college. Scheduled for 18th & 19th Feb 2022.
- Varnan:** A poster for a competition titled "Varnan" by the Statistics Society, Ram Lal Anand College, University of Delhi.
- Memethesis:** A poster for a meme-making competition titled "Memethesis: Meme it Like it!".

SANGOSHTHI

"Sanghoshthi" is the Seminar\Conference society of our college, which organises monthly lectures\seminars on contemporary issues. This year, Sangoshthi organised its first webinar on 27th July 2021 through Zoom platform on the topic 'Sustainable Development & Renewable Energy'. Our esteemed guest speaker Dr. Praveen Saxena, Chief Executive Officer of Skill Council for Green Jobs talked about the use of renewable energy, energy security, energy pricing, energy policy, renewable energy applications and smart grid technologies. He showed how the alternative and renewable energies would be the most significant energy resources in the near future generating new kinds of jobs and how we could be prepared for this change.

Our next talk was on 'Sustainable Menstruation' on 23rd September, 2021 through Google Meet platform. Our speaker Ms. Japleen Pasricha, Founder-CEO Feminism in India enlightened our audience with her expertise and experience in the area and helped normalise conversation around menstruation. She demonstrated the different solutions that help achieve sustainable menstruation.

Sangoshthi organised an orientation and membership drive on 21st January 2022 under the guidance of our convenor Dr Deepti Bhardwaj. Orientation programme attracted students across various departments and received zealous participation. Rishav Nagule was selected as the President; Utkarsh Amrit the Vice President; Prerit Kala the Co

President; Harsh Raj the Secretary and Gautam Baweja the Joint Secretary. Additionally, 5 teams were put together with every team having 10 members each, namely: creative and design, content and documentation, marking and media management, event management, fundraising and marketing. All The teams contributed in successful organisation of our programmes.

Sangoshthi organised its first seminar in hybrid mode on the topic of 'Profiling the Brahmaputra' On 10th March, 2022 at 11.30 A.M in Seminar hall of our prestigious College. The event was very insightful. Our guest speaker was Dr. Arup Kumar Dutta who is a Padma Shree Awardee and also an Indian author and an eminent journalist enlightened us to understand how a geographical phenomenon can be studied through not just geographical but also historical, social, economic, diplomatic and technological perspectives.

Our last seminar for the academic year was on the topic 'Making Educational Spaces Trans Inclusive' in association with ASMI:- The Gender Sensitization Committee and NSS:- National Service Scheme. This took place in hybrid mode on the 13th of April at 11:00am by Dr. Aqsa Shaikh, Associate Professor in HIMSR, Department of Community Medicine in the Seminar Hall of the college. Dr. Shaikh shared her personal experiences as a trans-woman, the hurdles she faced in the process and suggested various measures that can make educational spaces trans-inclusive.



Sangoshthi
The Seminar Society
Ram Lal Anand College
University of Delhi

Organizes

Orientation and Membership Drive

Date:-21-01-22 Time:- 12:00 PM

Meeting Link:- <https://meet.google.com/rvzncz2-wyym>

Registration Link:- <https://forms.gle/haK7jzcy7gLDwE8>

For Queries
Udharb Anand:- 980521985 | Seek to Register:-
Rishabh Raj:- 9802244723

Dr. Deepthi Bhardwaj
Convener

Prof. Rakesh Kumar Gupta
Principal

Profiling the ब्रह्मपुत्र

MAKING EDUCATION SPACES TRANSFORMATIVE

Dr. Praveen Saxena
Chief Executive Officer

Sangoshthi
Ram Lal Anand College
University of Delhi
Presents

Webinar on Sustainable Menstruation
for school-going girls and teens

Date:-25.03.21
Time:-12:00 pm

SANGOSHTHI
Ram Lal Anand College
University of Delhi

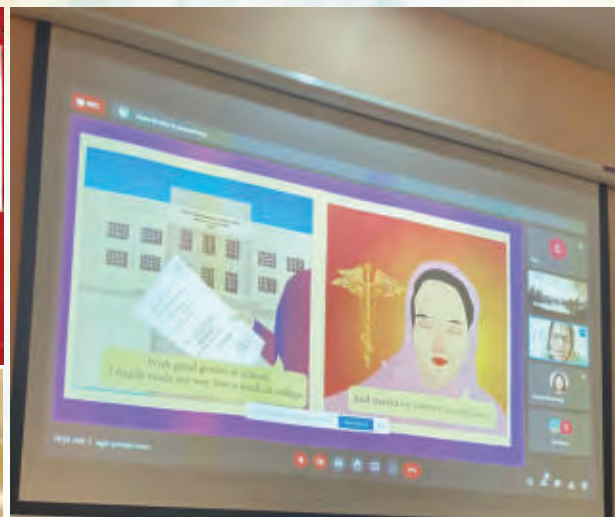
Presents a Webinar
On

'Past, Present, and Possible': Bridging tradition and modernity in Indian urban spaces.

Registration Link:<https://forms.gle/a9B4AGz8Qz95DrPA>

Date:- 01-10-21 Time:- 12:00pm

Speaker: Dr. Ved Prakash Baruah, Asst.



Sangoshthi
Ram Lal Anand College
PRESENTS

SEMINAR ON SUSTAINABLE DEVELOPMENT & RENEWABLE ENERGY

Date: 27th July 2021
Time: 12 Noon
Platform: Zoom Meeting

Zoom Meeting ID: 885 4710 3148
Passcode: 273720

Speaker: **Dr. Praveen Saxena**
Chief Executive Officer

SANGOSHTHI
Ram Lal Anand College
University of Delhi

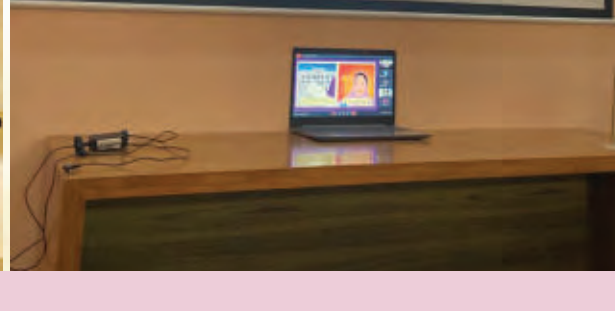
Presents a Webinar
On

'Past, Present, and Possible': Bridging tradition and modernity in Indian urban spaces.

Registration Link:<https://forms.gle/a9B4AGz8Qz95DrPA>

Date:- 01-10-21 Time:- 12:00pm

Speaker: Dr. Ved Prakash Baruah, Asst.



Convener: **Dr. Deepthi Bhardwaj**
Principal: **Prof. Rakesh Kumar Gupta**

Dr. Deepthi Bhardwaj
Convener

Prof. Rakesh Kumar Gupta
Principal

SPORTS FOR ALL

Physical Education is an integral part of the total education system. It helps in the attainment of the ultimate aim of education i.e. the achievement of holistic development. Games and Sports play a vital role in the student's life. A student should study hard to be successful in competitive examinations. But, he should also play games and sports to enjoy the health and vigour of life. Along with bookish learning, a student should spend his time on games and sports also.

Only study or work alone makes us exhaust. We remain no longer efficient to do any work. Sports remove our mental exhaustion. Education without sports is incomplete. The Department of Physical Education and Sports marks itself as one amongst the most efficacious Department of Ram Lal Anand College. It strives to excel at all levels and bring laurels to the college. With the help of college faculty we are continuously improving in sports field.

Considering the concept of "SPORTS FOR ALL" throughout the entire session we organized Inter-department tournaments for students as well as some sports activities for staff (teaching and non-teaching). It is one of the largest co-curricular activity programs that offer an extensive opportunity to all the students and staff. This venture shall enable the students and staff to have fun, learn new sports, enhance social interaction and tests one's physical capability. These competition also offer a break monotony and recreate or re-energise them.

The following events have been organized for the inter-department sports tournaments for students:

- CHESS (MEN & WOMEN)
- KHO-KHO (MEN & WOMEN)
- FOOTBALL · CRICKET
- BADMINTON (MEN & WOMEN)
- VOLLEYBALL (MEN & WOMEN)
- TABLE TENNIS (MEN & WOMEN)



Satish



Kajal



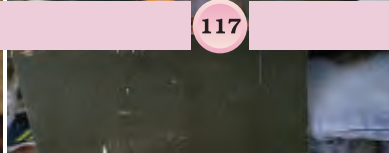
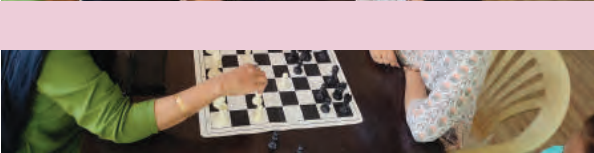
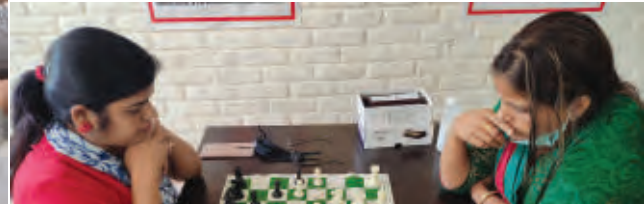
Shravan

For Teaching and Non-Teaching Staff

- CHESS(MEN & WOMEN) · CAROM (MEN & WOMEN)
- TABLE TENNIS (MEN & WOMEN)

OUTSTANDING ACHIEVERS IN SPORTS (2021-22)

NAME	ACHIEVEMENT
GAME:- JUDO	
Kajal / B.A(H) History /1593/ 3RD YEAR	Participation In North Zone Inter University Tournament, Kanpur
GAME:-KHO-KHO	
SHRAVAN/ B.A(P) /197/1ST YEAR	Gold Medal In Delhi State Kho-Kho Championship, JLN Stadium
SATISH/B.A.(H) Poli Sci/ 2ND YEAR	Silver Medal In Delhi State Kho -Kho Championship, JLN Stadium



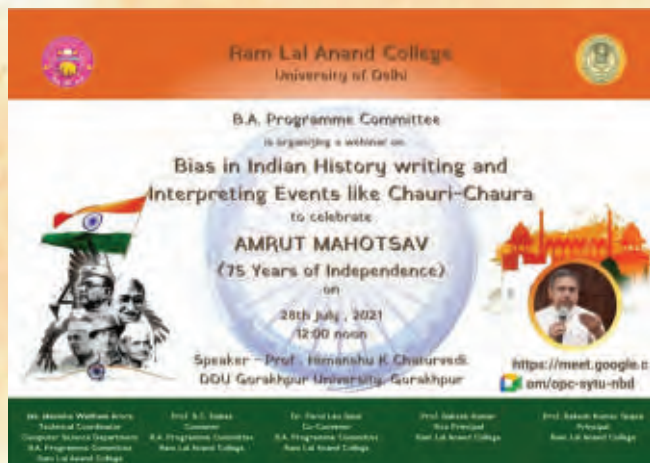
SERENITY

Serenity, the B.A. Programme Society of Ram Lal Anand College under the Convenorship of Prof. S.C. Dabas with the following committee members Dr. Parul Lau Gaur (Co-convenor), Dr. Suneyana Sharma, Dr. Vijay Bhatia, Ms. Manisha Arora, Dr. Manvesh Das, Mr. Basant Mishra, Dr. K.G. Tyagi and Ms. Pallavi actively engaged students in Departmental Activities and Events in the Academic Session 2021-22.

Office Bearers for Session 2021-22

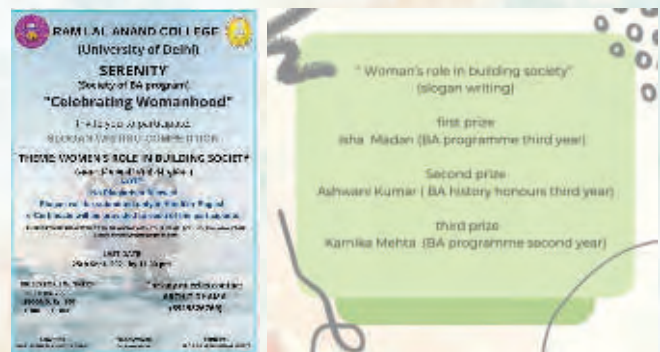
- * Archit Dhama (President)
- * Aarti Nayak (Vice-President)
- * Arpit Rai (Secretary)
- * Sajal Chaudhary (Joint-Secretary)

The committee organised a webinar on 'Bias in Indian History writing and interpreting events like Chauri - Chaura' on 28th July 2021. The esteemed speaker Prof. Himanshu K Chaturvedi from Deen Dayal Upadhyaya University, Gorakhpur who is also a member of Indian council of Historical Research deliberated on the aforesaid theme. He emphasised on the importance of narratives rather than events in history and brought out

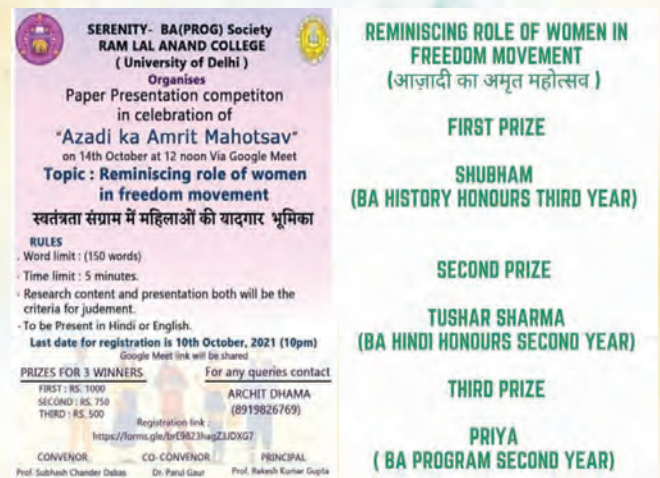


the significance of Chauri-Chaura which has otherwise been ignored in the course of freedom struggle. A great interest was taken by substantial number of students in attending the webinar.

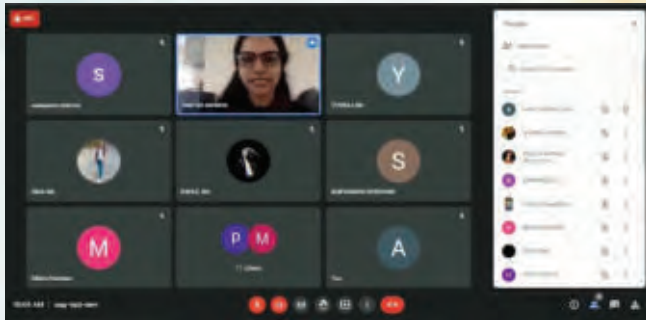
Another event organised by the society was an Inter College 'Bi-lingual slogan writing competition on the theme Women's Role in Building Society' on 25.09.2021.



An Inter-College Paper Presentation competition celebrating 'Azadi ka Amrit Mahotsav' on the theme 'Reminiscing Role of Women in the Freedom Movement' was organised on 14.10.2021. Many students participated in this enthusiastically and contribution of women were highlighted.



The society in collaboration with the Department of Economics also organised a 'Workshop on Data Analysis with R Studio'.



RAM LAL ANAND COLLEGE
(University of Delhi)
SERENITY
B.A. PROGRAM SOCIETY

In collaboration with
DEPARTMENT OF ECONOMICS
Presents
WORKSHOP ON
"DATA ANALYSIS WITH R STUDIO"

Resource Person



Ms. Supriya Sardana
Assistant Professor
Apeejay School of Management, Dwarka

Date and Time
30th October, 2021
1st November, 2021
(10a.m - 11:30a.m.)
(same timing for both days)

For Further details contact
9318307159 (Aarti Nayak)
9818326364 (Akshil Kumar)

Registration is required*
[CLICK HERE](#)

Platform : ZOOM

FREE WORKSHOP FOR TWO DAYS ALONG WITH CERTIFICATE
(Certificate of participation will be provided in a soft copy)

Principal Prof. Rakesh Kumar Gupta	Convenor B.A. Prog society Prof. S.C Dabas	Teacher-In-Charge Department of Economics Dr. Pragya Shankar	Course Coordinator Dr. Sunenrya Sharma
----------------------------------------------	---------------------------------------------------------	---------------------------------------------------------------------------	--------------------------------------------------

Another event organised by the Society was an Inter College 'Hand-Made Poster Making Competition' on 25.02.2022.

SERENITY
B.A. Program Society
Ram Lal Anand College
University of Delhi
organises
HAND-MADE POSTER MAKING INTER COLLEGE
COMPETITION
on following
Topics

In English

- Man and Nature
- Cultural pride of India
- Women Empowerment
- Country Development Journey
- Azadi Ka Amrit Mahotsav

CASH PRIZES FOR WINNERS

First- Rs. 1000
Second- Rs. 750
Third- Rs. 500

(on any one topic)
Send your entries to: serenity@ramlalanandcollege.com
Last date for submission is 25th February, 2022

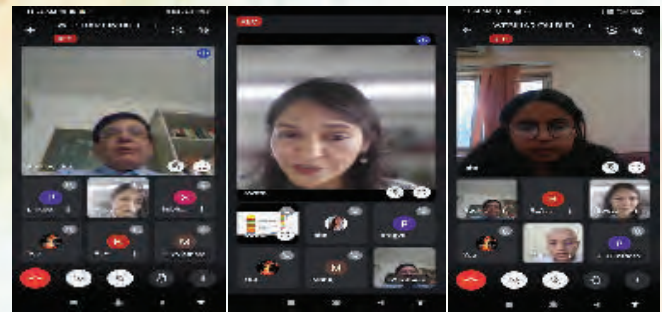
Prof. Rakesh Kumar Gupta
PRINCIPAL

Prof. Subhoj Chandra Dabas
CONVENOR

HAND-MADE POSTER MAKING
INTER COLLEGE COMPETITION RESULT

- **FIRST PRIZE**
BHARTI GUPTA
B.A. Prog 2nd Year
(KALINDI COLLEGE)
- **SECOND PRIZE**
JAYA PANDEY
BSC. C.S Hons 1st Year
(RAM LAL ANAND COLLEGE)
- **THIRD PRIZE**
VANSHIKA
B.A. Prog 1st Year
(KALINDI COLLEGE)

The Society in collaborations with Department of Economics also organised a webinar on 'Budget 2022: Outcome & Analysis'.



RAM LAL ANAND COLLEGE
(University of Delhi)
SERENITY
B.A. PROGRAM SOCIETY
In collaboration with
DEPARTMENT OF ECONOMICS
BUDGET 2022 : OUTCOME & ANALYSIS




Prof. Raghendra Jha
Emeritus Professor (Economics)
Assamite National University

Prof. Manoj Panda
Former Director
Institute of Economic Growth

Dr. Sunita Saxena
Chief, Macroeconomic Policy
and Analysis, UNESCAP

Date and Time
25th February, 2022
11:00 a.m. - 1:00p.m.

Platform : Google Meet

For further details contact:
8919826269 (Aarti Dharma)
9318307159 (Aarti Nayak)
Registration is required!
<https://forms.gle/2Dm6a5G3177191604>

Principal
Prof. Rakesh Kumar Gupta

Convenor
B.A. Prog Society
Prof. S.C Dabas

**Teacher-In-Charge
and Moderator**
Dr. Pragya Shankar

Webinar Coordinator
Dr. Sunenrya Sharma

Another event organised by the Society was an Inter College 'Quiz competition on the theme 'Azadi Ka Amrit Mahotsav' on 12.03.2022.

SERENITY
B.A. Program Society
Ram Lal Anand College
D.B.T. Star College
University of Delhi

QUIZ ON
75th
Azadi Ka
Amrit Mahotsav

REGULATIONS

1. Quiz competition is online.
2. Quiz session will be conducted on 12th March, 2022 (Saturday) at 11:00 AM.
3. Quiz will be held in Hindi.

CASH PRIZES

1 st Prize - Rs. 1000	2 nd Prize - Rs. 750
3 rd Prize - Rs. 500	4 th Prize - Rs. 250

Open For All (Students of Ram Lal Anand College)

Date: 12th March 2022, Saturday at 11:00 pm

Registration Link:
<https://forms.gle/9p14H7w4533hgVr1c28>

Prof. Rakesh Kumar Gupta
PRINCIPAL

Prof. Subhoj Chandra Dabas
CONVENOR

QUIZ ON AZADI KA AMRIT MAHOTSAV
RESULT

- **FIRST PRIZE**
NARESH PANWAR
(B.A. Prog 2nd Year)
- **SECOND PRIZE**
BRJESH KISHOR MISHRA
(B.A. Mathematics Hons 1st Year)
- **THIRD PRIZE**
VISHAL
(B.A. Prog 3rd Year)

‘सेरेनेटी’ समिति बी.ए. प्रोग्राम द्वारा महिला दिवस पर आयोजित प्रतियोगिता की कुछ झलकियाँ

नारी तू नारायणी इस जग का आधार।
युगों-युगों से पाल रही ये सारा संसार॥
आकाश

जिम्मेदारी संग नारी, भर रही है उड़ान।
ना कोई शिकायत, ना कोई थकान॥
शिवानी

पुरुषों और महिलाओं के बीच
है अभी गहरी खाई,
इसलिए महिलाएँ लड़ रही हैं
अपने अधिकारों की लड़ाई।
काजल

*When Women support
each other. Incredible
things Happen*
Karnika Mehta

हे नारी तुझे सलाम
समर्पित किए राष्ट्रनिर्माण में
न जाने कितने लाल।
भगत सिंह, आजाद और कलाम॥
कशिशा हंस

*The multiple roles that
women can play in a
society if given the
opportunity is really
a tremendous asset*
Isha Madan

कशिशा हंस

रितिशा ढपोला




*Women are very important in building society.
Development cannot happen to the country unless you give proper education to women.
Give respect to women because they build the society and society build the nation.
Restrict women's growth, that means you restrict the nation's growth.*

Ayushi Singh

महिला परिवार बनाती है, परिवार घर बनाता है, घर समाज बनाता है और समाज ही देश बनाता है। इसका सीधा-सदा अर्थ यही है कि महिला का योगदान हर जगह है। महिला की क्षमता को नज़रअंदाज़ करके समाज की कल्पना करना व्यर्थ है। एक स्त्री अपने जन्म से लेकर जीवन के अन्त तक वह एक बेटी, बहन, पत्नी, माँ और अन्य रिश्तों के रूप में विभिन्न भूमिकाएँ निभाती है। मुख्य भूमिका एक पत्नी और माँ के रूप में हैं। अपने हौसले से नारी भर रही ऊँची उड़ान न कोई शिक्षायत न कोई थकान। पुरुष और महिला एक समाज जन जन का हो अब यही आह्वान। महिलाओं को दें पूरी शिक्षा का अधिकार देश-समाज का है यह आधार। महिलाएँ देश को आगे बढ़ाती समाज को तरक्की की राह पर लाती।

लिखाम राम



A girl is someone's daughter first, then someone's wife, aunt, daughter-in-law, mother, grand mother and many more. She endures through many stages of life proudly.

Her role is very important in building society. A child's first teacher is her mother. She teaches her child to be successful and most importantly being a good human being. She trains her in such a way that even when her child faces many problems, they learn how to fight against. Children are the future of our country and the women who help her children and teaches them good qualities are very important to our society.

It is said, God is not present everywhere to protect everyone that's why he created mother.

Today they have changed the system from 'women can't do women can do. There are many examples of women achievers in every field, like Mother Teresa in Social Life, Sunita Williams in Space research and many more, who have directly or indirectly played a role in building the society and the nation.

Bhargabi Seth 'Serenity'
B.A.(Prog.) 2nd Year

Archit Dhama
(President)

ऑनलाइन आयोजन लोकल से ग्लोबल तक

रामलाल आनंद महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के विद्यार्थियों के लिए शैक्षिक सत्र 2021-22 में अनेक आयोजन किए गए। सत्र का अधिकांश समय ऑनलाइन रहा, लिहाजा आयोजन भी अधिकतर ऑनलाइन ही हुए। मातृ भाषा दिवस पर कविता पाठ और पत्रकारिता में ट्रॉमा साक्षरता नामक आयोजन का स्वरूप ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों रखा गया।

आयोजनों की शुरुआत 9 अगस्त 2021 को आजादी का अमृत महोत्सव के तहत 'आजादी / 75 : पत्रकारिता के दायित्व और चुनौतियां' विषयक वेबिनार से हुई। इसमें विशेषज्ञ के तौर पर इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मास कम्युनिकेशन (आईआईएमसी) के रेडियो, टीवी जर्नलिज्म विभाग के कोर्स डायरेक्टर प्रो. गोविंद सिंह और वरिष्ठ पत्रकार एवं लेखक अरुण त्रिपाठी शामिल हुए। विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार ने वक्ताओं का स्वागत करते हुए विषय की रूपरेखा रखी। तत्पश्चात प्रो. गोविंद सिंह ने तथ्यात्मक जानकारी देते हुए चरणबद्ध तरीके से हिंदी पत्रकारिता की चुनौतियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने वक्तव्य की शुरुआत

स्वतंत्रता पूर्व की पत्रकारिता और देश की आजादी में उसकी भूमिका को स्पष्ट करते हुए की। वेबिनार के अन्त में हिंदी विभाग के शिक्षक प्रो. संजय कुमार शर्मा ने सभी का धन्यवाद करते हुए कार्यक्रम के समापन की घोषणा की।

इसी क्रम में 9 अक्टूबर 2021 को 'न्यायालय की अवमानना और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता' विषय पर एक सेमिनार आयोजित किया गया, जिसमें उच्चतम न्यायालय दिल्ली के अधिवक्ता राजीव तिवारी और न्यूज़ 24 के असिस्टेंट एडिटर प्रभाकर मिश्रा वक्ता के रूप में शामिल हुए। दोनों वक्ताओं ने अपने ज्ञान, अनुभव और प्रयोग के आधार पर विद्यार्थियों को न्यायालय की अवमानना से अवगत कराया। अधिवक्ता राजीव तिवारी ने बताया कि न्यायालय की अवमानना का आशय न्यायालय के किसी काम में बाधा उत्पन्न करना और न्यायालय के आदेश को न मानना तथा न्यायिक प्रक्रिया के ऊपर निराधार टिप्पणी करने से है।

हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार पाठ्यक्रम में दाखिला लेने वाले विद्यार्थियों के लिए परिचय कार्यक्रम 18





जनवरी 2022 को रखा गया। विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार ने विभाग और उसमें होने वाली गतिविधियों के बारे में बताया। साथ ही विभाग के शिक्षकों की विशेषज्ञता के बारे में जानकारी देते हुए विभागीय गतिविधियों में बढ़-चढ़ कर सहभागिता करने को प्रेरित किया। तत्पश्चात सभी विद्यार्थियों ने बारी बारी से अपना परिचय देते हुए अपनी रुचियों से अवगत कराया। विभाग के शिक्षकों ने भी बारी बारी से अपनी बात रखी।

इसी कड़ी में विभाग ने 19 व 20 फरवरी 2022 को दो दिवसीय 'डिजिटल सेफ्टी एंड प्राइवैसी' कार्यशाला का आयोजन किया, जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में अतुल आनंद को आमंत्रित किया गया। कार्यशाला में डाटा चोरी, ऑनलाइन खरीदारी, पासवर्ड सुरक्षा व निजी जानकारियां जैसे गंभीर मुद्दों पर जानकारी साझा की गई और विद्यार्थियों को इस प्रयोगात्मक कार्यशाला के माध्यम से कुशल बनाया गया।

विभाग ने 21 फरवरी 2022 को मातृ भाषा दिवस पर मातृ भाषा लोकगीत उत्सव का आयोजन किया, जिसमें उन्हें मातृ भाषा की महत्ता के बारे में पाठ्यक्रम संयोजक की ओर से बताया गया। इसी कड़ी में अनेक विद्यार्थियों ने बारी-बारी से अपनी मातृ भाषा में कविताओं का पाठ किया। इस कविता पाठ में कई विद्यार्थियों ने स्वरचित कविताओं का पाठ किया तो कई ने दूसरे कवियों की रचनाओं का पाठ किया। इसमें भोजपुरी, अवधी, मैथिली आदि अनेक भाषाओं की कविताएं सुनने को मिलीं।



सत्र के आयोजनों की अंतिम कड़ी के रूप में 'पत्रकारिता में ट्रॉमा साक्षरता' विषयक इंटरनेशनल वेबिनार आयोजित किया गया। इसमें देश के अनेक राज्यों सहित दुनिया के कई देशों के विशेषज्ञों ने लिया हिस्सा लिया। महाविद्यालय के हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग और यूके के लिंकन विश्वविद्यालय के सहयोग से तीन सत्रों में आयोजित होने वाले वेबिनार में भारत सहित यूके, नेपाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान, श्रीलंका, भूटान आदि देशों के विशेषज्ञों ने शिरकत की। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के तौर पर इंडिया टीवी के सलाहकार संपादक अजय कुमार ने अयोध्या, 9/11 की घटना और लखीमपुर खीरी में हुए घटनाक्रम का जिक्र करते हुए पत्रकारिता में ट्रॉमा की बात की। मुख्य वक्ता व लिंकन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ इंग्लिश एंड जर्नलिज्म के संयोजक ओलाटुनजी ओगुनेमी ने पत्रकारिता में ट्रॉमा साक्षरता को नया और मुख्य मुद्दा बताया। साथ ही उन्होंने पत्रकारिता की शिक्षा में ट्रॉमा साक्षरता को शामिल करने और इसे व्यवहार में लाने की वकालत की। दूसरी मुख्य वक्ता सेंटर फॉर कल्चर मीडिया एंड सोसायटी शेफील्ड हल्लम यूनिवर्सिटी की डॉ. लाडा प्राइस थीं, जिन्होंने कहा कि पत्रकारिता बहुत संवेदनशील कार्य है, जिसका प्रभाव न सिर्फ आम जनता पर पड़ता है बल्कि खुद पत्रकार पर भी पड़ता है। दूसरे सत्र में नेपाल के प्रो. चिरंजीवी खनाल ने भूकम्प आने और कुछ समय पहले आई आपदा के समय किस तरह की ट्रॉमा की स्थिति उत्पन्न हुई, उससे पत्रकार कितना प्रभावित रहे, इस पर बात रखी। श्रीलंका से डॉ. अचला अबेकून ने देश में मौजूदा समय के हालात से किस तरह

पत्रकारों को जूझना पड़ रहा है, इस पर बिन्दुवार बताया। भूटान से जुड़ी डॉ. पल्लवी मजूमदार ने बताया कि ट्रॉमा हर जगह है। इसकी शिक्षा भी हर जगह होनी चाहिए। पाकिस्तान के पेशावर से जुड़े वरिष्ठ पत्रकार मो. शाहिद का कहना था कि हमारे यहां पत्रकार यूनियनों का संपर्क मनोचिकित्सकों से रहता है, जिससे समय-समय पर पत्रकार उनसे ट्रॉमा के संबंध में सलाह लेते हैं। भोपाल के शाहरोज अफरीदी, इन्द्रप्रस्थ कॉलेज-दिल्ली विवि की डॉ. तनुश्री, प्रेसीडेंसी कॉलेज बंगलुरु की डॉ. शिल्पा कल्याण, एमिटी विवि की डॉ. अंशु अरोड़ा, मौलाना अब्दुल कलाम आजाद विवि-पश्चिम बंगाल की डॉ. मौमुखर्जी दास ने भी ट्रॉमा साक्षरता की जरूरत पर बल दिया। केन्द्रीय विवि जम्मू की डॉ. अर्चना कुमारी ने वेबिनार का संचालन किया। आयोजन की शुरुआत में संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने वेबिनार की रूपरेखा रखी तो प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता ने वक्ताओं का स्वागत करते हुए विभाग में होने वाले बदलावों को रेखांकित किया। माइक्रोबायलाजी विभाग की प्रो. प्रेरणा दीवान ने सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया।

इन आयोजनों के बीच विभाग के द्वारा केन्द्र सरकार के स्वायत्त संस्थान विज्ञान प्रसार के संयुक्त तत्वावधान में

‘विज्ञान व पर्यावरण संचार में अनिवार्य कौशल’ विषय पर एक सर्टिफिकेट कोर्स चलाया, जिसमें दिल्ली विश्वविद्यालय के विभिन्न कालेजों के 80 विद्यार्थियों ने सहभागिता की। 9 अक्टूबर 2021 से 19 दिसम्बर 2021 तक 40 घंटों के इस कोर्स में विज्ञान व पर्यावरण संचार संबंधी विभिन्न विषयों से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। कोर्स की शुरुआत और समापन आनलाइन समारोह में किया गया जिसमें विज्ञान प्रसार के निदेशक नकुल पाराशर, विशेष अतिथि के रूप में माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि के कुलपति केजी सुरेश, कालेज प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता सहित अनेक विशेषज्ञों ने अपनी बात रखी। संयोजक प्रो. राकेश कुमार ने कोर्स की महत्ता पर बात की।

इन सभी आयोजनों में अलग-अलग सह संयोजक के रूप में विभाग के शिक्षक डॉ. अटल तिवारी, डॉ. सीमा भारती, डॉ. प्रदीप कुमार, डॉ. निशा सिंह और सुश्री श्वेता आर्या की प्रमुख भूमिका रही। साथ ही पत्रकारिता के विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लेते हुए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया।

प्रो. राकेश कुमार
संयोजक, हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार
रामलाल आनंद महाविद्यालय, दिल्ली विवि



‘समदृष्टि’ एवं ‘सृजन’ समिति

‘समदृष्टि’ एवं ‘सृजन’ समिति ने 2021–2022 सत्र के दौरान अलग-अलग कार्यक्रमों का आयोजन किया। वार्षिक पत्रिका के संपादन मण्डल के लिए महाविद्यालय के विभिन्न विभागों से विद्यार्थियों ने अपनी रुचि और रचनात्मकता के अनुरूप अपनी रचनाएं भेजी। सभी विद्यार्थियों की रचनाएं देखने के बाद हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की तृतीय वर्ष की छात्रा गीतू कत्याल, हिंदी विभाग की तृतीय वर्ष की छात्रा अंजलि समेत अन्य दो विद्यार्थियों का चुनाव किया गया।

इस सत्र की प्रथम प्रतियोगिता का आयोजन 22 सितंबर 2021 को ‘आजादी का अमृत महोत्सव’ के अवसर पर कराया गया। प्रतियोगिता का विषय ‘पर्यावरण और जीवन’ रखा गया था। महाविद्यालय से लगभग 40 विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। सभी विद्यार्थियों को पुरस्कार और विजेताओं को नकद धन राशि देकर पुरस्कृत किया गया। इस प्रतियोगिता में प्रीति सिंह ने प्रथम स्थान, बिक्री ने दूसरा और कुलदीप ने तृतीय स्थान हासिल किया था।

महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका के लिए रचनाएं भेजने के लिए समिति ने विद्यार्थियों को 20 जनवरी तक का समय दिया। पत्रिका के लिए विद्यार्थियों ने ढेर सारी रचनाएं भेजी जिसमें कविताएं, कहानियां, गज़ल और लेख आदि शामिल थे। ये सभी रचनाएं विद्यार्थियों द्वारा स्वयं लिखी गई हैं।

समिति ने 22 फरवरी को ‘मातृ भाषा दिवस’ के उपलक्ष्य में अंतः महाविद्यालय लेखन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया जिसमें 35 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता के लिए विद्यार्थियों ने अपनी-अपनी मातृ भाषा में रचनाएं प्रस्तुत की। इस प्रतियोगिता में हिंदी विभाग के हिमांशु को प्रथम स्थान, हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग की मीनाक्षी ने दूसरा और गीतू ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। विजेताओं को धन राशि से पुरस्कृत किया गया। पत्रिका के लिए विद्यार्थियों ने अपनी ढेर सारी कविताएं और कहानियां भेज कर अपनी रचनात्मकता का परिचय दिया।

गीतू कत्याल
बीजेएमसी, तृतीय वर्ष

‘समदृष्टि’ एवं ‘सृजन’ समिति
राम लाल आनंद महाविद्यालय
(डीसीटी स्टार कॉलेज)
दिल्ली विश्वविद्यालय

आजादी का अमृत महोत्सव

मातृ भाषा दिवस (22-2-22) के उपलक्ष्य में
प्रस्तुत है अंतः महाविद्यालय लेखन प्रतियोगिता
आप सभी की रचनाएं आमंत्रित है

- रचना मौखिक और मातृ भाषा विषय पर केंद्रित होनी चाहिए।
- रचना भेजते समय नाम, कोर्स और मोबाइल नंबर जरूर लिखें।
- रचनाएं अंग्रेजी या हिंदी में हो सकती हैं।
- आपकी रचना कहानी, लेख और कविता के रूप में हो सकती है।
- रचना भेजने की अंतिम तिथि 22 फरवरी है।
- अपनी रचना rlac.samdrishti22@gmail.com पर भेजें।
- सभी प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र दिया जाएगा।
- विजेताओं को प्रमाण-पत्र और धन राशि से पुरस्कृत किया जाएगा।

प्रथम पुरस्कार - 1000/-
द्वितीय पुरस्कार - 700/-
तृतीय पुरस्कार - 500/-

रजिस्ट्रेशन के लिए क्लिक करें

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - गीतू कत्याल (8588019992)
अंजलि (9319521335)

डॉ. सुभाष चंद्र इलाह
संयोजक
‘समदृष्टि’ एवं ‘सृजन’ समिति

डॉ. रामेश कुमार गुप्त
आचार्य
राम लाल आनंद महाविद्यालय

‘समदृष्टि’ और ‘सृजन’ समिति
राम लाल आनंद महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

**‘समदृष्टि’ पत्रिका शैक्षणिक सत्र 2021-2022 हेतु
अपनी रचनाएं भेजें**

- रचना भेजते समय नाम, वर्ष, कोर्स और मोबाइल नंबर लिखना ना भूलें।
- रचना मौखिक होनी चाहिए।
- रचना कहानी, कविता, लेख - आलेख, व्यंग्य और कार्टून आदि के रूप में हो सकती है।
- भाषा का माध्यम हिन्दी या अंग्रेजी।
- रचना भेजने की अंतिम तिथि 20 जनवरी 2022।

अपनी रचना rlac.samdrishti22@gmail.com पर भेजें

संपर्क सूत्र - गीतू कत्याल (8588019992)
अंजलि (9319521335)

डॉ. सुभाष चंद्र इलाह
संयोजक
‘समदृष्टि’ और ‘सृजन’ समिति

डॉ. रामेश कुमार गुप्त
आचार्य
राम लाल आनंद महाविद्यालय

‘समदृष्टि’ और ‘सृजन’ समिति
राम लाल आनंद महाविद्यालय
दिल्ली विश्वविद्यालय

प्रस्तुत करती है
अंतः महाविद्यालय पोस्टर मेकिंग प्रतियोगिता

विषय
स्वच्छता/Cleanliness
विश्व शांति/world peace
आजादी का अमृत महोत्सव/Azadi Ka Amrut Mahotsav
पर्यावरण और जीवन/Environment and Life

नियम:

1. पोस्टर हाथ से बना और मौखिक होना चाहिए।
2. पोस्टर में इस्तेमाल भाषा अंग्रेजी और हिंदी हो सकती है।
3. पोस्टर 4 में से किसी 1 विषय पर होना चाहिए।
4. पोस्टर भेजने की अंतिम तिथि 22-सितंबर-2022 है।
5. अपना पोस्टर Samdrishti22magazine@gmail.com पर भेजें।
6. मेज में (नाम, फोन नंबर, कोर्स) लिखना न भूलें, अन्यथा आपका पोस्टर स्वीकार्य नहीं होगा।
7. विजेताओं को धन राशि और प्रमाण-पत्र से पुरस्कृत किया जाएगा।

प्रथम पुरस्कार - 1000/-
द्वितीय पुरस्कार - 750/-
तृतीय पुरस्कार - 500/-

रजिस्ट्रेशन के लिए क्लिक करें

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें - गीतू (8588019992)

डॉ. सुभाष चंद्र इलाह
संयोजक
‘समदृष्टि’ और ‘सृजन’ समिति

डॉ. रामेश कुमार गुप्त
आचार्य
राम लाल आनंद महाविद्यालय

TAWARIKH

The Department of History, Ram Lal Anand College, mission is twofold: to introduce students to the breadth and depth of the human experience by a comparative study of past and contemporary societies and cultures, and to develop their ability to conduct research, critically analyse and assess evidence, and articulate sound conclusions both orally and in writing. We seek to educate students in the complexities of historical inquiry, to develop their critical thinking skills, and to improve their understanding of the world around them. We also seek to impart essential workforce skills, such as writing, reading comprehension, and communication. Above all, the Department's endeavour is holistic development of the students through a judicious mix of academic and extra-academic activities

The History Society, Tawarikh organised an online inter-college quiz competition Gadar to Gantantra over a course of two days during 21-22 September, 2021. The society also organised an online -freshers welcome for the batch of 2021-24. Filled with music, dance, games and a lot of fun, this three hour long programme familiarised the students with their seniors and each other as well.

In teaching history, the Department always lays emphasis on learning from first-hand experience and organises a student trip to historical monuments every year. These trips serve as important learning tools and also enhance bonding among students. Red fort/Laal Qila was the destination of this year's heritage walk. Dr N.K. Pandey, Dr Arvind Kumar and Dr K.G. Tyagi accompanied students. In the trip, the students were explained how architecture was used to articulate political ideology and showcase amalgamation of cultures.

In tune with the College's vision of skill development of the students, the Department introduced an online certificate course on Public Policy. The proposed course re-imagines public policy from the bottom-up and explore innovative approaches to public policy strategy, design and delivery in contemporary times marked by economic meltdowns, deepening digital divide and rapidly mutating invisible virus accentuating inequity and much social turmoil in many parts of the globe. As a part of our monthly Lecture series, Professor Raziuddin Aquil, Department of History, University of Delhi, delivered a lecture on the 'Sufi and State in Medieval India' on 19th April 2022.





The Tawarikh also organised a three-day departmental Historical tour to Manali, Himanchal Pradesh. Dr N.K. Pandey and Dr K.G. Tyagi supervised all the activities and undertakings during the visit. The trip was aimed to break the monotony of

overwhelming schedules and also give an experience of beyond the college. Moreover, the students were educated and familiarised profusely with the local deities and their significance in the shaping of tradition.



आजादी का अमृत महोत्सव

हिंदी विभाग के आयोजनों के केंद्र में रहा आजादी का अमृत महोत्सव

रामलाल आनंद महाविद्यालय के हिंदी विभाग ने शैक्षिक सत्र 2021-22 में अनेक आयोजन किए। इसकी शुरुआत आजादी का अमृत महोत्सव के तहत हिंदी दिवस यानी 14 सितम्बर 2021 पर आयोजित एक संगोष्ठी से होती है। संगोष्ठी के वक्ता प्रो. नरेश मिश्र थे और विषय 'हिंदी का प्रयोग मानक और स्वाभिमान से हो' रखा गया था। प्रो. मिश्र ने बताया कि किसी भी भाषा को सीखने-सिखाने में सहायक या बाधक बनने वाले दो प्रमुख तत्व हैं— उसका व्याकरण और लिपि। भारतीय संघ तथा कुछ राज्यों की राजभाषा स्वीकृत हो जाने के फलस्वरूप हिंदी का मानक रूप निर्धारित करना बहुत आवश्यक था ताकि वर्णमाला में सर्वत्र एकरूपता रहे। टाइपराइटर आदि आधुनिक यंत्रों के उपयोग में लिपि की अनेकरूपता बाधक न हो। हिंदी दिवस इसलिए मनाया जाता है क्योंकि उसी दिन हिंदी हमारे देश की आधिकारिक भाषा बनी। इसे मनाने के पीछे युवाओं को अपनी जड़ों के बारे में याद दिलाने का एक तरीका भी है।

इसी कड़ी में विभाग की ओर से 30 सितंबर 2021 को 'राष्ट्र के बहुमुखी विकास का मूलमंत्र : अनुवाद' विषय पर एक संगोष्ठी आयोजित की गई, जिसमें वक्ता के तौर पर शामिल दिल्ली विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के

प्रोफेसर और भारतीय अनुवाद परिषद के निदेशक प्रो. पूरन चंद टंडन ने बताया कि भारत जैसे विशाल राष्ट्र की एकता के प्रसंग में अनुवाद की आवश्यकता असंदिग्ध है। भारत की भौगोलिक सीमाएं न केवल कश्मीर से कन्याकुमारी तक बिखरी हैं बल्कि इस विशाल भूखण्ड में विभिन्न विश्वासों एवं सम्प्रदायों के लोग रहते हैं जिनकी भाषाएं एवं बोलियां एक दूसरे से भिन्न हैं। भारत की अनेकता में एकता इन्हीं अर्थों में है कि विभिन्न भाषाओं, जातियों, सम्प्रदायों एवं विश्वासों के देश में भावात्मक एवं राष्ट्रीय एकता कहीं भी बाधित नहीं होती। भारत के हजारों वर्षों के इतिहास चिन्तन ने इस धारणा को पुष्ट किया है कि मध्ययुगीन भक्ति आन्दोलन से लेकर आज के प्रगतिशील आन्दोलन तक भारतीय साहित्य की दिशा एक रही है। यह बात अनुवाद के द्वारा ही सम्भव हो सकी कि जिस समय गोस्वामी तुलसीदास राम के चरित्र पर महाकाव्य लिख रहे थे, उसी समय हिन्दी के समानान्तर ओड़िया, बांग्ला, तेलुगु, तमिल, हरियाणवी के विद्वान राम के चरित्र को नया रूप दे रहे थे।

विभाग ने 10 जनवरी 2022 को विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में काव्य प्रतियोगिता रखी, जिसमें सभी ने अपनी मौलिक रचना पेश की। महाविद्यालय के सभी विभाग के 46 विद्यार्थियों ने इसमें बढ़-चढ़ कर भाग लिया। प्रतियोगिता में तीन सर्वश्रेष्ठ विजेताओं को धनराशि और प्रमाण पत्र से पुरस्कृत किया गया।

आयोजनों की कड़ी में विभाग ने 20 जनवरी 2022 को 'मध्यकालीन साहित्य के अध्ययन की दिशाएं' विषय पर व्याख्यान रखा, जिसमें दिल्ली विवि के हिंदी विभाग के प्रोफेसर और डीन अंतर्राष्ट्रीय संबंध प्रो. अनिल राय मुख्य वक्ता के रूप में शामिल हुए। उनका कहना था कि मध्यकाल को नए दृष्टिकोण से देखने की आवश्यकता है। उसको समझने के लिए कई सारी दिशाएं हैं। बिना मध्यकालीन के आधुनिकता नहीं हो सकती। दोनों के





अपने अपने तर्क हैं। दोनों अपने विचारों से टकराते हैं। इस काल में अनेक तरह की टीकाएं लिखी गई हैं। उस समय की भाषिक जानकारी होना आवश्यक है। कामायनी की टीका लिखी गई बहुत बार। कबीर की रचना, जायसी की पद्मावत, तुलसी की रामचरित मानस कोने कोने में पहुंची हैं। साहित्येतर क्षेत्र को समझना आवश्यक है। आर्थिक, सामाजिक, राजनीतिक शक्तियों का बहुत बड़ा योगदान होता है। इसलिए इनको भी जानना जरूरी है। इसलिए मध्यकालीन साहित्य को समझने के लिए उसको एक सामूहिक रूप से जकड़ी हुई मनोवृत्ति में समझा जाता है। प्रो. राय ने कहा कि आज के युग में विमर्शों की धूम मची हुई है। कबीर, सूर और तुलसीदास को स्त्री विरोधी कहा जाता है। लेकिन ऐसा नहीं है। यह समाज विरोधी बातें हैं। हमारी जो राजनीति है उसका प्रभाव इस पर बहुत गहरा पड़ता है। आज के संदर्भ में मध्यकाल को समझने की जरूरत है। देखना चाहिए कि कबीर जैसा कवि कैसे विश्व प्रेम का संदेश देता है।

इसी तरह 25 अप्रैल 2022 को विभाग ने वार्षिकोत्सव के रूप में 'मुखातिब' का आयोजन किया, जिसमें दिल्ली

विवि के अनेक से महाविद्यालयों के प्रतिभागियों ने शिरकत की। आयोजन में आशु भाषण प्रतियोगिता, ट्रेज़र हंट प्रतियोगिता, ओपन माइक की धूम रही। सभी प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। विभागाध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार ने प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन किया। आयोजन में विभाग के सभी शिक्षकों का सहयोग रहा। छात्र संयोजक के रूप में तृतीय वर्ष के विद्यार्थी जुनैद आलम सहित उनके साथियों ने आयोजनों में बढ़ चढ़कर हिस्सेदारी की और सफल बनाया। हिंदी साहित्य परिषद के संयोजक प्रो. संजय कुमार शर्मा की आयोजनों की रूपरेखा बनाने से लेकर उन्हें आयोजित कराने में महती भूमिका रही। साथ ही महाविद्यालय प्राचार्य प्रो. राकेश कुमार गुप्ता और विभाग अध्यक्ष प्रो. राकेश कुमार के समय-समय पर मिले मार्गदर्शन ने आयोजनों में निखार लाने का काम किया।

श्वेता कुमारी, अध्यक्ष, हिंदी साहित्य परिषद
अंजली, उपाध्यक्ष, हिंदी साहित्य परिषद
प्रो. संजय कुमार शर्मा
संयोजक, हिंदी साहित्य परिषद

NON-TEACHING STAFF



Admin. Office Staff



Accounts Office Staff



Library Staff



Laboratory Staff



Medical Facilities



Cleanliness Staff



Gardening Staff

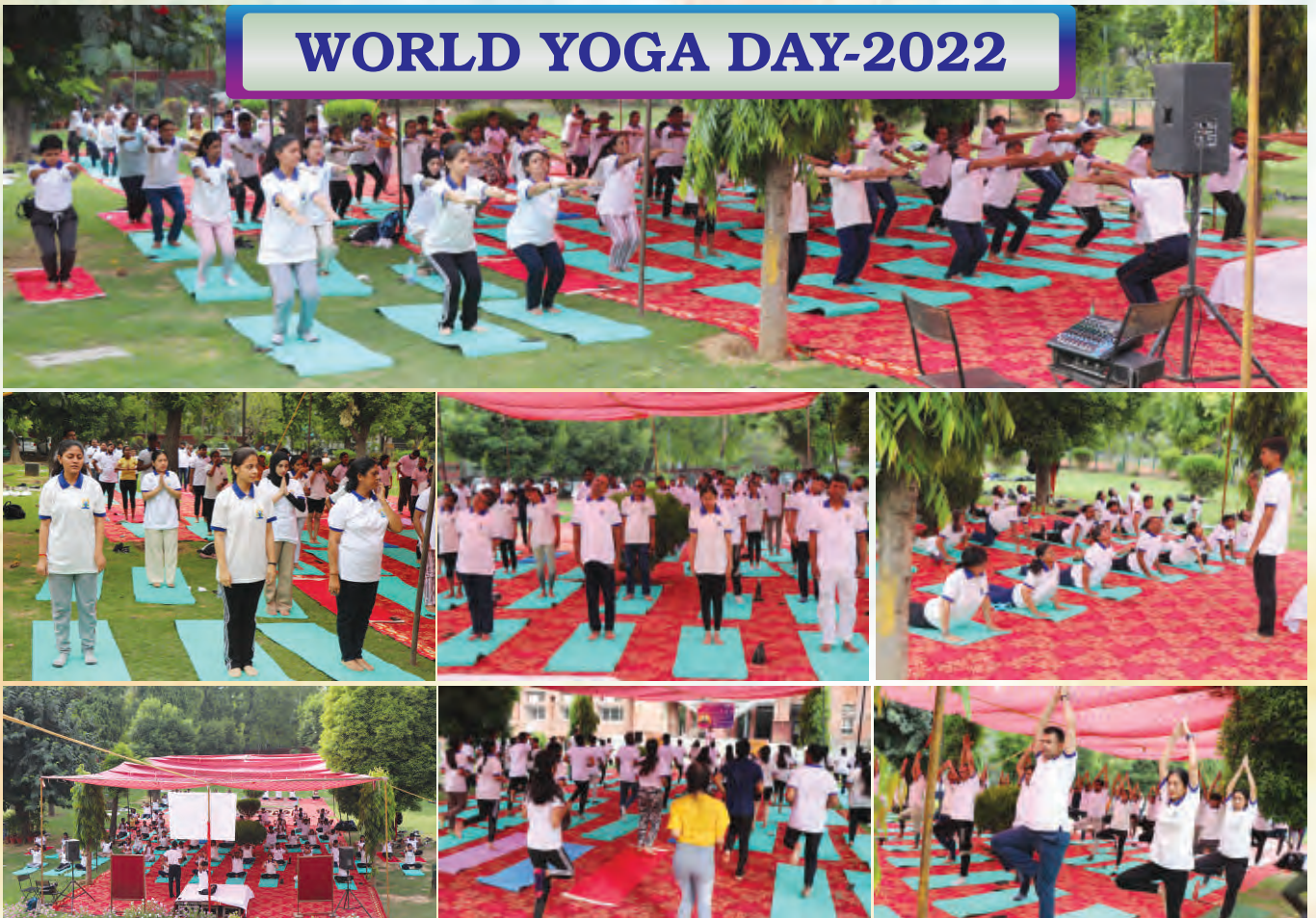
महाविद्यालय प्रांगण



नैसर्गिक वैभव एवं अन्य आकर्षण



WORLD YOGA DAY-2022



विशिष्ट उपलब्धियाँ



छात्र श्रेष्ठता पुरस्कार



Akash Nair (B.Sc. Hons Geology)
D.U. University Topper receiving Gold Medal



Ayushi Khandelwal, (B.A. Hons English)
Best Student in Extra curricular Activities



Saijal Bajaj (B.Sc. Hons, Statistics)
Best NSS Volunteer



Ms Jennis Jacob
(B.A. Hons. English)
Best student-Humanity/Social Science



Arya Raj Deepak (B.A. Prog.)
Best sports person



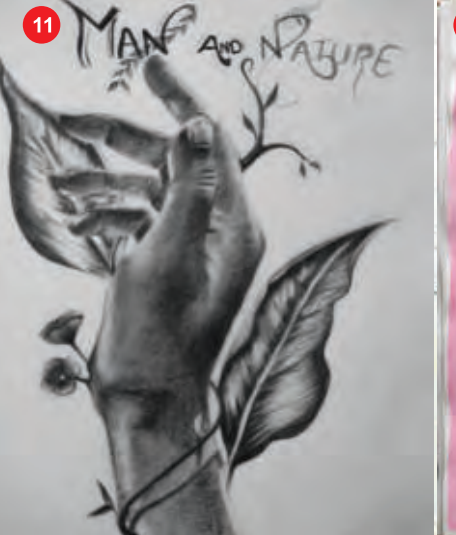
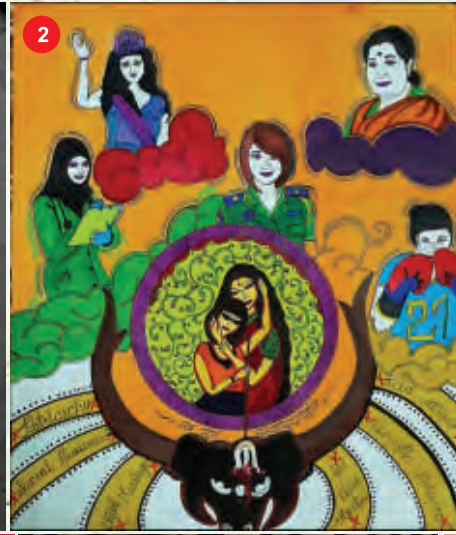
Anurag Singh
(BSc Hons, Microbiology)
Best student, Science stream



Satyanistitha Sharma (BMS)
Best student Commerce Stream



Hrithik Singh (BSC Hons, Maths)
Best NCC Cadet



ये चित्रकृतियाँ छात्रों द्वारा सृजित हैं

पृष्ठ आवरण: सागर ठकराल, बी.ए. प्रोग्राम

1. गयाति देव, बी.ए. प्रोग्राम
2. आदेश शंकर, बी.ए. प्रोग्राम
3. भारती, बी.ए. प्रोग्राम
4. ममता, बी. कॉम
5. विपुल, बी.ए. प्रोग्राम
6. दीपाली, बीजेएमसी
7. रितिका, बी कॉम
8. मायशा, बी.ए. अंग्रेजी
9. ज्योत्सना, माइक्रोबायोलॉजी
10. ममता, बी.कॉम
11. नाज़, बी.ए. हिन्दी
12. नेहा, बी कॉम प्रोग्राम



RAM LAL ANAND COLLAGE

(University of Delhi)

5, Benito Juarez Road Dhaula Kuan New Delhi

Email : rlac.du@gmail.com, Website : www.rlacollege.edu.in